हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शनिवार | 28 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक : 136 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

फिर बिहार आ रहे धीरेंद्र शास्त्री, 6 दिन बोधगया में रुकेंगे; नहीं लगेगा बागेश्वर बाबा का दरबार

एजेंसी

पट ना: बागेश्वर धाम सरकार के नाम से चर्चित पंडित धीरेंद्र शास्त्री एक बार फिर बिहार दौरे पर आ रहे हैं। पितृ पक्ष के दौरान वे 6 दिन गया जिले के बोधगया में रुकेंगे। हालांकि, इस दौरान बागेश्वर बाबा का सार्वजनिक दरबार नहीं लगेगा। करीब एक हफ्ते के प्रवास के दौरान धीरेंद्र शास्त्री होटल संबोधि रिट्रीट में रुकेंगे। इस दौरान वे निवास स्थान पर रहकर ही भागवत कथा करेंगे। गया जिला प्रशासन की ओर से उनकी सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वे 27 सितंबर को बोधगया पहुंचेंगे।बागेश्वर बाबा के कार्यक्रम समन्वयक नितेंद्र चौबे ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार दोपहर बाद सड़क मार्ग से बोधगया पहुंचेंगे। 27 सितंबर से दो अक्टूबर तक उनका गयाजी में प्रवास होगा। दो अक्टूबर को धीरेंद्र शास्त्री गया से वापस रवाना हो जाएंगे। बताया गया है कि उनके साथ आने वाले भक्त गया में पिंडदान भी करेंगे।धीरेंद्र शास्त्री के गया प्रवास के दौरान बागेश्वर बाबा का दरबार नहीं लगेगा।

पश्चिम बंगाल में बिहारी युवकों की पिटाई पर ऐक्टिव हुए नीतीश,

मुख्य सचिव और डीजीपी को दिए निर्देश

पश्चिम बंगाल में बिहारियों से मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव और डीजीपी को तुरंत ऐक्शन मोड में आने को कहा है। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने बंगाल में अपने समकक्षों से बात करके मामले की जानकारी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में बिहारी युवकों की पिटाई का मामला सामने आने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ऐक्टिव हो गए। उन्होंने गुरुवार को तत्काल मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा और डीजीपी आलोक राज को इस मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने दोनों वरीय अधिकारियों को पश्चिम बंगाल में अपने समकक्ष से बात करके पूरी जानकारी लेने का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्य सचिव और डीजीपी ने पश्चिम बंगाल के अपने-अपने समकक्षों से बात की। बता दें कि बिहार पुलिस मुख्यालय से संपर्क होने के बाद बंगाल की पुलिस भी ऐक्टिव हो गई और बिहारी युवकों की पिटाई करने के आरोपी राजीव भट्टाचार्य को हिरासत में ले लिया गया।

दरअसल, इस घटना एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे बिहार में सियासी घमासान छिड़ गया है। पक्ष से लेकर विपक्ष के नेताओं ने इस घटना की निंदा की। इस वीडियो में आरोपी राजीव भट्टाचार्य सिलीगुड़ी में प्रतियोगी परीक्षा देने गए युवकों से बदसलूकी करते हुए नजर आ रहा है। सिलीगुड़ी पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।चिराग, गिरिराज ने ममता सरकार पर हमला बोला, लालू ने भी लगाया फोन

बिहारी युवकों से मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एवं चिराग पासवान ने इस घटना की निंदा करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर जमकर हमला बोला। गिरिराज ने कहा कि बंगाल में एक तरफ रोहिंग्या मुसलमानों का स्वागत किया जा रहा है, जबकि दूसरी ओर बिहार से परीक्षा देने आ रहे युवकों को पीटा जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सह लोजपा रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर बिहारियों का अपमान किया है। उनके राज्य में अब परीक्षा देना भी गुनाह हो गया है। विपक्षी पार्टी आरजेडी के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने भी इस घटना पर दुख जताते हुए ममता बनर्जी से फोन पर बात की और दोषी के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया।सिलीगुड़ी पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गया आरोपी राजीव भट्टाचार्य बांग्ला पक्खो नाम के एक कट्टरवादी संगठन का सदस्य बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में वह बिहार से परीक्षा देने आए दो युवकों के कमरे में घुसकर उनसे मारपीट करते हुए नजर आ रहा है। आरोपी ने उनसे यह भी कहा कि वे बिहार से बंगाल में परीक्षा देने क्यों आए हैं। उसने उनपर फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर बंगाल में परीक्षा देकर स्थानीय लोगों की नौकरियां हड़पने का आरोप भी लगाया।

बंगाल में कोई कानून नहीं, सरकार को रहने का अधिकार नहीं, ममता बनर्जी पर क्यों भड़के ललन सिंह

एजेंसी

पटना: केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि बिहार के छात्रों की बंगाल में पिटाई इसलिए की गयी क्यों की वहां कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। कोई सरकार नहीं है। बंगाल में आज अराजकता की स्थिति बन गई है। बंगाल की सरकार को एक मिनट बने रहने का अधिकार नहीं है।

पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी में परीक्षा देने गए बिहारी छात्रों की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गिरिराज सिंह, लालू यादव, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री ललन सिंह ने ममता बनर्जी पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा है कि बंगाल सरकार को एक मिनट रहने का अधिकार नहीं है। मामले में अविलंब कार्रवाई होना चाहिए।

प्रेस से बात करते हुए मुंगेर सांसद सह केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि बिहार के छात्रों की बंगाल में पिटाई इसलिए की गयी क्यों की वहां कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। कोई सरकार नहीं है। बंगाल में आज अराजकता की स्थिति बन गई है। ऐसी दशा में बंगाल की सरकार को एक मिनट बने रहने का अधिकार नहीं है। ज्ञात हो कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। जाहिर है कि इस घटना के लिए ललन सिंह ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि बिहार के छात्रों की बंगाल में पिटाई इसलिए की गयी क्यों की वहां कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है।

'सरकार घबराई हुई है, प्रधानमंत्री परेशान हैं, ज्यादा नहीं बोलते', मोदीपर जयराम रमेश ने कसा तंज

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश लगातार मोदी पर हमलावर रहते हैं। इसी बीच एक बार फिर से जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान के बहाने रमेश ने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान '400 पार' और संविधान बदलने की बात की। हमारे गैर-जैविक पीएम चुप रहते हैं और दूसरों से बयान दिलवाते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तीन काले कानूनों को वापस लाने की मांग बीजेपी की ओर से हर दिन आती है।

अपना हमला जारी रखते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम और 'स्वघोषित' चाणक्य ने सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। वे आरक्षण पर 50% की सीमा हटाएंगे या नहीं इसका जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र के राज्य चुनावों में ये बड़े मुद्दे बनने जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 4 जून, 2024, भारतीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था... आगामी राज्य चुनावों के बाद आप और अधिक बदलाव देखेंगे। यह पूछने पर कि हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव किस तरह के बदलाव लाएंगे, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम का चेहरा देखिए। वह परेशान है। वह ज्यादा नहीं बोलते। वह दुनिया के देशों का दौरा करते हैं लेकिन मणिपुर नहीं पहुंचे हैं।

'अब मैं आ गया हूं...': दिल्लीवालों को अरविंद केजरीवाल ने किसा बात का दिलाया भरोसा

एजेंसी

दिल्ली: दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर की सभी सड़कों का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से तत्काल मूल्यांकन कराने को कहा है। गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने सीएम आतिशी को अगले तीन-चार दिनों के भीतर मूल्यांकन पूरा करने के लिए कहा है। हाल ही में तिहाड़ जेल से रिहा हुए केजरीवाल ने बताया कि उनके कारावास के दौरान कई परियोजनाओं में देरी हुई। केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया

कि रुकी हुई परियोजनाएं अब फिर से शुरू होंगी और दिल्ली के बुनियादी ढांचे को पटरी पर लाने का वादा किया। मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मैंने कल भी आतिशी के साथ डीयू का दौरा किया था। सड़क क्षतिग्रस्त हो गयी।

आंध्र प्रदेश में राक्षस राज जारी है, जगन बोले- मेरी यात्रा में बाधा डालने की हो रही कोशिश

एजेंसी

नई दिल्ली: युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी के तिरुमाला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन के लिए जाने से पहले जिला पुलिस ने पार्टी के कई नेताओं और कार्यकताओं को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वे पुलिस अधिनियम की धारा 30 का उल्लंघन न करें। पूरे मामले को लेकर जगन मोहन रेड्डी का बयान सामने आया है। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि राज्य में राक्षस राज जारी है।यात्रा में बाधा डालने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने मंदिर यात्रा के संबंध में राज्य भर के वाईएसआरसीपी नेताओं को

नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में कहा गया है कि तिरुमाला मंदिर की यात्रा की अनुमति नहीं है और वाईएसआरसीपी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को आवश्यक मंजूरी नहीं है। नतीजतन, नेताओं को उस कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति नहीं है।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री के आज तिरुमाला जाने से पहले रेनिगुंटा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद पुलिस उन्हें निषेधाज्ञा का उल्लंघन न करने के लिए एक नोटिस भी जारी कर सकती है। सोशल मीडिया पर वाईएसआरसीपी के कार्यकताओं से पूर्व मुख्यमंत्री के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए तिरुपति में कुछ स्थानों पर एकत्र होने को कहा जा रहा है और इस कारण पुलिस को पार्टी के कई नेताओं को नोटिस जारी करना पड़ा। जिले में सार्वजनिक सभाओं और किसी भी तरह की शोभायात्रा निकालने पर रोक के लिए यहां पुलिस अधिनियम की धारा 30 लागू की गई है।

'जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने आतंकवाद को नकारा', जेपी नड्डाबोले- बुलेट के बजाय बैलेट का रास्ता चुना

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर में अंतिम चरण के चुनाव को लेकर भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा रही है। आज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जम्मू में प्रेस को संबोधित किया।इस दौरान नड्डा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर चुनाव के बारे में सबसे बड़ी बात यह है कि यह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें बूथ-कैप्चरिंग, गोलीबारी या आतंकवादी हमलों का कोई निशान नहीं था। उन्होंने कहा कि चुनाव देखने के लिए दुनिया भर के 16 देशों के राजदूत यहां आए थे। यह एक ऐतिहासिक

क्षण है जब जम्मू-कश्मीर के लोग बुलेट के बजाय बैलेट की शक्ति को चुन रहे हैं।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव के दो चरण पूरे हो चुके हैं, जो इस बात का प्रतिबिंब हैं कि किस तरीके से जम्मू कश्मीर के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्यार, विश्वास और उनकी नीतियों को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हुआ है।इस चुनाव में पिछले चुनाव की भांति कोई हिंसा नहीं हुई, कोई बूथ कैप्चरिंग नहीं हुई और कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आपको जानकर खुशी होगी कि 16 देशों के एंबेसडर यहां का चुनाव देखने आए थे और उन्होंने देखा कि कैसे यहां की कानून व्यवस्था पर नियंत्रण और प्रजातंत्र में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

'पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री', उमर अब्दुल्ला ने ऐसा क्यों कहा?

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर में चुनाव के बीच वार-पलटवार का दौर भी जारी है। जेकेएनसी के उपाध्यक्ष और गांदरबल और बडगाम से पार्टी के उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला ने आज एक बार फिर से भाजपा पर निशाना साधा है। मीडिया से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आज जम्मू में जो हालात हैं, आज जम्मू में जो आतंकवाद है, आज हमारे वीर जवानों को निशाना बनाया जा रहा है- बीजेपी को इसका जवाब देना चाहिए।

उन्हें बताना चाहिए कि 2014 के बाद जम्मू में आतंकवाद क्यों फैला और पिछले 3 सालों में आतंकवाद का ग्राफ अचानक क्यों बढ़ गया। यह उनकी विफलता है।अब्दुल्ला ने आगे कहा कि उन्हें इसे स्वीकार करना चाहिए और लोगों से माफी मांगनी चाहिए। जब वे जम्मू-कश्मीर में बोलते हैं तो इसके लिए 3 परिवारों को जिम्मेदार ठहराते हैं। जब वे जम्मू-कश्मीर के बाहर बोलते हैं तो कहते हैं कि इसके लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि अगर हम ज़िम्मेदार हैं तो आप पाकिस्तान से बात क्यों नहीं करते? जब आप जम्मू-कश्मीर आते हैं तो आप बाकी देश और हमसे पहले पाकिस्तान को जिम्मेदार क्यों ठहराते हैं? विरोधाभास है।

सिद्धारमैया के पक्ष में खड़े हुए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, पूछा-

क्या गोधरा कांड के बाद मोदी ने दिया था इस्तीफा?

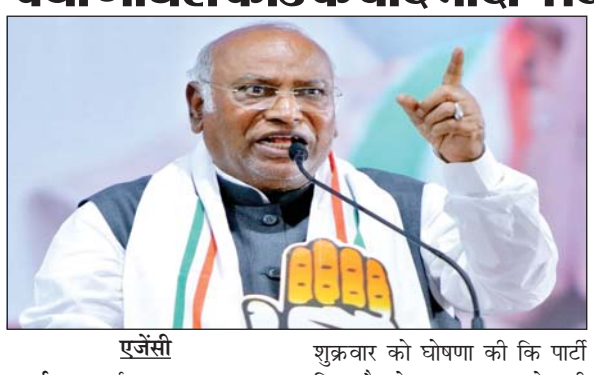

एजेंसी

कर्नाटक: कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सीएम सिद्धारमैया को घातक झटका देने और उनके खिलाफ एमयूडीए घोटाले के आरोपों की जांच की अनुमति देने के कुछ दिनों बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को घोषणा की कि पार्टी सिद्धारमैया के साथ एकजुटता से खड़ी है और सीएम के इस्तीफे की मांग को खारिज कर दिया। कांग्रेस पार्टी प्रमुख ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान 2002 के गोधरा दंगों को याद किया और कहा कि उन्होंने आधुनिक भारत की सबसे घातक घटनाओं में से एक के बावजूद भी इस्तीफा नहीं दिया था।खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि जब गोधरा कांड हुआ तो क्या पीएम मोदी ने इस्तीफा दिया था? किसी व्यक्ति विशेष की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए उसे निशाना न बनाएं क्योंकि उनके (कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया) माध्यम से पार्टी की छवि को भी नुकसान होगा। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे सिर्फ कांग्रेस पार्टी को नष्ट करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। कानून को अपना काम करने दीजिए। मैं प्रतिदिन के बारे में सुनकर तंग आ गया हूँ। हम उनके साथ खड़े हैं ।

भूपिंदर हुड्डा ने पार्टी के भीतर किसी भी मतभेद से किया इनकार, बोले-

कांग्रेस की बनेगी सरकार

एजेंसी

हरियाणा: हरियाणा में सियासी दंगल के बीच कांग्रेस के भीतर की मतभेद को लेकर चर्चा तेज है। इन सबके बीच पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कांग्रेस के भीतर किसी भी मतभेद को खारिज कर दिया है। भूपिंदर सिंह हुड्डा ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस नेता शुरू से ही एकजुट रहे हैं और कांग्रेस में कोई उदासीनता नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भारी बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार बनेगी। हुड्डा ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में क्या किया है?

उनके पुत्र एवं सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप देखे जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह खुद न तो ह्यटायर्डह्न हैं और न ही ह्यरिटायर्डह्न हैं। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा की कथित नाराजगी को लेकर भी उनसे

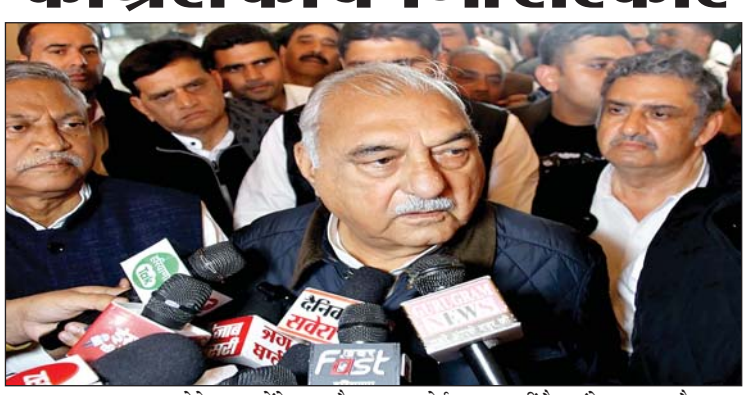

पूछा गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मीडिया द्वारा पैदा किया हुआ है, यह कोई प्रकरण नहीं है। कांग्रेस एकजुट है।ह्न इस सवाल पर कि क्या अब सब कुछ ठीक है तो हुड्डा ने कहा, पहले भी सब कुछ ठीक था और आज भी है।मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से जुड़े सवाल पर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री चयन की एक स्थापित प्रक्रिया है और पार्टी आलाकमान जो भी फैसला करेगा, उन्हें मंजूर होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की एक पद्धति है। विधायक चुने जाएंगे। पर्यवेक्षक आएंगे, विधायकों का मत लेंगे और फिर आलाकमान फैसला करेगा। वे (आलाकमान) जो भी फैसला करेंगे, मुझे स्वीकार होगा। इससे एक दिन पहले सैलजा ने भी कहा था कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस आलाकमान का फैसला उन्हें स्वीकार होगा।

भूपिंदर सिंह हुड्डा ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस नेता शुरू से ही एकजुट रहे हैं और कांग्रेस में कोई उदासीनता नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भारी बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार बनेगी।

पश्चिम बंगाल में बिहारी छात्रों के दुर्व्यवहार पर भड़के बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, कहा - 'यह शर्मनाक घटना'

बिहारी बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पश्चिम बंगाल में बाहरी राज्यों के लोगों के प्रति सरकार की दुर्भावना दशार्ता है : डॉ. दिलीप

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पश्चिम बंगाल में बिहारी छात्रों के साथ हुए दुर्व्यवहार मामले की निष्पक्ष जांच हो : डॉ. दिलीप जायसवाल
- किसी भी प्रदेश में बिहारी छात्रों के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 27 सितंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने पश्चिम बंगाल में बिहारी छात्रों के साथ हुए दुर्व्यवहार की घटना पर भडकते हुए कहा कि यह शर्मनाक है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार में बिहार के बच्चों के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार हो रहा है।उन्होंने आज कहा कि यह घटना न केवल पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था की विफलता है, बल्कि बाहरी राज्यों के लोगों के प्रति सरकार की दुर्भावना भी दशार्ता है।

पश्चिम बंगाल में बिहार के बच्चों की पिटाई के मामले को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसके लिए ममता बनर्जी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा , जब राज्य की मुख्यमंत्री कानून और व्यवस्था बनाए रखने में असफल हो जाती हैं, तो इसका सबसे बुरा असर आम जनता पर पड़ता है, खासकर जब वह दूसरे राज्यों से होते हैं। बिहार और बंगाल के बीच सदियों से सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं, लेकिन ममता सरकार ने इस सौहार्द को तोड़ने का काम किया है।डॉ. जायसवाल ने मांग करते हुए कहा कि इस घटना की तुरंत निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा इस मुद्दे को लेकर चुप नहीं बैठेगी और जरूरत पड़ी तो बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि "बिहार के बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, और उनके साथ इस तरह का व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।डॉ. जायसवाल ने आगे राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि इस घटना के बाद राजद में अगर थोड़ी भी नैतिकता शेष बची है तो ममता बनर्जी को इंडी गठबंधन से अलग करे या उससे संपर्क तोड़े, नहीं तो यह माना जाएगा कि इस घटना में राजद की भी स्वीकृति है।

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था अब किसी से छिपी नहीं रही है। भाजपा किसी भी हिंसा का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद की बात करती है।

अंतराष्ट्रीय बधिर दिवस के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, दिव्यांगों ने पेश की आकर्षक प्रस्तुति

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- दिव्यांगता अभिशाप नहीं बल्कि समाज से हटकर कुछ अलग करने का जज्बा पैदा करता है : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 27 सितंबर। पटना में अंतर्राष्ट्रीय बधिर दिवस के अवसर पर जे एम इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग एव बिहार बधिर संघ के द्वारा आयोजित 42 वें वार्षिक समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविन्द्र भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांगों ने अपनी कला का जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल भी पहुंचे और दिव्यांगों का हौसला बढ़ाया।

इसके उपरांत दिव्यांग महिलाओं एव बालिकाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प , कलाकृति और वस्तुओं को भी देखा । इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सह निवर्तमान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी जी , विधान पार्षद सह राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संजय मयूख , पूर्व मंत्री श्री सुरेश शर्मा , आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डा सहजानंद प्रसाद सिंह एव अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे ।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं बल्कि समाज से हटकर कुछ अलग करने का जज्बा पैदा करता है। इसे लेकर जिंदगी को कोसने के बजाय उसके साथ जीने का सलीका सीखना चाहिए। ऊपरवाले ने हर किसी को अलग काबिलियत से नवाजा है। बस जरूरत है उसे निखारने की।

उन्होंने दिव्यांगों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अगर समाज का सही साथ मिले तो मूक-बधिर भी आसमान छू सकते हैं। आज बधिर दिवस के मौके पर दिव्यांगों का हुनर सबके सामने है। आज ये भी सामान्य लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। इनकी प्रतिभा पर पहचान का संकट भले ही हो, पर उनके हुनर ऐसे हैं कि उनको जमाने के सामने आना ही है।

चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से मुलाकात की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रकाशनार्थ पटना 27/9/2024 आज लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय प्रसंस्करण उद्योग मंत्री माननीय श्री चिराग पासवान जी ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी से मुलाकात की। इस दौरान बिहार के सर्वांगीण विकास और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के संबंध में चर्चा हुई।

इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

हुसैनगंज में शुक्रवार से शुरू हुई अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की मूल्यांकन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) राज्य के सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में हुई अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की कॉपियों की जांच शुक्रवार को केन्द्रीयकृत पद्धति के अनुसार किया जा रहा है.इस संदर्भ में प्रत्येक पंचायत स्तर पर मूल्यांकन केन्द्र बनाए गए हैं. उन सभी मूल्यांकन केन्द्रों पर शुक्रवार को सभी विषयों के लिए सह परीक्षक तथा प्रधान परीक्षकों ने योगदान दिए. प्रधान परीक्षक अमर कुमार प्रसाद एवं अंसार आलम ने बताया कि कोई भी सह परीक्षक मूल्यांकन केंद्र पर मोबाइल लेकर नहीं जायेंगे. मूल्यांकन केन्द्रों पर औचक निरीक्षण जिले से प्रतिनियुक्त उड़नदस्ते द्वारा किए जायेंगे. शुक्रवार को वर्ग 3 से लेकर 8 तक की कॉपियों की मूल्यांकन शुरू हुई. ये मूल्यांकन 1 अक्टूबर तक चलेगी. इसी दौरान हुसैनगंज प्रखण्ड के मध्य विद्यालय बड़रम सीआरसी केन्द्र पर मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हुआ. उस केन्द्र पर उमवि कुतुबछपरा उर्दू, उमवि महुवल बाजार, प्राथमिक विद्यालय टड़िया और मध्य विद्यालय बड़रम के विद्यार्थियों के कांपियों की मूल्यांकन चल रही है. प्रधान परीक्षक अमर कुमार ने बताया कि इस केन्द्र पर लगभग 1000 कांपियों की मूल्यांकन किया जायेगा. इस कार्य को सम्पन्न कराने के लिए सीआरसी सह मवि बड़रम के प्रधानाध्यापक बशिष्ट कुमार सिंह को निदेशक तथा संकुल समन्वक उमवि कुतुबछपरा उर्दू के प्रधानाध्यापक मो. हसमुद्दीन को बनाया गया है. इस मूल्यांकन में सह परीक्षक के रूप में राकेश कुमार सिंहा, राजेश कुमार प्रसाद, नेसार अहमद, तौसिफ अनवर, खलील अहमद, प्रीति निहारिका, अभिनंदन कुमार, हरेन्द्र मांझी, कमलेश बैठा, रंजना कुमारी, पंकज कुमार, विजय राम, संतोष कुमार पाठक, मधुकर पांडेय, उपेंद्र मांझी, कुमारी शिखा,रंजीता कुमारी, रीना कुमारी, राफिया अफरीन सहित अन्य थे.

मधुबनी में पेंशन वृद्धि की मांग पर सेवानिवृत्ति बैंक कर्मियों का प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

यूनाइटेड फॉर्म ऑफ रिटायरीस बैंक यूनियन मधुबनी में स्टेट बैंक की मुख्य शाखा परिसर के बाहर रिटायरीस बैंक कर्मियों में पेंशन वृद्धि मांग को लेकर प्रदर्शन एवं नारेबाजी की. प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यूनाइटेड फॉर्म ऑफ बैंक रिटायरीस यूनियन के जिला कमेटी के सचिव रामाशंकर प्रसाद ने कहा बैंक पेंशनर्स कि वर्ष 1987 से पेंशन की कोई वृद्धि नहीं हुई है जबकि सरकारी कर्मचारियों की पेंशन हर पे कमीशन के बाद बढ़ जाती है सरकारी कर्मचारियों के पेंशन वृद्धि के लिए सरकार को बजट में प्रावधान करना पड़ता है जबकि बैंक पेंशनर्स के पेंशन फंड में 3 लाख करोड़ से भी ज्यादा धनराशि जमा है इसके बावजूद कइ.अ.ऊऋर के हठधर्मिता के कारण आज बैंक के पुराने महाप्रबंधक को आज के एक चपरासी से भी कम पेंशन मिलता है. यूनाइटेड फॉर्म जिला कमेटी के अध्यक्ष अवधेश प्रसाद ने कहा मांग अगर नहीं मानी गई तो आंदोलन और तेज होगा .साथ ही कहा रिटायरीस बैंक कर्मियों की एकता बहुत जरूरी है. प्रदर्शन में भाग लेने वाले :-

प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने की मांग को लेकर विधुत उपभोक्ताओं ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- एक केवीए प्रीपेड वाले उपभोक्ताओं का प्रति महिना 80 रूपए लोड जुमार्ना अनुचित- सुरेंद्र
- सबसे गरीब राज्य है, 2 सौ यूनिट बिजली फ्री कर सरकार-आसिफ होदा
- जब 7 रुपए यूनिट तक चार्ज लेती है विभाग तो लोड चार्ज, मीटर रेंट एवं लोड जुमार्ना क्यों-मो० एजाज
- प्रीपेड मीटर का बिल भी विभाग उपभोक्ताओं को प्रति महीना देने की व्यवस्था करे
- 2021 में मोदी सरकार के प्रीपेड मीटर नीति को सबसे आगे बढ़कर नीतीश सरकार ने लागू किया- ब्रह्मदेव प्रसाद सिंहप्रीपेड मीटर हैक होने की चर्चा से प्रीपेड

मीटर लगा लेने वाले उपभोक्ता परेशान- संजीव

रायताजपुर/समस्तीपुर (27 सितंबर 2024 प्रीपेड स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने, 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करने, विधुत सेवा शुल्क-मीटर शुल्क एवं लोड शुल्क,लोड जुमार्ना पर रोक लगाने, झारखंड के तर्ज पर बिहार में भी 2 सौ यूनिट फ्री बिजली देने आदि मांगों को लेकर विधुत उपभोक्ताओं ने भाकपा माले एवं आरवाईए के बैनर तले फलमंडी से जुलूस निकाला। बड़ी संख्या में विधुत उपभोक्ताओं ने भाकपा माले एवं आरवाईए के बैनर तले शुक्रवार को नगर परिषद क्षेत्र के फलमंडी में इकट्ठा होकर "कथितरूप से तेज चलने वाला प्रीपेड मीटर पर रोक लगाओ", "इलेक्ट्रीक शुल्क-मीटर शुल्क, लोड शुल्क एवं लोड जुमार्ना पर रोक लगाने", "सबसे गरीब राज्य में सबसे महंगा बिजली क्यों- बिहार सरकार जबाब दो", "2 सौ यूनिट बिजली फ्री दो" आदि नारे लगाते हुए फलमंडी से जुलूस निकाला जो बाजार क्षेत्र का नारे लगाकर भ्रमण कर पुनः फलमंडी पहुंचकर जुलूस जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता आरवाईए के प्रखंड उपाध्यक्ष मो० एजाज ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए विधुत सुधार संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सह भाकपा-माले जिला स्थाई समिति सदस्य सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रीपेड मीटर तेज चलने की खबर लगातार आ रही है। जो उपभोक्ता डीजिटल मीटर का 250-300 रुपए का बिल आता था, प्रीपेड मीटर लगते ही उनका बिल 5 सौ रुपए से अधिक आने लगा। यह सत्यापित जानकारी है कि एक किलोवाट लोड का प्रीपेड मीटर का इलेक्ट्रीक बिल एवं मीटर रेंट 10 रुपए हैं। स्वभाविक है कि महीने का 3 सौ और साल का 36 सौ रुपए बिना बिजली जलाये ही विभाग वसूलती है। लोड जुमार्ना के नाम पर प्रति महीना 80 रुपये वसूलती है।

ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र सब्जी मंडी में सब्जी का रेट कुछ इस प्रकार रहा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

रिविलगंज :25.09.24 को रिविलगंज थानान्तर्गत ई0आर0एस0एस0-112 को सूचना मिली कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा दो महिला 1. गुलशन खातुन, पिता- मो0 बदरे आलम, साकिन- सिरिस्या, थाना- रिविलगंज, जिला- सारण 2. शायबा खातुन, पिता- शौकत अली, साकिन- टेकनिवास, थाना- रिविलगंज, जिला- सारण को चाकू मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया है। जिससे गुलशन खातुन की मृत्यु हो गयी। इस संबंध में वादिनी शायबा खातुन उम्र करीब 18 वर्ष, पिता-शौकत अली, सा०-रामपुर सिरसिय, थाना- रिविलगंज, जिला-सारण के फर्दव्यान के आधार पर मो० हातिम (मृतिक के पति), पिता मन्टू मियाँ, सा० रौजा, थाना-मुफ्फसिल, जिला-सारण के विरूद्ध साजिश के तहत वादिनी की मौसी गुलशन खातुन पर चाकू से हमला कराकर हत्या व वादिनी को जख्मी कराने के आरोप में रिविलगंज थाना कांड संख्या-286/24, दिनांक-26.09.2024, धारा-126(2)/115(2)/118(1)/117(2)/109(1)/103(1)/352 बी०एन०एस० दर्ज किया गया है।

आगामी त्योहारों के अवसर पर सामान्य विधि व्यवस्था बानाये रखने को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- सभी प्रतिमा/विसर्जन शोभा यात्रा के लिये लाइसेन्स की अनिवार्यता, रोशनी, साफ-सफाई, स्थानीय शांति समिति की बैठक करने को लेकर दिया गया महत्वपूर्ण दिशानिर्देश

सारण, छपरा 27 सितंबर, 2024 जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने गुरुवार संध्या में दुगार्पूजा एवं आगामी अन्य त्यौहारों के अवसर पर विधि व्यवस्था सामान्य बानाये रखने को लेकर बैठक किया। दुर्गा पूजा के संदर्भ में बताया गया कि सभी प्रतिमा/विसर्जन यात्रा के लिये लाइसेन्स की अनिवार्यता को सुनिश्चित किया जाना है।सभी थाना/प्रखंड/अनुमंडल स्तर पर सभी स्थानीय पूजा समिति /आयोजकों के साथ तत्काल बैठक कर सभी आवश्यक दिशानिदेर्शों से अवगत कराने को कहा गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर शांति समिति की बैठक सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। कार्यपलाक अभियंता विद्युत आपूर्त्ति को सभी आवश्यक जगहों पर बिजली के जर्जर तारों की मरम्मती सुनिश्चित करने को कहा गया। साफ सफाई को लेकर नगर निगम एवं अन्य सभी नगर निकायों को स्पष्ट निदेश दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक यातायात को पूजा के अवसर पर छपरा शहर के लिये स्पष्ट ट्रैफिक प्लान तैयार कर इसकी पूर्व जानकारी देने को कहा गया। शहरी क्षेत्रों में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश सभी नगर निकायों को दिया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से मेन रोड एवं रेलवे लाइन के किनारे स्थित आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने का निदेश दिया गया। प्रतिमा विसर्जन सीधे नदियों में नहीं किया जाना है। इसके लिए नदियों के किनारे आवश्यकतानुसार कृत्रिम जलाशयों का निर्माण करने को कहा गया। विसर्जन हेतु चिन्हित सभी घाटों पर आपदा प्रबंधन के मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और छात्र लोजपा (रामविलास) के संयुक्त तत्वाधान में ममता बनर्जी जी का पुतला दहन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 27 सितम्बर, 2024पश्चिम बंगाल में बिहारी छात्रों के साथ मारपीट की हुई घटना के विरोध में आज पटना में युवा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और छात्र लोजपा (रामविलास) के संयुक्त तत्वाधान में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी का पुतला दहन आयकर गोलंबर पर किया गया। भाजपा कार्यालय के पास पुतला दहन करने के पूर्व पुतला के साथ सैकड़ो की संख्या में लोजपा रामविलास के कार्यकताओं ने भारी संख्या में आयकर गोलंबर पर उपस्थित थे। पुतला दहन कार्यक्रम का नेतृत्व बिहार प्रदेश युवा लोजपा रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे और छात्र लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस मृणाल और पार्टी के प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट कर रहे थे। पुतला दहन के क्रम में ममता बनर्जी इस्तीफा दो, पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू हो, बिहारी छात्रों के साथ हुई घटना की जांच हो, सभी संलिप्ट दोषियों पर को तत्काल जेल के सलाखों में बंद कर उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए आदि नारा लग रहा था। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में शासन प्रशासन पर ममता बनर्जी के सत्ता का इकबाल खत्म हो गया है प्रदेश में कानून व्यवस्था बिल्कुल बदहाल है अपराधी सत्ता के संरक्षण में बेलगाम अपराध की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं इसलिए नैतिकता के आधार पर ममता बनर्जी को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए अन्यथा पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार को राष्ट्रपति शासन लागू करें। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि पुतला दहन कार्यक्रम में पार्टी के युवा राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान, मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट, एससी/एसटी प्रदेश अध्यक्ष परशुराम पासवान, अति पिछड़ा अध्यक्ष मनोज कुमार, युवा प्रदेश प्रधान महासचिव प्रकाश कुशवाहा युवा प्रदेश उपाध्यक्ष चंदन यादव, सोनू सिंह, युवा प्रदेश महासचिव सिद्धार्थ कुमार, बृजेश श्रीवास्तव, युवा पूर्वी जिला अध्यक्ष शशि चौरसिया, युवा पश्चिमी जिला अध्यक्ष राकेश कुमार, युवा पटना महानगर अध्यक्ष कुंदन सिंह यादव, छात्र पश्चिमी अध्यक्ष प्रत्यूष आनंद, मनीष कुमार सिंह कुमारी सोनम विष्णु प्रिया और मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार मौजूद थे।

करूवा कॉलेज परिसर में श्रम संसाधन विभाग द्वारा आयोजित श्रमिकों के निबंधन सह जागरूकता शिविर कार्यक्रम में भाग लिया गया

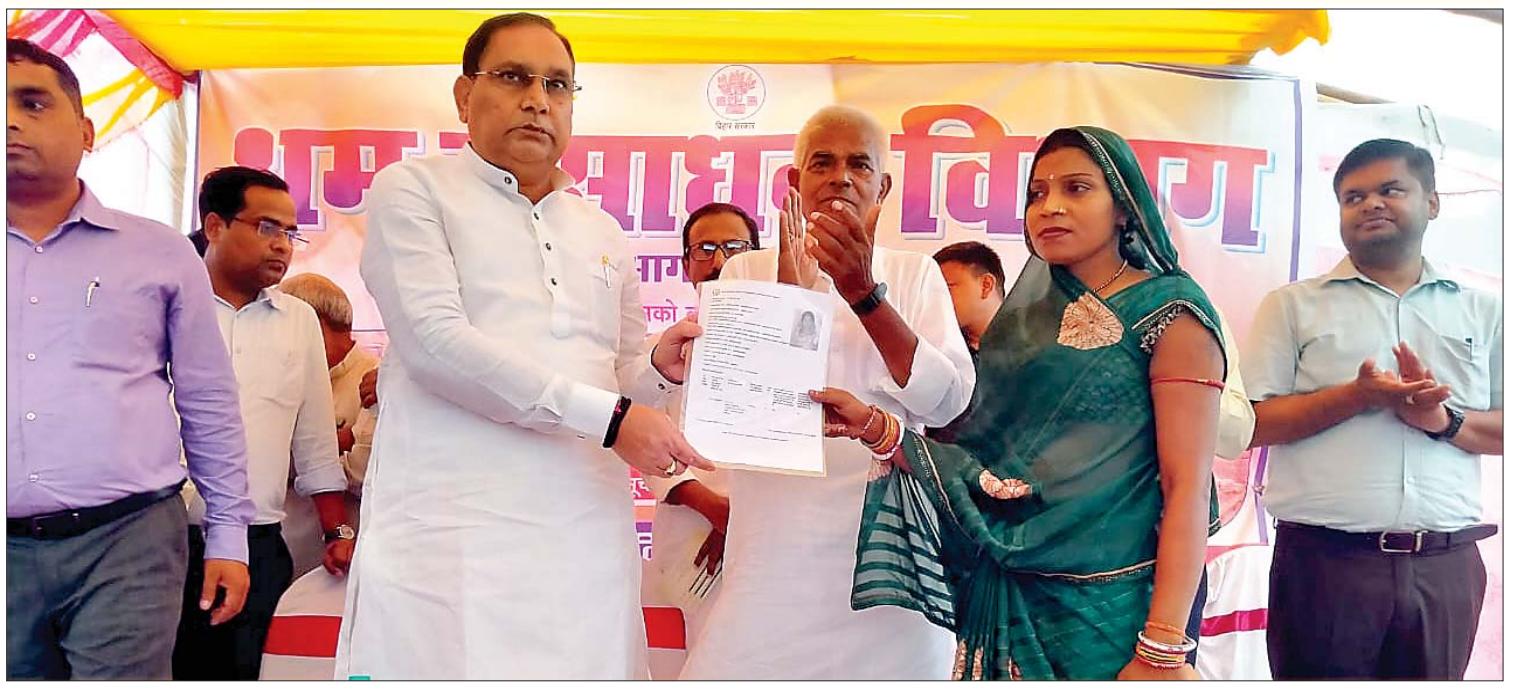

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

माननीय मंत्री सूचना एवं जनसंपर्क विभाग श्री महेश्वर हजारी द्वारा करूवा कॉलेज परिसर में श्रम संसाधन विभाग द्वारा आयोजित श्रमिकों के निबंधन सह जागरूकता शिविर कार्यक्रम में भाग लिया गया एवं निबंधित श्रमिक आशा देवी, संफूल देवी, राजकुमार ,नीतू देवी राजेश कुमार ,ज्योति , निर्मला देवी आदि को श्रम संसाधन विभाग की योजना से लाभान्वित किया गया। इसके अतिरिक्त मुस्कान कुमारी को नगद पुरस्कार अंतर्गत ?10000 , सूरज कुमार को ?15000 , शांति देवी को कन्या विवाह हेतु ?50000 ,पूनम देवी को ?50000, उषा देवी को ?50000 ,चुन्नीलाल महतो को ?50000, राजमती देवी हजपुरवा को ?50000 एवं आपदा प्रभावित लाभुकों जिसमें आशा देवी को ?20000 सुभद्रा देवी उपेंद्र पासवान को विवाह सहायता योजना अंतर्गत ?50000, शीला देवी सत्यनारायण पासवान धुवगामा पूसा को विवाह सहायता योजना अंतर्गत ?50000 की राशि प्रदान की गई। साथ ही साइकिल योजना अंतर्गत शिवचंद्र प्रसाद, उदय कुमार शर्मा, नंदकिशोर पासवान -गोराई , विकास कुमार- हजपुरवा, मुकेश राम -अजना, रानी देवी -गोराई, रूबी -मधुरापुर को लाभान्वित किया गया।

अत्याचार अधिनियम के तहत त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर दिनांक 27.9. 2024 को अत्याचार अधिनियम के तहत त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में सर्वप्रथम गत बैठक की कार्यवाही के अनुपालन को जिला कल्याण पदाधिकारी प्रसून परमल द्वारा प्रस्तुत किया गया जिस पर सभी माननीय एवं सदस्यों से विचार विमर्श किया गया एवं सुझाव आमंत्रित किए गए. इसके पश्चात जिला कल्याणपुर अधिकारी द्वारा विगत तीन माह में अनुसूचित जाति जनजाति के मामलों को प्रस्तुत किया गया जिस पर माननीय मंत्री सूचना एवं जनसंपर्क विभाग श्री महेश्वर हजारी द्वारा द्वारा सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अनुसूचित जाति जनजाति के मामलों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ देखने की जरूरत है एवं उसमें त्वरित कार्रवाई अपेक्षित है ।माननीय मंत्री द्वारा बताया गया कि माननीय मुख्यमंत्री बिहार द्वारा समाज के निचले तबके तक सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है ऐसे में सभी पदाधिकारी को संवेदनशील होकर अनुसूचित जाति जनजाति के मामलों को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करने की आवश्यकता है। बैठक में अपर समाहर्ता समस्तीपुर श्री अजय कुमार तिवारी ,माननीय विधायक श्री रण विजय साहू सहित अन्य माननीय विधायक गण तथा सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

*फ्लैश फ्लड की चेतावनी/पूवार्नुमान के आलोक में जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को पूरी तरह से अलर्ट मोड में रहने का दिया निर्देश।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

फ्लैश फ्लड की चेतावनी/पूवार्नुमान के आलोक में जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को पूरी तरह से अलर्ट मोड में रहने का दिया निर्देश। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज 27 सितंबर 2024 को मधुबनी सहित पूर्वी चंपारण पश्चिमी चंपारण सीतामढ़ी शिवहर मुजफ्फरपुर गोपालगंज सिवान आदि कई जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी किया है। पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी की गई फ्लैश फ्लड की चेतावनी के आलोक में जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को अलर्ट मोड में रहते हुए पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्देश दिया है कि नदियों के जल स्तर पर नजर बनाए रखें, साथ ही तटबंधों की लगातार निगरानी करते रहें। उन्होंने कहा है कि उक्त पूवार्नुमान अथवा चेतावनी के आलोक में किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने हेतु सभी प्रकार के आवश्यक तैयारी कर लें और पूरी तरह से अलर्ट मोड में रहे।

शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदनाएं प्रकट की। दुःख

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 27 सितम्बर, 2024 विगत दिनों वैशाली लोकसभा से माननीय सांसद श्रीमती वीणा देवी जी के सुपुत्र के निधन उपरांत आज राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत उनके पैतृक ग्राम बड़ा दाउदपुर, पारु पहुंचे और उनके शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदनाएं प्रकट की। दुःख के इस घड़ी में पूरा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) परिवार शोक संतप्त परिजनों के साथ मजबूती से खड़ा है।

समस्तीपुर स्टेशन के आउटर सिग्नल पर बीते रात जयनगर से नई दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर असामाजिक तत्वों ने जमकर पथराव किया कई यात्री घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर स्टेशन के आउटर सिग्नल पर बीते रात जयनगर से नई दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर असामाजिक तत्वों ने जमकर पथराव किया गया। इस घटना में कुछ यात्रियों को हल्की चोटें भी आईं। जिनका उपचार समस्तीपुर में ही कराया गया। बताया गया है कि रात करीब पौने नौ बजे समस्तीपुर में कुछ देर रुकने के बाद ट्रेन मुजफ्फरपुर के लिए चली। आउटर सिग्नल पर पहुंचते ही ट्रेन पर पथराव शुरू हो गया। अचानक हुए पथराव से यात्री दहशत में आ गए।जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब जीआरपी की एस्कार्ट पार्टी ट्रेन के अंदर मौजूद थी। बताया जाता है कि रात करीब पौने नौ बजे समस्तीपुर में कुछ देर रुकने के बाद ट्रेन मुजफ्फरपुर के लिए चली। आउटर सिग्नल पर पहुंचते ही ट्रेन पर पथराव शुरू हो गया। अचानक हुए पथराव से यात्री दहशत में आ गए।45 मिनट की देरी से ट्रेन मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंची।वहीं, सूचना मिलने पर आरपीएफ एवं जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे तथा जांच की। पथराव के कारण पेंट्रीकार समेत उसके बगल की ए-वन तथा बी-2 कोच के शीशे टूट गए। कई स्लीपर कोच की खिड़कियों पर भी पत्थर लगे थे। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के आगे निकली डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस पर भी पथराव की चर्चा है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। रेल अधिकारियों ने बताया कि पथराव करने वालों की पहचान की जा रही है।

जिनका उपचार समस्तीपुर में ही कराया गया। बताया गया है कि रात करीब पौने नौ बजे समस्तीपुर में कुछ देर रुकने के बाद ट्रेन मुजफ्फरपुर के लिए चली। आउटर सिग्नल पर पहुंचते ही ट्रेन पर पथराव शुरू हो गया। अचानक हुए पथराव से यात्री दहशत में आ गए।

डेंगू की रोकथाम को लेकर मधुबनी डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने दिए कई निर्देश।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- डेंगू की रोकथाम को लेकर मधुबनी डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने दिए कई निर्देश।।
- माईकिंग कर लोगों को जागरूक करने का निर्देश।
- घर में साफ-सफाई पर ध्यान रखने एवं कूलर, गमले का पानी रोज बदलने का डीएम ने किया अपील।
- जलजमाव वाले स्थानों पर एंटी लार्वा केमिकल का छिड़काव करने का दिया निर्देश
- डेंगू वाले मच्छरों को बढ़ाने में एसी, कूलर व फ्रिज ,गमले का पानी आदि की

भूमिका महत्वपूर्ण:

मधुबनी/ 27 सितंबर2024 बारिश के मौसम को देखते हुए जिले में डेंगू के नियंत्रण को लेकर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड में है ।बीमारी से बचाव के लिए कई आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ।डेंगू से बचाव एवं रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभाग जे अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए है । जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि माइकिंग कर लोगों को डेंगू से बचाव को लेकर जागरूक करें,उन्होंने इसको लेकर कचड़ा उठाव वाली गाड़ियों में लगी माइक का उपयोग करने का निर्देश दिया।. जिलधिकारी ने निर्देश दिया कि डेंगू के एक भी मरीज मिलने पर आसपास के 500 मीटर के परिधि में एंटी लार्वा केमिकल का छिड़काव करें , साथ ही

स्थायी जलजमाव वाले जगहों पर एंटी लार्वा केमिकल का छिड़काव करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा की मरीज मिलने पर शहरी क्षेत्र में नगर निगम की ओर से छिड़काव कराना है, जबकि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा छिड़काव कराया जाना है. यह अभियान ठंड के मौसम आने तक चलता रहेगा.

रैपिड रिस्पांस टीम का गठन करने का निर्देश : जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसे गंभीर रोग से निपटने के लिए जिले में रैपिड रिस्पोंस टीम का गठन करें ताकि जिला स्तर से लेकर सामुदायिक स्तर पर आम लोगों में इन रोगों के प्रति जागरूकता व इलाज की सटीक जानकारी दी जाए. साथ ही आपातकाल स्थिति में सक्रिय रहने की जिम्मेदारी इस टीम को दी जाए. गौरतलब हो कि डेंगू के मरीज के अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में मरीज के लिए सदर अस्पताल में 8 बेड , सभी चारों अनुमंडलीय अस्पताल में 4 बेड तथा 17 पीएचसी में 2 बेड आरक्षित किया गया है । डेंगू वाले मच्छरों को बढ़ाने में एसी, कूलर औ? फ्रिज,गमले का पानी आदि की भूमिका महत्वपूर्ण:

डेंगू मच्छर संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। केवल दो फुट की ऊंचाई तक उड़ पाने वाला यह मच्छर साफ पानी में पनपता है। गंदे या चलते पानी में एडीज मच्छर अंडे नहीं देती हैं। इसके लिए थोड़ा सा यानी (एक चम्मच) पानी भी पर्याप्त होता है, एडीज मच्छर केवल दिन में ही काटता है। इसलिए घर के अंदर भी पूरे कपड़े पहनकर रहना चाहिए। अपने घरों या आसपास में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस तरह के मच्छरों को बढ़ाने में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण योगदान कूलर, एसी और फ्रिज की ट्रे की भूमिका रहती हैं। क्योंकि इसी तरह के जगहों पर एडीज मच्छर अंडे देती हैं, इसलिए फ्रिज की ट्रे को भी नियमित रूप से साफ करते रहें। बुखार होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाएं और चिकित्सीय परामर्श लेने के बाद ही अपना इलाज करायें लेकिन अपनी मर्जी से दवा दुकान से दवा खरीदकर न खाएं। बल्कि चिकित्सक से उपचार करने के बाद ही दवा खाने चाहिए। मच्छर के प्रकोप से बचाव के लिए महत्वपूर्ण बातें: -घर में साफ-सफाई पर ध्यान रखें और कूलर, गमले का पानी रोज बदलें।-सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें और दिन में मच्छर भागने वाली क्रीम का इस्तेमाल करें।

-पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहने एवं कमरों की साफ-सफाई के साथ उसे हवादार रखें।

समस्तीपुर स्टेशन के आउटर सिग्नल पर बीते रात जयनगर से नई दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर असामाजिक तत्वों ने जमकर पथराव किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर स्टेशन के आउटर सिग्नल पर बीते रात जयनगर से नई दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर असामाजिक तत्वों ने जमकर पथराव किया गया। इस घटना में कुछ यात्रियों को हल्की चोटें भी आईं। जिनका उपचार समस्तीपुर में ही कराया गया। बताया गया है कि रात करीब पौने नौ बजे समस्तीपुर में कुछ देर रुकने के बाद ट्रेन मुजफ्फरपुर के लिए चली। आउटर सिग्नल पर पहुंचते ही ट्रेन पर पथराव शुरू हो गया। अचानक हुए पथराव से यात्री दहशत में आ गए।जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब जीआरपी की एस्कार्ट पार्टी ट्रेन के अंदर मौजूद थी। बताया जाता है कि रात करीब पौने नौ बजे समस्तीपुर में कुछ देर रुकने के बाद ट्रेन मुजफ्फरपुर के लिए चली। आउटर सिग्नल पर पहुंचते ही ट्रेन पर पथराव शुरू हो गया। अचानक हुए पथराव से यात्री दहशत में आ गए।45 मिनट की देरी से ट्रेन मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंची।वहीं, सूचना मिलने पर आरपीएफ एवं जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे तथा जांच की। पथराव के कारण पेंट्रीकार समेत उसके बगल की ए-वन तथा बी-2 कोच के शीशे टूट गए। कई स्लीपर कोच की खिड़कियों पर भी पत्थर लगे थे। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के आगे निकली डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस पर भी पथराव की चर्चा है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। रेल अधिकारियों ने बताया कि पथराव करने वालों की पहचान की जा रही है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन समस्तीपुर के संयुक्त तत्वाधान में शहर के पटेल मैदान में छह दिवसीय राज्य स्तरीय विद्यालय बालिका अंडर-14 कबड्डी प्रतियोगिता शुरू हुआ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन समस्तीपुर के संयुक्त तत्वाधान में शहर के पटेल मैदान में छह दिवसीय राज्य स्तरीय विद्यालय बालिका अंडर-14 कबड्डी प्रतियोगिता शुरू हुआ। हालांकि, भारी बारिश के कारण प्रतियोगिता पटेल मैदान में बने कबड्डी कोर्ट पर नही हो पाई। इस पर जिला प्रशासन व मैच ऑफिशियल ने शाम तक बारिश थमने का इंतजार किया। लेकिन दिन भर रुक रुक कर बारिश होने की बजह से मुकाबले को पटेल मैदान स्थित इंडोर हॉल में शुरू कराया गया।

जिला खेल पदाधिकारी आकाश ने बताया कि 26 सितंबर से 1 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में 38 जिले एंव एक एकलव्य की टीम के 468 खिलाड़ी व 78 दल प्रभारी भाग ले रहे हैं। मुकाबले शुरू होने से पूर्व तक 34 जिलों के 408 खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण करा लिया है। वही पांच जिला की टीमें आनी बाकी हैं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के भोजन व आवासन की व्यवस्था विधि महाविद्यालय में की गई है। वहीं पुरुष दल प्रभारीयों के आवासन एमएसकेजी महाविद्यालय में की गई हैं।

प्रतियोगिता का पहला मुकाबला एकलव्य बिहार बनाम शिवहर के बीच खेला गया। जिसमें एकलव्य ने एक तरफा मुकाबले में 37-1 से पराजित कर प्रतियोगिता के अगले चक्र में प्रवेश किया। इससे पूर्व जिला खेल पदाधिकारी ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनका हौसला आफजाई कर मैच को शुरू कराया। मौके पर जिला कबड्डी संघ के राजीव चौधरी, नेशनल कबड्डी रेफरी राणा सिंह, अरुण कुमार सहित विभिन्न जिला के खिलाड़ी व दल प्रभारी मौजूद थे।

हक दो- वादा निभाओ अभियान के तहत भाकपा माले ने किया प्रखंड कार्यालय का घेराव

बीडीओ और सीओ को संबोधित करते हुए माले ने सौंपा 5 सूत्री मांग

संवाददाता
संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 27 सितम्बर शुक्रवार।95 लाख महागरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि अविलंब देने, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल आवासीय जमीन देने, सबको पक्का मकान व 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, प्रखण्ड के लगभग सभी पंचायतों में लटकी नल जल योजना को चालू कराने, मनरेगा में लूट-खसोट व फर्जी निकासी पर रोक लगाने, मजदूरों को 200 दिन काम व 600 रुपए दैनिक मजदूरी देने, जनहित में राशन- किरासन वितरण में गड़बड़ी पर रोक लगाने, जरूरतमंदों को पशु शेड का लाभ लेने, शौचालय निर्माण की लंबित राशि का भुगतान शीघ्र करने, एमएसपी की गारंटी, सिंचाई साधन, कृषि विकास,रोजगार,पलायन, शिक्षा-स्वास्थ्य, सड़क, ग्रामीण विकास, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने, 65 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने समेत अन्य जनसमस्याओं को लेकर भाकपा-माले के सैकड़ों कार्यकताओं ने प्रखंड मुख्यालय पर पहुंचकर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। मौके पर एक सभा का आयोजन किया गया।

सभा को माले के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक कॉमरेड अमरनाथ यादव एवम जयशंकर पंडित समेत अन्य कार्यकताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

प्रखंड सचिव उपेंद्र प्रसाद ने किया। सभा को संबोधित करते हुए अमरनाथ यादव ने कहा कि गरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की दिशा में सरकार के प्रयास नाकाफी हैं। सरकार ने आय प्रमाण पत्र का झमेला बना रखा है। प्रखंड प्रशासन के द्वारा 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है। इसका मतलब है कि जरूरतमंदों को सही अर्थों में इस योजना का लाभ नहीं देने की योजना है। उन्होंने आगे कहा कि प्रखंड में मनरेगा योजनाओं में बड़े पैमाने पर लूट-खसोट जारी है। प्रखंड क्षेत्र में चल रहे किसी भी एक योजना को बतौर उदाहरण सामूहिक रूप से जांच कराई जाए। मनरेगा में की जा रही हेराफेरी व भ्रष्टाचार सामने आ जाएगी।

जयशंकर पंडित ने कहा की भाजपा और जदयू सरकार की वादाखिलाफी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट हुए हैं। ये वही सरकार है जिसने चुनाव के दौरान गरीब वंचित किसानों से उद्यमी योजना के तहत ?2 लाख की सहायता राशि और 5 डिसमिल जमीन देने का वादा किया था। लेकिन आज तक ये वादा केवल कागजों तक सीमित है। हमारे किसान बिना जमीन और वित्तीय सहायता के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं। सरकार की नीतियाँ सिर्फ बड़े उद्योगपतियों और अमीरों के हितों को साधने का काम कर रही हैं, जबकि गरीबों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। यह सरकार गरीबों और वंचितों की अनदेखी कर रही है, और उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

इसके साथ ही वृद्ध पेंशन की राशि ?400 जो कि महंगाई के इस दौर में बेहद नाकाफी है, इसे बढ़ाकर ?3000 करने की मांग भी अनसुनी की जा रही है। यह सरकार बुजुर्गों की गरिमा के साथ खिलवाड़ कर रही है। क्या हमारे बुजुर्गों की मेहनत का यही फल है? यह सरकार गरीब किसानो और बुजुर्गों के लिए खतरा है।इस घेराव और आंदोलन में महिलाओं, किसानों और मजदूरों की बड़ी भागीदारी रही जिन्होंने अपने हक के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखा।घेराव में नेतागण विनोद शर्मा, रामायण यादव, राघव प्रसाद, दिनेश राम, हामिद अंसारी, उषा देवी, हेमंती देवी, सुनील कुशवाहा, कैलाश राम, फेकू मियां, राकेशराम, अमित पंडित, मनीषपंडित, सभी उपस्थि

श्रावणी मेला भगदड़ कांड में जहानाबाद SDM पर गिरी गाज, लापरवाही के चलते 7 श्रद्धालुओं की गई थी जान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

जहानाबाद में श्रावणी मेला के अवसर पर बराबर में हुए सात श्रद्धालुओं की मौत के मामले में एसडीम विकास कुमार पर गाज गिर गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने डीएम की रिपोर्ट को प्रथम दृष्टया सही मानते हुए एसडीएम विकास कुमार पर विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है। फिलहाल उन्हें जहानाबाद के एसडीएम पद से हटाते हुए पटना के वरीय उपसमाहर्ता की जवाब देहीं दी गई है। वही सारण में वरीय उपसमाहर्ता की जवाब देही निभा रहे राजीव रंजन सिन्हा को जहानाबाद के एसडीएम की जवाबदेही दी गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी की रिपोर्ट के आलोक में सामान्य प्रशासन विभाग ने मुख्य जांच आयुक्त को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया है। बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व जहानाबाद के एसडीएम विकास कुमार पर आरोप है कि उनकी लापरवाही से बराबर पहाड़ी पर भगदड़ मची, जिस वजह से सात श्रद्धालुओं की मौत हुई।जिलाधिकारी के द्वारा प्रपत्र का गठित कर भेजे जाने के बाद राज्य सरकार ने एसडीएम विकास कुमार के खिलाफ वृहद जांच के लिए विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है। मुख्य जांच आयुक्त को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। एसडीएम विकास कुमार को भी अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने बताया कि उनके असर से एसडीएम के खिलाफ प्रपत्र (क) का गठन कर सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा गया था।जहानाबाद में श्रावणी मेला के अवसर पर बराबर में हुए सात श्रद्धालुओं की मौत।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से शुक्रवार को विभिन्न विद्यालयों में आई स्कैनिंग जांच बच्चों की बच्चों की आई स्कैनिंग जांच किया गया।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 27 सितम्बर शुक्रवार। दुरौंधा के विभिन्न विद्यालय मे आई स्कैनिंग जांच की गई इस दौरान आंखों में आयें दोष मिलने पर एक कार्ड बनाकर दिया गया। वैसे बच्चों को प्रत्येक मंगलवार को दारौंदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेत्र चिकित्सक द्वारा जांच कर दवा एवं निःशुल्क चश्मा दी जाएगी। राष्ट्रीय दृष्टिविहिनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बच्चों की जांच पंचायतवार किया जा रहा है। एएनएम शिवानी कुमारी ने बताया कि नेत्र दृष्टि जांच कार्यक्रम के तहत कौथुआसारंगपुर, सिरसांव पंचायत के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में जांच कार्यक्रम चल रही है। सरकार की महत्वपूर्ण कार्यक्रम को धरातल पर उतारा जा रहा है। ऐसे शिक्षक स्कूल में नेत्र कैंप की मॉनिटरिंग करेंगे। शिक्षक अभिभावक मीटिंग में भी इसकी जानकारी दी जा रही है । जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को विभाग की ओर से निशुल्क चश्मा दिया

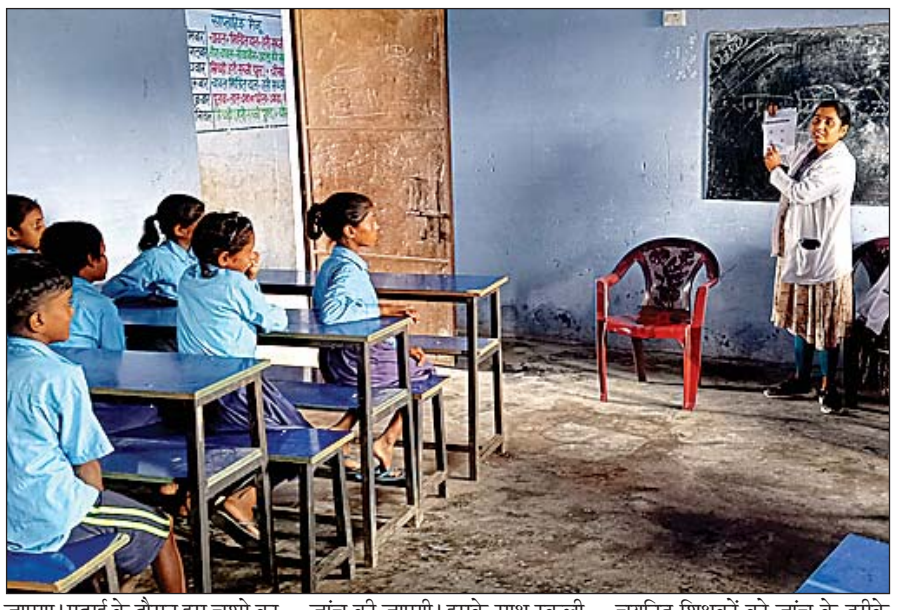

जाएगा। पढ़ाई के दौरान इस चश्मे का उपयोग करके छात्र-छात्राएं सहज महसूस कर पाएंगे।

राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सरकारी स्कूल के बच्चों की नेत्र जांच की जाएगी। इसके साथ स्कूली बच्चों को निशुल्क चश्मा दिया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग इसके लिए स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। सरकारी विद्यालयों में चयनित शिक्षकों को जांच के तरीके बता कर निपुण किया जा रहा है। विभिन्न विद्यालयों के लिए अलग-अलग तिथियों के अनुरूप बच्चों का नेत्र जांच की जाएगी।

सीमा शुल्क (निवारण) पटना ने चलाया स्वच्छता ही सेवा अभियान ।साफ-सफाई, वृक्षारोपण,

कन्या विद्यालयों में शौचालय निर्माण और सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाई गई

संवाददाता
संवाददाता
अबु बकर

पटना : सीमा शुल्क (निवारण) पटना के आयुक्त डॉ यशोवर्धन पाठक के द्वारा 14 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत आयुक्त के साथ-साथ अन्य सभी अधिकारियों ने अपने आसपास को सम्पूर्ण स्वक्छ बनाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया।अभियान के तहत केंद्रीय राजस्व आवासीय परिसर, आशियाना- दीघा रोड, सलीमपुर डुमरा, पटना में आयुक्त के साथ ही साथ विभाग के अन्य अधिकारियों द्वारा साफ सफाई एवं वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त केंद्रीय राजस्व आवासीय परिसर में स्वछता अभियान के तहत पूर्ण साफ-सफाई एवं सौन्द्रियकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त डॉ यशोवर्धन पाठक ने बताया कि सरकारी विद्यालयों खासकर कन्या

विद्यालयों में शौचालय का निर्माण एवं मरम्मती कार्य के तहत बक?सर जिले के नियाजीपुर, उच्च विद्यालय में शौचालय का निर्माण एवं मरम्मती कार्य एवं विद्यालय प्रांगन की साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण जैसे कार्य संपन्न कराया गया। सीमा शुल्क (निवारण) द्वारा नियाजीपुर, उच्च विद्यालय एवं राजपुर उच्च विद्यालय अर्जुनपुर में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन को स्थापित किया गया जिसका लोकार्पण आयुक्त सीमा शुल्क, पटना के कर कमलों द्वारा किया गया। आयुक्त ने आगे यह भी बताया कि कन्या विद्यालयों में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना पर विशेष महत्व देने कि आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आगे भी सरकारी कन्या विद्यालयों में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना के लिए प्रयासरत रहेंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों में पढाई के साथ ही साथ स्वछता के प्रति जागरूकता फैलेगी। सीमा शुल्क (निवारण) के इस कार्य से विद्यालय की लकड़ियों में स्वछता के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला।

तिरहुत स्नाटक के वोटर बनने के लिए 15 तक तक आवेदन

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 अंतर्गत मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के क्रम में मतदान केंद्रों की सूची की प्रारूप प्रकाशन पर प्राप्त दावा आपत्ति के निष्पादन के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की प्रतिनिधियों के साथ आज विमर्श सभा कक्ष में बैठक आहूत की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि प्राप्त दावा आपत्तियो की जांच निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के द्वारा कराया गया। बैठक में जांच प्रतिवेदन से उपस्थित माननीय जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया जिस पर सबों की सहमति व्यक्त की गई। जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि आठ नए मतदान केंद्रों का प्रस्ताव अनुमोदन हेतु निर्वाचन आयोग को भेजा जाएगा। बैठक में अपर समाहर्ता ,राजस्व संदीप कुमार, अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार धनंजय सहित सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उपस्थित थे तिरहुत स्नातक निर्वाचन से संबंधित भी बैठक की गई ।बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि 24 सितंबर से 15 अक्टूबर तक दावा आपत्ति प्राप्त करना है इस हेतु सभी पदाधिकारी अपने निर्धारित कार्यालय में उपलब्ध रहेंगे एवं भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुसार आवेदन को प्राप्त करेंगे। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उसे

ससमय निर्वाचन शाखा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे ताकि उसे ÿ३'९ी कराया जा सके।

गलती हो गई, सॉरी; पप्पू यादव ने सरकारी अफसर से कहा था, चार दिन से बीवी के पास थे क्या

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने संसदीय क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरा के दौरान अपना आपा खो दिया और एक सरकारी अफसर को फोन पर ऐसा कुछ कहा जिसे उन्होंने अब गलत माना है और सॉरी भी बोला है। चार बार पूर्णिया और दो बार मधेपुरा सीट से लोकसभा पहुंचे बाहुबली पप्पू यादव ने गुरुवार को रुपौली में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत और बचाव के काम का मुआयना किया था। इस दौरान बिजली विभाग के एक अफसर पर गुस्सा करता हुआ उनका एक वीडियो वायरल हो गया है। पप्पू लोगों का फोन नहीं उठाने और चार दिन से बिजली नहीं रहने को लेकर अफसर से कहते हैं कि चार दिन क्या तुम बीवी के पास सोए हुए थे। पप्पू यादव से जब लाइव हिन्दुस्तान ने पूछा कि एक अफसर से ऐसा कहने को वो उचित मानते हैं या अनुचित तो उन्होंने गलती मान ली और कहा कि बाढ़ में परेशान लोगों के दुख से उन्होंने गुस्से में ऐसा कह दिया जो गलत है और वो इसके लिए सॉरी बोलते हैं। पप्पू नाव पर सवार होकर जिस इलाके में पहुंचे थे वहां चार दिन से बिजली नहीं आई थी। ग्रामीणों के बार-बार फोन करने पर भी विभाग के अधिकारियों ने समाधान नहीं किया था। ग्रामीणों की शिकायत पर पप्पू यादव ने विभाग के अफसर को फोन लगवाया और काफी फटकारा। फोन पर अफसर ने बताया कि अब बिजली आ गई है तो पप्पू ने कहा कि आपकी कोई जिम्मेदारी नहीं है क्या, बोलने पर क्यों चालू हुआ।इसी वीडियो में पप्पू यादव बिजली अधिकारी से बात करने से पहले किसी प्रशासनिक अधिकारी से दूसरे फोन पर कहते हैं कि यहां अब तक सामुदायिक रसोई क्यों नहीं शुरू हुई है। इस अफसर से पप्पू यादव कहते हैं- ह्लहम कौशिकीपुर, सिमरा, नंदगोला और डुमरी में घूम रहे हैं। क्या बात है, कहीं भी आपने सूखा राशन का पैकेट नहीं भेजा है।

ब्रीफ न्यूज

जयनगर, में कमांडेंट स्तरीय समकक्ष समन्वय बैठक का सफल आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर में दिनांक 27 सितंबर 2024 को कमांडेंट स्तरीय समकक्ष समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भारतीय पक्ष से 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल कमांडेंट श्री गोविंद सिंह भण्डारी, श्री संतोष कुमार निमोरिया, उप कमांडेंट (प्रचालन) तथा नेपाल पक्ष से सशस्त्र पुलिस बल के श्री बिनोद केसी, 9वीं बटालियन एपीएफ, महोत्तरी (नेपाल), श्री दर्शन गिरी, 8वीं बटालियन एपीएफ, धनुषा (नेपाल), श्री दीपक राज भट्ट एपीएफ जठी व अन्य अधीनस्थ अधिकारी उपस्थित रहे । बैठक के दौरान भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा और प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच सीमा सुरक्षा और समन्वय को और सुदृढ़ करना था।बैठक के दौरान निम्नलिखित प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया:

1. जयनगर में नेपाली रेलवे स्टेशन की सुरक्षा: दोनों पक्षों ने जयनगर के नेपाली रेलवे स्टेशन की सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा की और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने के लिए रणनीतियाँ साझा कीं।
2. सीमा प्रबंधन और सुरक्षा: सीमा प्रबंधन और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। दोनों देशों ने सीमा पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने का संकल्प लिया।
3. तीसरे देश के नागरिकों की अनधिकृत आवाजाही की जांच: आईएनबी (इंटरनेशनल बॉर्डर) पर तीसरे देश के नागरिकों की अनधिकृत आवाजाही को रोकने के उपायों पर चर्चा की गई और इसके लिए कठोर कार्यवाही का निर्णय लिया गया।
4. सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए संयुक्त गश्त: सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए नियमित संयुक्त गश्त को और मजबूत करने की दिशा में विचार किया गया और इसके लिए आवश्यक संसाधनों और समन्वय के उपायों पर सहमति बनी।
5. कार्यवाही योग्य इनपुट साझा करना: सुरक्षा एजेंसियों के बीच कार्यवाही योग्य इनपुट्स को त्वरित रूप से साझा करने की दिशा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई गई।

. आईएनबी पर अतिक्रमण की लगातार जांच: सीमा पर अवैध अतिक्रमण की घटनाओं की नियमित रूप से निगरानी करने और इस प्रकार की गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने पर बल दिया गया।

7. अनधिकृत ड्रोन का उपयोग: सीमा क्षेत्र में अनधिकृत ड्रोन के उपयोग को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा की गई और ड्रोन की गतिविधियों की सख्त निगरानी का निर्णय लिया गया।
8. सीमा स्तंभों की मरम्मत: दोनों देशों के बीच सीमा स्तंभों की मामूली मरम्मत के लिए आपसी सहमति बनी।
9. त्यौहारी सीजन के लिए सतर्कता: आगामी दुर्गा पूजा और दीवाली के त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्णय लिया गया।
10. अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे: बैठक में अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दों पर भी चर्चा की गई, और दोनों पक्षों ने सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए निरंतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

इस समन्वय बैठक के सफल आयोजन के साथ, दोनों देशों ने सीमा पर शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया तथा बैठक के अंत में श्री गोविंद सिंह भण्डारी, कमांडेंट द्वारा नेपाल के अधिकारियों और अथिनस्थ अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर धन्यवाद किया गया ।

सीएम नीतीश से मिले चिराग पासवान, बंगाल में बिहारी छात्रों की पिटाई पर जताई चिंता, विपक्ष को घेरा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान बिहार के सर्वांगीण विकास और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के संबंध में चर्चा हुई। चिराग पासवान ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बिहारी छात्रों के साथ हुई मारपीट को लेकर मुख्यमंत्री स्वयं गंभीर हैं। और उन्होंने इस मामले की सघन जांच के निर्देश दिए हैं। जल्द से जल्द दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया को मुलाकात की जानकारी देते हुए चिराग ने कहा कि हमारी मुलाकात का विषय बिहार में चल रही योजनाएं थीं, लेकिन सबसे अहम विषय था, बिहार के छात्रों के साथ पश्चिम बंगाल में किस तरह से क्रूर व्यवहार किया जा रहा है। मैं हमेशा ये मुद्दा उठाता हूं कि कैसे दूसरे राज्यों में बिहारियों के साथ ऐसा व्यवहार होता है। यह बेहद शर्मनाक घटना है, इसका वीडियो 2 दिनों से वायरल है। भारत का संविधान यह इजाजत देता है कि कोई भी भारतीय देश के किसी भी कोने में जाकर शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय कर सकता है। इसके बावजूद अगर किसी भी राज्य में ऐसी मानसिकता है तो यह चिंता का विषय है।चिराग ने कहा कि मैंने इस मामले को मुख्यमंत्री के सामने उठाया। वहीं विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष (तेजस्वी यादव) इस मामले पर चुप हैं। मैंने इस पर चर्चा की। मुझे खुशी है कि स्थानीय प्रशासन ने इसे तुरंत लिया और वहां के प्रशासन से संपर्क किया। मुख्यमंत्री खुद इस मामले की निगरानी कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि उन बच्चों को न्याय मिलेगा।आपको बता दें बंगाल में बिहारी छात्रों से पिटाई मामले में मुख्य आरोप रजत भट्टाचार्य समेत उसके एक साथी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। और उससे पूछताछ जारी है। इससे पहले बिहार के छात्रों के साथ मारपीट की घटना के बाद बिहार के एडीजी (कानून व्यवस्था) ने पश्चिम बंगाल में अपने समकक्ष पुलिस अधिकारी को पत्र लिखा था। और बिहार के विद्यार्थियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की मांग उठाते हुए कार्रवाई करने का आग्रह किया था।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के मौके पर हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के मौके पर नोडल केंद्र राष्ट्रीय सेवा योजना हमीरपुर के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय हमीरपुर के प्राचार्य प्रोफेसर राजकुमार की अध्यक्षता सहित डॉ० शालिनी, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किया गया, इस कार्यक्रम में हमीरपुर के 11 कार्यक्रम अधिकारियों और 22 स्वयंसेवक सहित स्वयं सेविकाओं को सम्मानित किया गया! कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ वंदना नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा जनपद हमीरपुर, प्राचार्य प्रोफेसर राजकुमार, डॉ० शालिनी, लवकुश कुमार इकाई द्वितीय के कार्यक्रम अधिकारी ने सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद रामकृष्ण परास्नातक महाविद्यालय कुरारा के स्वयंसेवक शिव बाबू ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय हमीरपुर की स्वयं सेविका चित्रा ने आये हुये महमानों के लिये स्वागत गीत पेश किया। जबकि सभी कार्यक्रम अधिकारियों सहित स्वयं सेवक और सेविकाओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत को गाया, जबकि महाविद्यालय की स्वयंसेविकाओं ने गणेश वंदना, शिव तांडव सहित राधा कृष्ण के गाने पर खूबसूरत डांस पेश करके आये हुये महमानों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी लवकुश कुमार सहित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हमीरपुर की कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिल्पी राय व संजय कुमार, अभिनव प्रज्ञा महाविद्यालय हमीरपुर कार्यक्रम अधिकारी शैलेंद्र सिंह, अभिनव प्रज्ञा महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी राघवेंद्र, ओम हरि हर महाविद्यालय हमीरपुर के अधिकारी रक्षादीन कर्णधार, राजपूत मेमोरियल महाविद्यालय हमीरपुर के कार्यक्रम अधिकारी संदीप राजपूत, मां गौरा महाविद्यालय हमीरपुर के कार्यक्रम अधिकारी शुभम दक्ष को राष्ट्रीय सेवा योजना नोडल अधिकारी डॉ० शालिनी, प्रोफेसर राजकुमार सहित मुख्य अतिथि डॉ० वंदना ने उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ वंदना तथा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजकुमार द्वारा डॉ शालिनी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना जनपद हमीरपुर को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया! मुख्य अतिथि ने बोलते हुये कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के मकसद को पूरा करने के साथ ही अहम भूमिका निभाने वाले कार्यक्रम अधिकारियों को उज्जवल भविष्य की मुबारक बाद दी। इस मौके पर बोलते हुये महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजकुमार ने सभी को आशीष वचन देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी को शुभकामनाएं दी! कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम अधिकारी लवकुश कुमार जबकि समापन राष्ट्रीय सेवा योजना की नोडल अधिकारी डॉ० शालिनी ने किया!

बुद्ध पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला: व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ दिए प्रश्नों के उत्तर

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध पीजी कॉलेज, कुशीनगर में कम्युनिटी साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीपीएआई) व मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित सप्त दिवसीय कार्यशाला का बृहस्पतिवार को तीसरा दिन रहा। तीसरे प्रशिक्षण दिवस के प्रथम सत्र में सीपीएआई के महासचिव प्रो. रामजी लाल ने सामाजिक विज्ञानों में अनुसंधान प्रदत्तों के विश्लेषण में प्रयुक्त होने वाले सॉफ्टवेयर एस पी एस एस के बारें में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रो. लाल ने स्वयं की एक निमार्णाधीन मनोवैज्ञानिक परीक्षण प्रश्नावली द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। दूसरे सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ अनुभूति दुबे ने वैज्ञानिक पद्वत्ति का अनुसरण करते हुए 'शोध लेखन' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सीमा त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डा रीना मालवीय ने किया। कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. रामभूषण मिश्र, कार्यशाला के समन्यवक प्रो. अमृतांशु शुक्ल, डा सत्य प्रकाश, एवं डॉ. वीरेन्द्र साहू इत्यादि उपस्थित रहें। हाइब्रिड मोड में संचालित हो रही इस कार्यशाला में कुल 119 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण लाभ अर्जित किया।

भाजपा के सदस्यता अभियान की हुई समीक्षा, 5 लाख लक्ष्य के सापेक्ष 2.5 लाख बने सदस्य

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी रविन्द्र नगर कार्यालय में गुरुवार को जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय की अध्यक्षता में सदस्यता अभियान और सेवा पखवाड़ा की समीक्षात्मक बैठक हुई जिसमें सदस्यता अभियान और सेवा पखवाड़ा के दौरान अब तक हुए कार्यो समीक्षा व आगामी कार्यक्रमों बिन्दुवार योजना रचना बनाई गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि सदस्यता अभियान में भारतीय जनता पार्टी के तपस्वी कार्यकताओं के परिश्रम से कुशीनगर जिला गोरखपुर और काशी क्षेत्र में प्रथम और प्रदेश में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। इस उपलब्धि के लिए जनपद के सभी देवतुल्य कार्यकताओं को बहुत बधाई बधाई देता हूं लेकिन यह उपलब्धि एक पड़ाव मात्र है,हमे यहीं नहीं रुकना है अभी और परिश्रम करना है। पार्टी द्वारा कुशीनगर जिला को 5 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विगत 24 दिनों में हमने आधा सफर तय किया है और 25 अक्टूबर तक से पहले हमें निर्धारित लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करना है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद में निवास करने वाले प्रदेश, क्षेत्र के पदाधिकारी, जिला, मण्डल, शक्ति केंद्र, बूथ, विभाग और प्रकोष्ठ के पदाधिकारी को प्राथमिक सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है सभी पदाधिकारी अपना लक्ष्य पूरा करने के साथ ही सभी बूथों पर कम से कम 200 लोगों को भाजपा का सदस्य बनाने की चिन्ता करें इससे कोई बूथ नहीं छूटेगा और हमें आसानी से लक्ष्य भी हासिल हो जाएगा। आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि 29 सितंबर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम है जिसे सभी बूथों पर प्रसारित किया जाएगा। रविवार को सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सुबह 9 बजे अपने अपने बूथ पर एकत्रित होकर बूथ के सभी घरों में सम्पर्क कर लोगों को भाजपा का सदस्य बनाना है और 11 बजे प्रधानमंत्री मन की बात सुनना है। इसी तरह महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर को गांधी जी के प्रतिमाओं की साफ-सफाई और विशेष सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष व सदस्यता अभियान के जिला संयोजक लल्लन मिश्र, हरिशंकर राय, दिवाकर मणि त्रिपाठी, विवेकानंद शुक्ल, अतुल श्रीवास्तव, बाबू नन्दन सिंह, विश्वरंजन कुमार आनन्द,शुभम दीक्षित, नमो नारायण मौर्य, प्रवीण कुमार गुंजन, रुपम सिंह, धन्नजय तिवारी द्वितीय, ब्रजेश मिश्रा, दीपक सिंह, निशांत शुक्ल, कन्हैया शर्मा, शैलेंद्र सिंह, मुकेश प्रताप सिंह आदि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी की शानदार और सराहनीय पहल, अब होगा शिकायतों का मौके पर डिस्पोजल

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जनपद में जनसमस्याओं,शिकायतों के बारे में एक शानदार और सराहनीय पहल करते हुए शिकायतकर्ताओ के घर पहुँचकर की गई शिकायत के डिस्पोजल के बारे में फीडबैक लिया। पहला मामला हमीरपुर मुख्यालय के रमेड़ी तरौस का था, जिसमें शिकायतकर्ता सरोज पत्नी रामसागर ने खतौनी में नाम दर्ज न हो पाने की शिकायत की थी । इस मामले में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता के के घर खुद पहुँचकर शिकायत कर्ता से सीधे तौर पर बात कर जानकारी ली। शिकायत का सही डिस्पोजल सही पाया गया। जबकि दूसरा मामला कुरारा विकास खंड के ग्राम पतारा का था, जिसमे शिकायतकर्ता पूजा पत्नी राम लखन ने पारिवारिक खेती बंटवारे में जबरदस्ती खेत जोतने के बारे में शिकायत की थी । जिलाधिकारी ने पतारा गांव पहुंचकर शिकायतकर्ता पूजा से शिकायत के डिस्पोजल के बारे में जानकारी ली,शिकायत का डिस्पोजल सही पाया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव ,तहसीलदार सदर सहित अधिकारी मौजूद रहे।

आज आएंगे प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह दो दिवसीय भ्रमण पर शुक्रवार 27 सितंबर को कुशीनगर आएंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। यह जानकारी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दिया। उन्होंने बताया कि प्रभारी मंत्री शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे जनपद की सीमा में प्रवेश करेंगे जहां पार्टी द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। अपराह्न 12:30 बजे पथिक निवास कुशीनगर में कोर कमेटी के साथ बैठक करेंगे। तत्पश्चात 1:15 बजे रविन्द्र नगर स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित परिचयात्मक बैठक को सम्बोधित करेंगे। फिर अपराह्न 02 बजे पडरौना देहात मण्डल के जंगल कुरमौल में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता शिविर में सम्मिलित होकर लोगों को भाजपा का सदस्य बनाएंगे। और सांय 8 बजे पडरौना नगर के नौका टोला दलित बस्ती में पार्टी द्वारा आयोजित सहभोज में सम्मिलित होने के बाद रात्रि विश्राम के लिए पथिक निवास कुशीनगर प्रस्थान करेंगे।

नि:शुल्क शिविर: स्वस्थ्य रहने के लिए स्वच्छ रहें: डा. मो. आसिफ

संवाददाता

कुशीनगर। नगर के दीवानी कचहरी के समीप एक निजी अस्पताल में स्व. ज्ञानवती त्रिपाठी की स्मृति में निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। इस दौरान बुखार, पेट, सर्दी-जुखाम, शुगर, बीपी, त्वचा रोग से पीड़ित 154 लोगों की जांच कर चिकित्सकों ने उन्हें दवा दी। स्वस्थ रहने के बारे में जागरूक किया। डा. मो. आसिफ ने कहा कि बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। इसका मुख्य कारण गंदगी है। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता पर ध्यान देना होगा तभी हम बीमारियों से बच सकते हैं। डा. निखिल तिवारी व डा. अवनीश सिंह ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए दिनचर्या की नियमित करें। प्रतिदिन व्यायाम अवश्य करें। इसके कई लाभ हैं। इसके साथ ही खान-पान की वस्तुओं पर विशेष ध्यान दें। शुद्ध आहार का ही सेवन करना चाहिए। जब इसका पालन करेंगे तो हम बीमारी से दूर रहेंगे। पूर्व प्रवक्ता सुरेश गुप्त ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर एक पुनीत कार्य है। इससे लोगों का भला होता है। अनियमित दिनचर्या की वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं। यही कारण है कि आज हर घर में कोई न कोई बीमारी से जूझ रहे हैं। इससे पूर्व सेवानिवृत फार्मासिस्ट सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। आयोजक डा. गौरव मणि त्रिपाठी ने आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया। डा. केशव यादव, सत्येंद्र मणि त्रिपाठी, सौरभ मिश्र, रत्नेश श्रीवास्तव, गीतांजलि शर्मा, निक्की आदि उपस्थित रहे।

सैयद सलमान चिश्ती ने जापान में ख्वाजा गरीब नवाज के प्रेम और सेवा का दिया संदेश

संवाददाता

गोरखपुर। अजमेर दरगाह शरीफ के गद्दी नशीन और चिश्ती फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने जापान में शांति सप्ताह 2024: उगते सूरज की धरती में अपनी प्रभावशाली भागीदारी का समापन किया। जिसमें उन्होंने अजमेर शरीफ, भारत और चिश्ती सूफी संप्रदाय की आध्यात्मिक विरासत का प्रतिनिधित्व किया। एक सप्ताह तक चलने वाला यह कार्यक्रम, यूनिटी अर्थ द्वारा जीओआई पीस फाउंडेशन, जापान के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसकी मेजबानी टोक्यो के सम्मानित सायनजी परिवार ने की, जिसमें वैश्विक शांति-निमार्ताओं, आध्यात्मिक नेताओं और परिवर्तन-निमार्ताओं ने एकता और वैश्विक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए एक साथ मिलकर काम किया। यह कार्यक्रम टोक्यो से शुरू होकर हिरोशिमा में समाप्त हुआ जो 21 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के साथ मेल खाता है। अपने संबोधन के दौरान, हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने प्राचीन भारतीय दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम - महान मूल्य और शिक्षाएँ कि पूरा विश्व एक परिवार है - और चिश्ती सूफी आदर्शों अल खालकू अयाल लिल्लाहर द्वारा अभ्यास किए गए मूल सूफी दर्शन -पूरी सृष्टि रब उल अलामीन का परिवार है का हवाला देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने जाति, राष्ट्रीयता या आस्था के विभाजन से परे, मानवता के प्रति बिना शर्त प्यार, करुणा और सेवा के महत्व पर जोर दिया। विश्व इतिहास के इस महत्वपूर्ण क्षण में, हमें अपनी साझा मानवता को पहचानना चाहिए, हाजी चिश्ती ने हिरोशिमा में अपने भाषण के दौरान कहा। हम सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, और प्यार और सेवा के माध्यम से, हम वैश्विक समुदाय की शांति और एकता में योगदान करते हैं। सूफीवाद की शिक्षाएँ हमें अपने मतभेदों से परे देखने और एक मानव परिवार के रूप में एक साथ आने की याद दिलाती हैं। टोक्यो कन्वर्जेंस के हिस्से के रूप में हाजी सैयद सलमान चिश्ती रणनीतिक नेटवर्किंग और संवाद के लिए स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक नेताओं, गैर सरकारी संगठनों और स्वदेशी समुदायों में शामिल हुए। उनके भाषण में भारत और जापान के बीच ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों पर प्रकाश डाला गया। गोरखपुर मुबारक खां शहीद दरगाह के सदर इकरार अहमद ने अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दीनशीन और चिश्ती फाउंडेशन के चेयरमैन सैयद सलमान चिश्ती को मुबारकबाद दी है सदर इकरार अहमद ने कहाँ है कि ख्वाजा गरीब नवाज का पैगाम मोहब्बत सबसे नफरत किसी से नही इस पैगाम को सैयद सलमान चिश्ती साहब देश दुनिया मे पहुँचा रहे है इसके लिए आपके हौसले और हिम्मत को सलाम।

संक्षिप्त डायरी

ऑटो में घूम रहीं महिला चेन स्नेचर

बस्ती। में यदि आप भी ऑटो से सफर कर रही हैं, तो सावधान हो जाइए क्योंकि आप जिस ऑटो में बैठीं हों क्या पता उसमें महिला चेन स्नेचर भी हो, ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिसके तहत महिला स्नेचर आपके बगल में बैठ जाएंगी और कब ये आपके गले में पड़ी सोने की चेन पर हाथ साफ कर दें कुछ कहा नहीं जा सकता। जानकर हैरानी होगी कि जिन महिलाओं के चेन गायब हुए हैं, उनकी चेन कब कट गई उन्हें पता ही नहीं चला। कोतवाली थाना क्षेत्र की यदि बात करें तो माह भर के भीतर कई घटनाएं इस तरह की सामने आई हैं। पहली घटना है 6 सितंबर की है। तीज का पर्व था हनुमानगढ़ी मंदिर में महिला श्रद्धालुओं की भीड़ थी। इसी बीच शहर के बभनगांवा मोहल्ले की रहने वाली मीरा देवी अपनी बहू प्रीति सिंह रावत के साथ हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन करने गईं थी। इसी बीच किसी ने उनकी चेन काट ली। महिला स्नेचर को पकड़ा भी थादूसरी घटना 10 सितंबर की है। यहां शहर के मालवीय रोड स्थित डॉक्टर राकेश सिंह के नर्सिंग होम के सामने बेलवाड़ी की रहने वाली शैल श्रीवास्तवा ऑटो में बैठी थीं तभी महिला चेन स्नेचर ने उनका चेन काट लिया।तीसरी घटना 19 सितंबर की है, शहर के जनता होटल के पास एक ऑटो में सवार दो महिला चेन स्नेचरों में से एक ने महिला यात्री के गले से सोने की चेन काट लिया, महिला को इस बात की जानकारी हो गई और उसने स्नेचर को पकड़ लिया, जिसके बाद खूब हंगामा हुआ था, स्नेचर का वीडियो भी सामने आया था। एक दिन में हुई दो घटनाएं सहमीं महिलाएं चौथी और पांचवीं घटना 23 सितंबर की है, एक ही दिन हुई दो घटनाओं के बाद से महिलाएं सहमीं हुई हैं। चौथी घटना की यदि बात करें तो चकबंदी कॉलोनी की रहने वाली गीता पटेल ऑटो से किसी काम से बड़ेबन गई थीं। उन्होंने बताया उनके साथ कुछ महिलाएं भी ऑटो में सवार हो गईं, जिन्होंने उनके चेन पर हाथ साफ कर दिया है, इस बात की जानकारी उन्होंने बड़ेबन चौकी की पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। दो मामलों में बरामद हुआ माल पांचवी घटना मालती चौधरी के साथ हुई। शिवाकॉलोनी निवासिनी मालती पेशे से शिक्षिका हैं वे ऑटो से जीजीआईसी विद्यालय गई थीं जिसके बाद वह महिला थाने गईं,

लाठी-डंडा लेकर रात भर भेड़िया खोजते रहे ग्रामीण

बस्ती। के दुबौलिया थाना स्थित एक गांव में जंगली जानवर के हमले के बाद से ग्रामीण दहशत में है, यहां के ग्रामीण मंगलवार पूरी रात हाथों में लाठी डंडा लिए भेड़िया खोजते रहे। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों में कुछ लोगों की रात्रि में पहरा देने की ड्यूटी भी लगा दी गई, जो जंगली जानवर के हमले से ग्रामीणों को बचाने के लिए निगरानी कर रहे हैं। बता दें कि मंगलवार को उक्त थाना क्षेत्र के रानीपुर लाद गांव में जंगली जानवर ने पांच साल की बच्ची सहित तीन लोगों पर हमला कर दिया था, जानवर बच्ची को उठा ले जा रहा था, जिस देख लोगों ने जब शोर मचाया तो वह उसे छोड़कर भाग गया, जानवर के हमले में बच्ची के सिर में गंभीर चोट आई है, जिसका इलाज अयोध्या के दर्शननगर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। झोपड़ी के पीछे खेल रही थी पांच वर्षीय बच्ची गांव के दक्षिणी किनारे एक तालाब के पास झोपड़ी में रहने वाले घुमंतू परिवारों में से संतराम की पांच वर्षीय बेटी सुमीर झोपड़ी के पीछे खेल रही थी, तभी अचानक से एक जंगली जानवर झाड़ी से निकलकर उस पर टूट पड़ा, बच्ची के चीखने पर परिवार के लोग बाहर आए और शोर मचाया, जिससे वह जानवर उसे छोड़कर भाग गया। जिसके बाद परिजन उसे आननफानन में लेकर सीएचसी दुबौलिया ले गए। जहां उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया, परिजन उसे लेकर आयोध्या के दर्शन नगर पहुंचे जहां उसकी स्थित अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। इसी जंगली जानवर ने गांव की दो महिलाओं पर भी हमला किया था, जिसमें ऊषा देवी पत्नी राम आशीष व रानीपुर खुर्द गांव की 70 वर्षीय महिला को मामूली जख्म हुआ। डीएफओ बोलेः यह भेड़िए का हमला नहीं हो सकता है घटना को लेकर डीएफओ जय प्रकाश सिंह ने बताया कि यह भेड़िए का हमला नहीं हो सकता है, भेड़िए ज्यादातर रात में हमला करते हैं, यह संभवतः कोई सियार होगा। गांव में अब वन विभाग की टीम रात की निगरानी के लिए तैनात कर दी गई है।

ढाबों के किचेन पर अधिकारी रखेंगे नजर

बस्ती। खाद्य सामग्री में थूक कर लोगों को परोसने वालों की अब खैर नहीं है, तमाम वीडियो वायरल होने के बाद से शासन सख्त हो गया है। शासनादेश जारी कर दिया गया है, जिसके तहत अब सीसीटीवी कैमरों से प्रशासनिक अधिकारी ढाबों के किचेन पर नजर रखेंगे। इतना ही नहीं वे समय-समय पर ढाबों का विजिट भी करेंगे, शासनादेश मिलने के बाद से जिले की टीम भी पूरी तरह से एक्टिव हो गई है। अभिहित अधिकारी धर्मराज मिश्रा ने बताया कि फूड विभाग की टीम ढाबा संचालकों से कैमरे लगवाने के लिए कह रही है, यदि जल्द इन ढाबों पर कैमरे नहीं लगे, तो संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बताया कि जो भी कुक भोजन बनाएंगे उनके मुंह पर मास्क आवश्यक है, इसके साथ ही उनके हाथ में ग्लव्स भी होना चाहिए। इसके साथ ही सफाई का पूरा ध्यान भी देना होगा।रिकॉर्डिंग रखनी होगी सेफ अभिहित अधिकारी ने कहा कि ढाबों, होटलों सहित अन्य स्थान जहां खाद्य सामग्री परोसी जा रही है, उसके किचेन में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग संचालकों को सेफ रखनी होगी। बताया कि जल्द ही कैमरे लगवाने की कवादय तेज की जाएगी, कहा कि शासन की मंशा है कि लोगों को स्वच्छ व अच्छी खाद्य सामग्री मिले, इसके साथ ही पूरी सफाई व्यवस्था के साथ ही होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट संचालक ग्राहकों को खाद्य सामग्री परोसें।

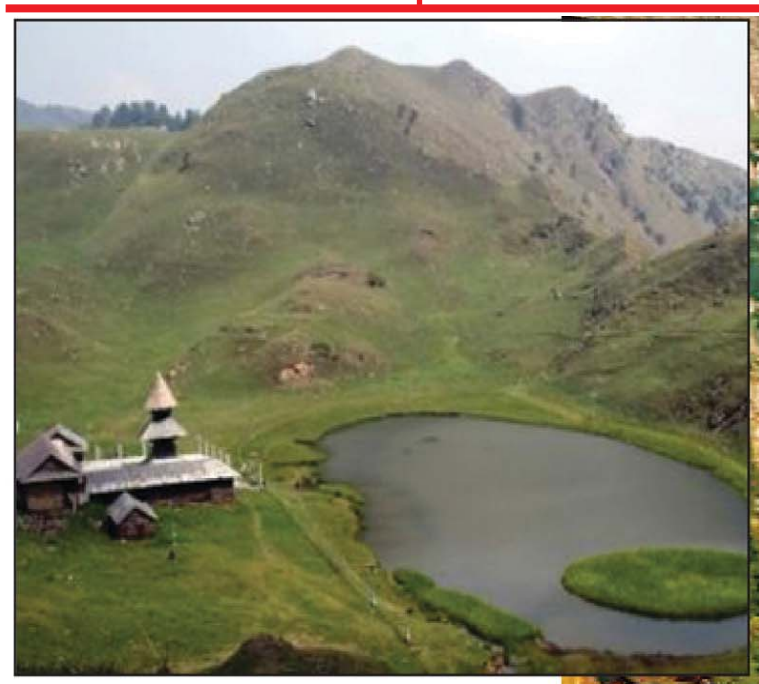

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

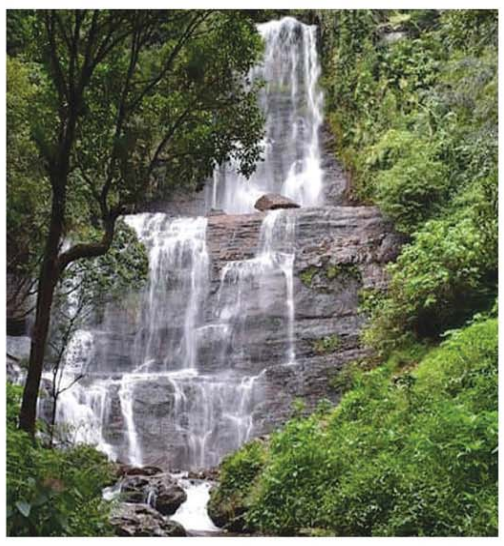

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

ईजमाईट्रिप के प्रमोटर ने बेची 920 करोड़ रुपये में 14फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

ईजी ट्रिप प्लानर्स (ईजमाईट्रिप) के प्रोमोटरों में से एक निशांत पिट्टी ने खुले बाजार के लेनदेन के जरिये कंपनी में अपनी 14 फीसदी हिस्सेदारी 920 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई पर उपलब्ध सौदों के आंकड़ों के मुताबिक निशांत ने 24,65,49,833 शेयर बेच दिए हैं जो ईजी ट्रिप प्लानर्स में 14 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों को 37.22-38.28 रुपए प्रति शेयर के प्राइस रेंज में बेचा गया है। इस तरह सौदे का कुल आकार 920.06 करोड़ रुपए रहा।

हिस्सेदारी बिक्री के बाद ईजी ट्रिप प्लानर्स में निशांत पिट्टी की हिस्सेदारी 28.13 फीसदी से घटकर 14.22 फीसदी रह गई है। कंपनी में प्रोमोटरों की कुल हिस्सेदारी 64.30 फीसदी से घटकर 50.39 फीसदी रह गई। इस बीच कोरे4 मार्कोम ने ईज़ी ट्रिप प्लानर्स और क्राफ्ट इमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी के पांच करोड़ शेयर, एलीट कैपिटल फंड ने कंपनी के 1.05 करोड़ शेयर खरीदे हैं। शेयर 34.25-37.95 रुपए प्रति शेयर की कीमत सीमा में खरीदे गए हैं, जिससे कुल डील वैल्यू 225.71 करोड़ रुपए हो गई है। ईजी ट्रिप प्लानर्स ऑनलाइन ट्रेवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप की मूल कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2008 में निशांत पिट्टी, रिकांत पिट्टी और प्रशांत पिट्टी ने की थी। बीएसई पर ईज़ी ट्रिप प्लानर्स के शेयर बुधवार को एनएसई पर 15.32 फीसदी या 6.28 रुपए प्रति शेयर की गिरावट लेकर 34.70 रुपए के अपने ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में गिरावट निशांत पिट्टी के अपनी हिस्सेदारी निकालने के चलते आई है। ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईज़ी ट्रिप प्लानर्स ने जून 2024 तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 31 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की, जो 25.9 करोड़ से बढ़कर 33.93 करोड़ हो गया। कंपनी की कुल आय अप्रैल-जून की अवधि में बढ़कर 156.22 करोड़ हो गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 126.64 करोड़ थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव आया है। क्रूड की कीमतें आज सुबह 70 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गयीं। वहीं ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कामकाज करता दिखा। देश के चारों महानगरों में से केवल चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें नीचे आयी हैं। वहीं दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वहीं दमन और द्वीप और गोवा , छत्तीसगढ़, के अलावा अन्य कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं जबकि बिहार और आंध्र प्रदेश के अलावा कुछ राज्यों में पेट्रोल के दाम नीचे आये हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं हरियाणा में पेट्रोल की कीमते में 0.13 पैसों की कमी आई है और 95.54 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भी कीमतें कम हुई हैं।

पीसी ज्वेलर के शेयरों में आया उछाल, एक साल में दिया 450 फीसदी रिटर्न

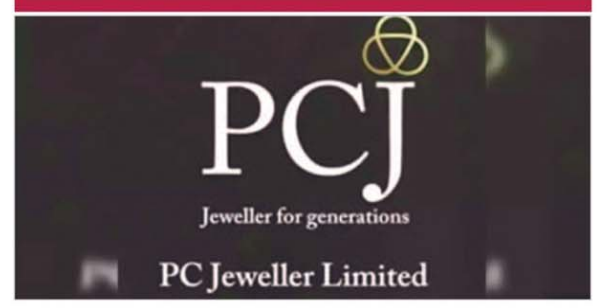

नई दिल्ली।

पीसी ज्वेलर के शेयरों में बुधवार को चार फीसदी से ज्यादा की तेजी देखी गई। कंपनी ने घोषणा कि उसका बोर्ड जल्द बैठक करेगा, जिसमें 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले मौजूदा इक्विटी शेयरों के स्पिल्ट को मंजूरी दिए जाने पर बातचीत होगी। बीएसई पर यह शेयर अपने पिछले बंद 151 रुपए से करीब 3.77 फीसदी की बढ़त के साथ 156.70 रुपए पर खुला था। इसके बाद शेयर में और तेजी आई यह 157.30 रुपए के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया, जो 52-सप्ताह का नया हाई रिकॉर्ड भी है।

शेयर का 52-सप्ताह का न्यूनतम स्तर 25.45 रुपए है। इसके शेयर आज एनएसई पर 2.19 फीसदी की बढ़त के साथ 154.35 रुपए के स्तर पर बंद हुए।

पीसी ज्वेलर ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस बैठक में बोर्ड कंपनी के नए निदेशकों की नियुक्ति पर विचार करेगा। कंपनी ने कहा कि कुछ नामित लोगों के लिए उसके शेयरों में ट्रेडिंग व डीलिंग के लिए ट्रेडिंग विंडो तत्काल प्रभाव से बंद की जा रही है। कंपनी ने कहा कि 30 सितंबर को खत्म हो रही तिमाही के लिए आंकड़े जारी करने के दो दिन बाद ही वे इसमें ट्रेडिंग कर सकेंगे। इस शेयर ने एक साल में करीब 474 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस साल अब तक इसमें 203 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। जून तिमाही में कंपनी को 401 करोड़ रुपए का रेवेन्यू प्राप्त हुआ था। यह वार्षिक आधार पर 492 फीसदी ज्यादा था। कंपनी का नेट प्रॉफिट वार्षिक आधार पर 190 फीसदी बढ़कर 156 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 171 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। पीसी ज्वेलर्स के शेयर पिछले 12 महीने में 452 फीसदी की तेजी दर्ज कर चुके हैं।

फ्रॉन्क्स एसयूवी ने बिक्री में किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

अगस्त 2023 में मारुति सुजुकी की फ्रॉन्क्स एसयूवी ने 12,387 यूनिट्स की बिक्री की, जिससे यह टॉप-10 कारों की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गई। पिछले साल अप्रैल के मुकाबले इसकी बिक्री में 2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। फ्रॉन्क्स में दो इंजन विकल्प उपलब्ध हैं: पहला 1-लीटर टर्बो-पेट्रोल माइल्ड-हाइब्रिड इंजन है, जो 100 बीएचपी की पॉवर और 148 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। दूसरा 1.2-लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन है, जो 90 बीएचपी की पॉवर और 113 एनएम का टॉर्क प्रदान करता है। दोनों इंजन विकल्पों के साथ मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प दिया गया है। मारुति फ्रॉन्क्स को कुल छह वैरिएंट्स–सिग्मा, डेल्टा, डेल्टा+, डेल्टा+ (ओ), जेटा और अल्फा-में पेश किया गया है। खास बात यह है कि सीएनजी पावरट्रेन केवल सिग्मा और डेल्टा ट्रिम्स में उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को इकोनॉमी और परफॉर्मेंस का बेहतरीन संयोजन मिलता है। इस एसयूवी में कई आधुनिक फीचर्स शामिल हैं। इसमें 9-इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जो वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले का समर्थन करता है। इसके अलावा, हेड-अप डिस्प्ले, क्रूज कंट्रोल, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल और वायरलेस फोन चार्जिंग जैसे फीचर्स भी उपलब्ध हैं। सेफ्टी के लिहाज से, फ्रॉन्क्स में छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), हिल-होल्ड असिस्ट, 360-डिग्री कैमरा, इसोफिक्स एंकर और ईबीडी के साथ एबीएस जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स शामिल हैं। कुल मिलाकर, मारुति सुजुकी की फ्रॉन्क्स न केवल आकर्षक लुक और स्पेस प्रदान करती है, बल्कि यह ग्राहकों को एक बेहतरीन अनुभव भी देती है। इसके कारण यह एसयूवी भारतीय बाजार में एक मजबूत प्रतिस्पर्धी बन गई है और ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। बता दें कि साल अप्रैल 2023 में मारुति सुजुकी ने फ्रॉन्क्स सब-कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर एसयूवी लॉन्च की। इस एसयूवी ने लॉन्च के बाद से ही ग्राहकों का ध्यान आकर्षित किया है और बिक्री में शानदार प्रदर्शन किया है।

2030 तक बुलेट की गति से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैश का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत 2030 तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बने रहने की संभावना है। यह बात ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैश द्वारा जारी रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्थिर आय और मजबूत आर्थिक विकास के कारण अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूती से आगे बढ़ रही है।

गोल्डमैन सैश ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत की निफ्टी की कुल आय और बाजार पूंजीकरण पिछले पांच वर्षों में 18 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया कि जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का विकास होगा, निवेश चक्र की ओर शिफ्ट होने की संभावना है, इसमें ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट और केमिकल जैसे उद्योगों में मुनाफे की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हो सकती है।

यह आर्थिक गतिविधियों और निवेश प्रवाह को भी प्रोत्साहित करेगा। बात दें कि इसके पहले मूडीज ने कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि एसएंडपी ग्लोबल ने इस दर को 6.8 प्रतिशत बताया था। साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने की संभावना है।

हालांकि, ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों ने जून तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि में मामूली गिरावट की आशंका जाहिर की है। इसका प्रमुख कारण अधिक ब्याज दरों के चलते शहरी मांग में कमी और खाद्य महंगाई को बताया गया है। आरबीआई के लिए ब्याज दरों में कटौती करने की सबसे बड़ी चुनौती महंगाई पर नियंत्रण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अक्टूबर में आरबीआई ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, और चालू वित्त वर्ष में दो बार ब्याज दर में कटौती की संभावना है। भारत की बढ़ती जीडीपी और सकारात्मक निवेश माहौल इस बात का संकेत है कि देश आने वाले वर्षों में भी आर्थिक रूप से वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखेगा।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुम्बई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 83.64 पर बंद हुआ। आज सुबह इंटरबैंक विदेशी मुद्रा पर रुपया 83.66 पर खुला। यह कारोबारी सत्र के दौरान 13 पैसे नीचे आकर 83.71 पर आ गया। वहीं गत दिवस रुपया रुपया 83.58 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 83.61 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 83.53 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.59 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.63 पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 फीसदी गिरावट के साथ 100.25 पर रहा।

गोदरेज एंड बॉयस ने शुरू किया 'खुशियों के रखवाले' अभियान

- हजारों लोगों ने माना घर की सुरक्षा से मिलेगा दिमागी शुकून व खुशियां

मुंबई।

गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह की इकाई गोदरेज एंड बॉयस के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस ने 'खुशियों के रखवाले' नाम से एक अभियान शुरु किया है। यह अभियान घर की सुरक्षा के भावनात्मक पहलुओं को उजागर करता है, जिससे परिवार सुरक्षित महसूस कर सकें और दिमागी शुकून और खुशियां हासिल हो सकें। गोदरेज एंड बॉयस ने एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण भी किया, जिसका उद्देश्य शारीरिक और भावनात्मक सुरक्षा के संबंध को समझना था। इस अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया कि सुरक्षा किस प्रकार खुशी पर सकारात्मक असर डालती है। गोदरेज एंड बॉयस के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस के ईवीपी और बिजनेस हेड पुष्कर गोखले ने कहा कि हमारा कैम्पेन लोगों को भावनात्मक स्तर पर सुरक्षित महसूस कराने का प्रयास करता है। सर्वेक्षण में 2,400 लोगों में से 67 फीसदी ने कहा कि घर की सुरक्षा बढ़ाने से उनके कल्याण पर सकारात्मक असर पड़ेगा। इसके अलावा, 57 फीसदी ने सुरक्षा में सुधार के बाद खुशी या संतोष की भावना में वृद्धि का अनुभव महसूस किया। यह सर्वेक्षण दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, कोलकाता और चेन्नई समेत 12 शहरों में किया गया, जिसमें 18 से 45 साल के लोग शामिल किए गए थे। गोदरेज एंड बॉयस का सुरक्षा समाधान प्रभाग सुरक्षा मानकों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। हाल ही में डीपीआईआईटी ने उच्च सुरक्षा वाली तिजोरियों और सुरक्षित जमा लॉकरों पर बीआईएस गुणवत्ता चिह्न अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है। इस कदम से उपभोक्ताओं को सुरक्षा मानकों में सुधार करने में मदद मिलेगी, जिससे वे ज्यादा सुरक्षित महसूस कर सकें। इस अभियान के जरिए से गोदरेज एंड बॉयस ने न केवल सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया, बल्कि खुशी और समग्र भलाई को भी प्राथमिकता दी है।

डिजिटल लेंडर्स ने पहली तिमाही में बांटा 37,676 करोड़ का लोन

मुंबई। डिजिटल लेंडर्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 37,676 करोड़ रुपए के 2.64 करोड़ लोन बांटे हैं। लोन के वॉल्यूम में सालाना आधार पर 15 फीसदी और लोन की वैल्यू में 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (एफएसीई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इस तिमाही में लोन का औसत टिकट साइज 12,997 रुपए रहा, जो कि 2023-24 की पहली तिमाही के मुकाबले 16 फीसदी ज्यादा है। आंकड़ों से साफ होता है कि डिजिटल क्रेडिट की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसमें वित्तीय समावेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। एफएसीई के सीईओ सुगंध सक्सेना ने बताया कि हमारी सदस्य कंपनियों ने कंज्यूमर गाइडलाइन और विवेकपूर्ण रिस्क मैनेजमेंट के जिरए से ग्राहकों की क्रेडिट जरूरतों को पूरा किया है, जिससे वे सभी पक्षकारों का विश्वास जीतने में सफल रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया कि अप्रैल से जून की अवधि में 11 कंपनियों ने पांच लाख से ज्यादा लोन दिए हैं, जिनकी कुल वॉल्यूम में 93 फीसदी हिस्सेदारी रही। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में करीब 55 फीसदी कंपनियों की वॉल्यूम में बढ़ोतरी हुई है, जबकि 80 फीसदी कंपनियों ने लोन की वैल्यू में इजाफा किया है। रिपोर्ट में शामिल 33 कंपनियों में से 27 कंपनियों का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट जून 2024 तक 47,362 करोड़ रुपए था, जो कुल बांटे गए लोन की वैल्यू का 80 फीसदी है। इनमें से 10 कंपनियों का एयूएम एक हजार करोड़ से ज्यादा है। एफएसीई, फिनटेक क्षेत्र में आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन है, जो डिजिटल लेंडर्स की बढ़ती भूमिका और वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने में सहायक है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी भारी तेजी के साथ बंद हुआ। आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 666.25 अंक करीब 0.78 फीसदी बढ़कर 85,836.12 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.80 अंक तकरीबन 0.81 फीसदी बढ़कर 26,216 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान वाहन , धातु के शेयर में जबरदस्त तेजी से भी बाजार को बल मिला। इनके अलावा एफएमसीजी और पीएसयू बैंक के शेयर भी 1-1 फीसदी ऊपर आये। जबकि कैपिटल गुड्स सेक्टर 0.6 फीसदी नीचे आये। बीएसई मिडकैप इंडेक्स कारोबार के दौरान सीमित दायरे में बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.4 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स में मारुति के शेयर में करीब 5 फीसदी की बढ़त रही। वहीं टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और नेस्ले के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। जबकि, लार्सन एंड टुब्रो और एनटीपीसी के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी में टाटा मोटर्स, श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और एमएंडएम के शेयर तेजी के साथ बंद हुए जबकि ओएनजीसी, सिप्ला, एनटीपीसी, हीरो मोटोकॉर्प, एलएंडटी के स्टॉक गिरावट पर बंद हुए। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में व्यापार अच्छा रहा। सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में तेजी रही। जापान के निक्के केई में 2.49फीसदी और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 1.71फीसदी की बढ़त है। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी 0.58फीसदी बढ़त के साथ कामकाज कर रहा है।

यूरोपीय बाज़ार में भी बढ़त रही। गत दिवस अमेरिकी बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 973.94 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) खरीदार थे, क्योंकि उन्होंने 1,778.99 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुला। आज सुबह कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 85,433 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 26,075 के स्तर पर पहुंचा।सेंसेक्स 140 अंक और निफ्टी 40 अंक की बढ़त के साथ ही अपने उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 21 में तेजी जबकि 9 में गिरावट रही जबकि निफ्टी के 35 में तेजी और 15 में गिरावट दर्ज की गयी है।

मनबा फाइनेंस लिमिटेड के आईपीओ को निवेशकों का मिल रहा जोरदार रिस्पॉन्स

नई दिल्ली। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी), मनबा फाइनेंस लिमिटेड के आईपीओ को निवेशकों का जोरदार रिस्पॉन्स मिला है और लोगों ने इस इश्यू में जमकर रुपया लगाया है। 151 करोड़ रुपए का यह इश्यू 224 गुना सब्स क्राइब हुआ है। इस आईपीओ में 24 हजार करोड़ रुपए लोगों ने लगाए हैं। मनबा फाइनेंस आईपीओ में सबसे ज्यादा पैसा हाई नेटवर्थ इनवेस्टर्स (एचएनआई) ने लगाया है। एचएनआई के लिए रिजर्व हिस्सा 512 गुना भरा है। इसी तरह संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 149 गुना सब्सक्राइब हुआ, जबकि खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 144 गुना सब्सक्राइब हुआ। बुधवार को बंद हुए आईपीओ के लिए मूल्य बैंड 114 से 120 प्रति शेयर था। शेयर के बीएसई और एनएसई पर सोमवार, 30 सितंबर को सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। कोरोना महामारी के बाद से ही भारत में आईपीओ बाजार में खूब हलचल रही है। 2021 की दूसरी छमाही से आईपीओ का जो चलन बढ़ा वो अब भी जारी है। उद्योग के आंकड़ों से पता चला है कि 2023 में 61 मुख्य बोर्ड आईपीओ से कंपनियों ने 73,100 करोड़ जुटाए तो साल 2024 में अब कंपनियां अब तक आईपीओ से करीब 84,900 करोड़ रुपए जुटाए हैं। एसएमई सेगमेंट में भी लोग खूब पैसे लगा रहे हैं। पिछले दिनों दो शोरूम और आठ कर्मचारियों वाली एक दोपहिया डीलरशिप के 12 करोड़ के एसएमई आईपीओ के लिए 4,800 करोड़ की बोलियां लगी थी। मनबा फाइनेंस आईपीओ 23 सितंबर को खुला था और 25 सितंबर को बंद हुआ। 30 सितंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। 150.84 करोड़ रुपए के मनबा फाइनेंस आईपीओ को ग्रे मार्केट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। गुरुवार को मनबा फाइनेंस आईपीओ के शेयर ग्रे मार्केट में 50 फीसदी प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने एयरटेल ने की नई सर्विस लॉन्च

नई दिल्ली।

आजकल स्पैम कॉल्स और एसएमएस काफी बढ़ते जा रहे हैं। स्पैम कॉल्स और एसएमएस से लोगों के साथ फ्रॉड हो जाता है। ऐसे में स्पैम कॉल्स और एसएमएस पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारती एयरटेल ने अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए नई सर्विस लॉन्च की है। कंपनी ने डिजिटल धोखाधड़ी से अपने ग्राहकों को बचाने के लिए यह पहल की है। एयरटेल ने भारत का पहला नेटवर्क-बेस्ड, एआई पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन लॉन्च किया है। इस सर्विस से यूजर्स स्पैम कॉल्स और एसएमएस से बच सकते हैं। कंपनी का कहना है कि ये सॉल्यूशन स्पैम कॉल्स और सॉल्यूशन की रियल टाइम की जानकारी यूजर्स को देगा। सभी एयरटेल यूजर्स के लिए यह एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन एकदम फ्री है। ये सर्विस एयरटेल का कोई भी प्रीपेड और पोस्टपेड यूजर्स इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा यूजर्स को अपने फोन में इस सर्विस को एक्टिव करने के लिए कुछ नहीं करना है। सर्विस अपने आप ही एयरटेल यूजर के फोन में एक्टिव हो जाएगी। एयरटेल ने इस बात को कंफर्म किया है कि यह सर्विस सिर्फ स्मार्टफोन के लिए है। एयरटेल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्ठल ने बताया कि स्पैम कस्टमर्स के लिए एक खतरा हैं। हमने पिछले 12 महीने इस परेशानी को दूर करने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि डुअल लेयर प्रोटेक्शन के तौर पर डिजाइन इस सॉल्यूशन में दो फिल्टर हैं।

एक फिल्टर नेटवर्क लेवल पर काम करता है और दूसरा आईटी डिस्टम लेयर पर। सभी कॉल्स और एसएमएस इस डुअल लेयर प्रोटेक्शन सिस्टम से पास होती हैं। एयरटेल का यह सिस्टम सिर्फ दो मिली सेकंड में 1.5 अरब एसएमएस और 2.5 अरब कॉल्स को डेली प्रोसेस करता है। एयरटेल ने इस टेक्नोलॉजी को 400 एयरटेल डेटा साइंटिस्ट्स की मदद से डेवलप किया है।

शो वंशज के समापन पर आभार व्यक्त किया

मुंबई: सोनी सब का शो वंशज 28 सितंबर को समाप्त हो जाएगा। महाजन साम्राज्य के दो युद्धरत वंशजों के रूप में अंजलि तत्रारी और माहिर पांधी को पेश करते हुए शो ने योग्यता-आधारित विरासत बनाम लिंग-आधारित विरासत के मूल्य पर प्रकाश डाला। शो के अपने स्वाभाविक अंत के साथ शो के कलाकार अपना आभार व्यक्त कर रहे हैं और सेट से अपनी प्यारी यादों को याद कर रहे हैं। अंजलि तत्रारी ने कहा, वंशज खत्म हो रहा है। मैं अपने अद्भुत सह-कलाकारों और हमारे परिवार को बहुत याद करने वाली हूं। हमारे बीच बने गहरे रिश्तों के बारे में सोच रही हूं। कलाकारों और क्रू ने हमेशा मेरा ख्याल रखा है। माहिर पांधी ने कहा, कलाकारों और क्रू के साथ मैंने जो बंधन बनाए हैं, जो यादें हमने बनाई हैं, खुद में जो विकास मैंने अनुभव किया है, वह हमेशा मेरे साथ रहेगा।

पुनीत इस्सर कहते है, वंशज सिर्फ एक शो नहीं था, बल्कि मानवीय मूल्यों और पारिवारिक गतिशीलता की एक उल्लेखनीय खोज थी।

राहुल गाँधी की नागरिकता पर संदेह

राकेश अचल

अब जनता को तय करना है कि राहुल गाँधी से आतंकित भाजपा नेता माननीय अदालतों का वक्त खराब कर रहे हैं या नही। भाजपा को भी ये स्पष्ट करना होगा कि वो स्वामी और दूसरे भाजपाइयों कि याचिकाओं के साथ है या नहीं? वैसे जिस ढंग से सर्कार ने राहुल गांधी को लोकसभा के रक्षा मामलों कि स्थाई समिति का सदस्य बनाया है उसे देखकर नहीं लगता कि सर्कार राहुल को भारतीय नागरिक नहीं मानती।

भारत अजूबा देश है। यहां जो होता है किसी अजूबे से कम नहीं है । अघोषित अधिनायकवाद के बावजूद यहाँ हर तरह की आजादी है । आप किसी को भी गाली दे सकते हैं । किसी को भी देश का आतंकी नंबर वन कह सकते हैं। और किसी को भी पाकिस्तान जाने की सलाह दे सकते हैं,और तो और आप माननीय अदालतों का भी वक्त जाया करने के लिए बे-सर-पैर की याचिकाएं लगा सकते हैं।

आज मुझे जब दूसरे किसी विषय पर लिखना था,मै भारत के इस अजूबे स्वभाव के बारे में लिख रहा हूँ । आज मेरे सामने भी वे राहुल गाँधी हैं जिनका भूत पूरी भाजपा और माननीय नेताओं के सर पर चढ़कर दिन-रात बोलता है । क्या आपको अजूबा नहीं लगता कि जिस देश में सरकार के मंत्री राहुल गांधी को देश का आतंकी नंबर वन कहते हैं उसी देश में सरकार राहुल गांधीको संसद की रक्षा मामलों की स्थाई समिति का सदस्य भी बना देती है। दरअसल सरकार और भाजपा ही तय नहीं कर पा रही है की राहुल गांधी हैं क्या ? अब राहुल गाँधी से परेशान ,हलकान लोग उनकी नागरिकता पर सवाल उठा रहे है। सरकारी पार्टी कि ही एक नेता ने राहुल गांधी का पासपोर्ट जब्त करने की मांग अपनी ही सरकार से की है।

राहुल गाँधी की नागरिकता को चुनौती देने वाले सुब्रमण्यम स्वामी जी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग पर गृह मंत्रालय को फैसला करने का आदेश देने की मांग करने वाली भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर सुनवाई टाल दी है. कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस मामले पर अगर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है तब हम सुनवाई नहीं कर सकते. हाईकोर्ट ने एएसजी चेतन शर्मा को निर्देश दिया कि वो इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले पर चल रही सुनवाई का स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट को बताएं. मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

चूंकि स्वामी जी भाजपा के नेता हैं इसलिए आप ये मान सकते हैं कि उनकी याचिका के पीछे भाजपा भी है। स्वामी जी बच्चे नहीं हैं,वे रवीनद्र बिट्टू की तरह पुराने कांग्रेसी भी नहीं है। स्वामी जी 84 साल के अनुभवी और विद्वान नेता हैं। हिन्दू राष्ट्रवादी नेता एवं सनातन धर्म के प्रचारक हैं। वे जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। वे सांसद के अतिरिक्त 1990-91 में वाणिज्य, कानून एवं न्याय मंत्री और बाद में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आयोग के अध्यक्ष भी रहे। 1994-96 के दौरान विश्व व्यापार संगठन के श्रमिक

मानकों के निर्धारण में उन्होंने प्रभावी भूमिका निभायी। लेकिन वे भी राहुल गाँधी के पीछे हाथ धोकर पड़े हुए हैं। राहुल भारत के नागरिक हैं या नहीं ,ये सवाल करने का स्वामी जी को पूरा हक है। उनके पास इसके पक्ष में दलीलें भी है। बेहतर होता कि वे जिस पार्टी के नेता हैं उस पार्टी की सरकार के सामने पहले ये मामला उठाते और जब सरकार नहीं सुनती तब अदालत का दरवाजा खटखटाते। स्वामी जी अपनी फजीहत खुद करा रहे है। जाहिर है कि उन्होंने पार्टी फोरम पर राहुल गाँधी का ये मुद्दा जरूर उठाया होगा और पार्टी है कमान से ही हरी झंडी मिलने के बाद वे अदालत गए होंगे । ये भी मुमकिन है कि सरकार और भाजपा ने स्वामी जी को ध्यान से सुना ही न हो इसलिए स्वामी जी सीधी लड़ाई लड़ना पड़ रही है है।

राहुल गांधी की नागरीकता को चुनौती देने वाले डॉ स्वामी अकेले नहीं हैं। कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर भी इस मुद्दे को लेकर इलाहबाद हाईकोर्ट की शरण में हैं और मजे की बात ये है कि सब कुछ जानते हुए भी इलाहाबाद हाईकोर्टकोर्ट ने गृह मंत्रालय से स्पष्टीकरण मांगा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने बुधवार को केंद्र से पूछा कि क्या उसने नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत दायर उस अभ्यावेदन पर कोई निर्णय लिया है जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास ब्रिटिश नागरिकता होने के आरोपों की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका में याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसने गांधी के ब्रिटिश नागरिक होने के मुद्दे पर विस्तृत जांच की है और उसे कई नई जानकारियां मिली हैं। याचिकाकर्ता ने गांधी की ब्रिटिश नागरिकता के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

आपको बता दूँ कि राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल खड़े करते हुए अदालत में याचिका दायर की गई थी। इसी साल जुलाई में याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने इसे खारिज कर दियाथा। अदालत ने कहा था कि याचिकाकर्ता को पहले सक्षम प्राधिकारी के पास शिकायत करनी चाहिए।यह मामला लोकसभा स्पीकर ओम बिडला तक भी पहुंचा है। अदालत में दाखिल याचिका का हवाला देते हुए ओम बिडला से मांग की गई है कि राहुल गांधी को तबतक संसद सदस्य के रूप में कार्य करने की अनुमति न दी जाए, जब तक गृह मंत्रालय की तरफ से इस मामले का निपटारा न कर दिया जाए। याचिका में यह भी सवाल किया गया है कि राहुल गांधी किस अधिकार के तहत लोकसभी सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं।लेकिन दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बने ओम बिड़ला भी इस मामले पर फैसला नहीं ले पाए।

दिल्ली है कोर्ट ने सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए 09 अक्टूबर की तारीख तय की।चीफ जस्टिस मनोनीत मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने केंद्र सरकार के वकील से इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष इस मुद्दे पर लंबित याचिका की प्रति प्राप्त करने को कहा।अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि मामले में आगे बढ़ने से पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित याचिका के बारे में स्थिति जानना न्याय के हित में होगा।

आपको याद होगा कि पहले भाजपा सरकार राहुल गाँधी कि लोकसभा कि सदस्यता भी बहाने से छीन चुकी है ,लेकिन बीच में सर्वोच्च न्यायालय के आने से पिछली सर्कार को मुंह कि खाना पड़ी थी । भाजपा इससे पहले राहुल की जाती पर भी सवाल खड़े कर चुकी है लेकिन राहुल द्वारा खड़े किये जाने वाले किसी भी सवाल का जबाब देने से भाजपा और उसके नेता हमेशा कतराते रहते हैं। राहुल कि जाति पूछने वाले भी भाजपा के ही एक पूर्व मंत्री और वर्तमान संसद अनुराग ठाकुर थे।

दुनिया जानती है कि राहुल गाँधी कि गर्भनाल दिल्ली में ही है ,अर्थात वे जन्म से ही भारतीय नागरिक हैं। अब कोई माने या न माने ये अलग बात है। राहुल कि नागरिकता को चुनौती देने वाले तमाम भाजपाइयों को पता है कि नई दिल्ली में जन्मे गांधी ने अपना बचपन नई दिल्ली और देहरादून के बीच बिताया उन्होंने नई दिल्ली में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की और फिर दून स्कूल देहरादून में जाकर विशेष सभी लड़कों के बोर्डिंग सेंट स्टीफेन्स कॉलेज में अध्ययन किया। सुरक्षा समस्याओं के कारण, बाद में उन्हें घर पर रहकर ही पढ़ना पड़ा । गांधी ने सेंट स्टीफेन्स कॉलेज में अपनी स्नातक की डिग्री प्रारंभ की और फिर हार्वर्ड विश्वविद्यालय गए। अपने पिता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी हत्या के बाद सुरक्षा खतरों के कारण, उन्होंने रोलिंस कॉलेज में फ्लोरिडा में अपनी डिग्री पूरी की। उन्होंने एम.फिल. कैम्ब्रिज से प्राप्त की। उनकी किसी डिग्री को उस तरह से चुनौती नहीं दी गयी जिस तरह कि मौजूदा प्रधानमंत्री कि डिग्रियों को दी जा सकती है।

अब जनता को तय करना है कि राहुल गाँधी से आतंकित भाजपा नेता माननीय अदालतों का वक्त खराब कर रहे हैं या नही। भाजपा को भी ये स्पष्ट करना होगा कि वो स्वामी और दूसरे भाजपाइयों कि याचिकाओं के साथ है या नहीं ? वैसे जिस ढंग से सर्कार ने राहुल गांधी को लोकसभा के रक्षा मामलों कि स्थाई समिति का सदस्य बनाया है उसे देखकर नहीं लगता कि सर्कार राहुल को भारतीय नागरिक नहीं मानती। जहाँ तक मुझे याद आता है कि भाजपा में शामिल हो चुके पूर्व मुख्य न्यायसदिश रजब गोगोई के जमाने में भी सुप्रीम कोर्ट इस मामले को खारिज कर चुकी है।अब देखना है कि तीसरी बार सत्ता में आयी भाजपा राहुल को देश से बाहर निकल पाती है या नहीं।

संपादकीय

टिप्पणी पर सख्ती

प्रीम कोर्ट ने अदालतों को ऐसी टिप्पणियां करने से सतर्क रहने को हा है, जो स्त्रियों के प्रति द्वेषपूर्ण मानी जाएं या किसी खास लैंगिक समुदाय के खिलाफ हों। अदालत ने कर्नाटक हाई कोर्ट के यायाधीश की आपत्तिजनक टिप्पणियों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए शक, उनको माफ कर दिया लेकिन उसकी तल्खी स्पष्ट दिखी। शीर्ष दालत ने कहा कि देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा ा कहा जा सकता क्योंकि वह मूलभूत देश की क्षेत्रीय अखंड़ता के परीत है। पीठ ने कहा कि अदालतों को सतर्क रहना चाहिए, न्यायिक क्रिया के दौरान ऐसी टिप्पणियां न की जाएं। देश के ज्यादातर उच्च यालयों द्वारा लाइव स्ट्रीमिंग या वीड़ियो कॉन्फ्रेंस शुरू की जा चुकी । सोशल मीड़िया पर नियंत्रण न होने और गोपनीयता के लिए तरनाक होने के सवाल पर पीठ ने कहा कि किसी गलत बात पर पर्दा लना कोई समाधान नहीं है, बल्कि उसका सामना किया जाना ाहिए। कर्नाटक हाई कोर्ट की टिप्पणी सोशल मीड़िया पर वायरल हो ई थी जिस पर नेटीजनों ने तरह-तरह के कमेंट किए थे। कर्नाटक हाई ोर्ट ने महिला वकील के खिलाफ भी आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग या था। पितृसत्तात्मक समाज में स्त्रियों के प्रति इस तरह की पूर्वाग्रहीत तें आम होने के बावजूद न्याय की कुर्सी पर विराजित सम्मानित धिकारी से ऐसी उम्मीद नहीं की सकती। सर्व धर्म समभाव और र्मनिरपेक्ष राष्ट्र होने की संवैधानिक व्यवस्था को किसी भी रूप में कारा जाना उचित नहीं है। जजों के साथ ही वकीलों और वादियों को स दौर में खासी सतर्कता बरतनी चाहिए क्योंकि अब अदालत में ौजूद लोग ही न्यायिक प्रक्रिया नहीं देखते बल्कि चर्चित फैसलों पर ाम लोगों की भी कड़ी नजर होती है। देश की आधी से ज्यादा आबादी ब इंटरनेट का इस्तेमाल करना सीख चुकी है। जब इस तरह की कोई ी टिप्पणी वायरल होती है तो उस पर किए जाने वाले कमेंट्स पर ख्ती नहीं की जा सकती। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश विभिन्न मौकों पर ार्गदर्शन द्वारा न्याय प्रणाली की गरिमा को बढ़ाने का महत्त्वपूर्ण कार्य रते रहे हैं। यही कारण है कि देश की न्याय प्रक्रिया के प्रति देशवासियों जबरदस्त विश्वास बना हुआ है। उसे कायम रखने के लिए जिम्मेदार दाधिकारियों को इस आदेश का गंभीरतापूर्वक अनुपालन करना ाहिए।

चिंतन-मनन

गुरु की स्वीकार्यता

वक्त संसार को गुरु की दृष्टि से देखो। तब यह संसार मलिन नहीं ल्कि प्रेम, आनन्द, सहयोगिता, दया आदि गुणों से परिपूर्ण, अधिक सवपूर्ण लगेगा। तुम्हें किसी के साथ संबंध बनाने में भय नहीं होगा योंकि तुम्हारे पास आश्रय है। घर के अन्दर से तुम बाहर के वज्रपात, ांधी, वर्षा व कड़ी धूप देखोगे। भीतर वातानुकूलित व्यवस्था है- शीतल ौर शान्त। बाहर गर्मी और अशांति है पर तुम परेशान नहीं होते, क्योंकि छ भी तुम्हें बेचैन और विचलित नहीं कर सकता। कोई तुम्हारी पूर्णता हीं छीन सकता। यही है गुरु का उद्देश्य। संसार के सभी संबंध उलट-लट हो जाते हैं। संबंध बनते हैं और टूटते हैं। यहां राग भी है, द्वेष भी। ही संसार है। पर गुरु कोई संबंध नहीं, गुरु की मौजूदगी होती है। गुरु ा सान्निध्य अनुभव करो। गुरु को अपने संसार का अंश मत बनाओ। सार का हिस्सा बनाते ही, वही अप्रिय भावनाएं उठती हैं- उन्होंने ऐसा हा, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूं। ावन में गुरु का सान्निध्य सभी संबंधों में पूर्णता लाता है। यदि गुरु के कट अनुभव नहीं कर रहे, तो यह तुम्हारे मन, धारणा, अहंकार के ारण है।

कुछ भी महत्वपूर्ण है, अंतरंग है, उसे गुरु के साथ बांटो। जो तुम्हारे ाए महत्वपूर्ण है, आंतरिक है, जब तक तुम उसे गुरु को नहीं व्यक्त रते, तब तक निकटता का अनुभव नहीं कर सकते। आप कैसे हैं? से हृदय खोलकर मन की गहराइयों में समाई अपने जीवन की ांतरिक व महत्वपूर्ण बातें करो। महत्वहीन या सांसारिक बातें न करो। दे तुम गुरु के साथ निकटता अनुभव नहीं कर रहे, तो गुरु की ावश्यकता ही क्या है? वह तुम्हारे लिए केवल एक और बोझ है। बस, से अलविदा कह दो। तुम गुरु के साथ हो ताकि तुम गुरु के आनन्द में हभागी हो, उनकी चेतना के सहभागी। इसके लिए पहले तुम्हें अपने ाप को खाली करना है, जो पहले से है, उसे गुरु को दे देना है। मन जितना भी कूड़ा हो, किसी भी प्रकार का, गुरु लेने के लिए तैयार हैं।

बदलती लाइफ स्टाइल से नींद की कमी एक बड़ी चुनौती

दिलीप कुमार पाठक

स्वस्थ शरीर के लिए विशेषज्ञ स्लीप साइकल को ठीक रखने पर विशेष जोर देते हैं, इसमें सोने-जागने के निर्धारित समय और नींद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है नींद की गुणवत्ता का संपूर्ण स्वास्थ्य पर असर देखा जा सकता है। तमाम अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है, उनमें कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का जोखिम अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं नींद की गुणवत्ता के साथ इसकी अवधि का ख्याल रखना भी बहुत आवश्यक है, अक्सर लोगों की स्लीप साइकल में एक बड़ी समस्या देखी गई है, कई लोगों को रात में देर तक जगने की आदत होती है। यह आदत भले ही सामान्य लगती हो, पर सेहत पर इसके कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को रात में 6-8 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है। इसके लिए रात में 10 से सुबह 6 बजे तक सोने के समय को सबसे गुणवत्तापूर्ण नींद वाला माना जाता है, हालांकि अक्सर देखने को मिलता है कि अधिकतर लोग रात में 12-1 बजे सोते हैं। यह आदत आपकी स्लीप साइकल को बिगाड़ देती है, जिससे नींद पूरी न होने के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है। देर से सोने वाले लोगों में स्वाभाविक रूप से सुबह देर से उठने की भी आदत होती है, इस कारण से अक्सर ऐसे लोगों के लिए सुबह के समय व्यायाम कर पाना कठिन हो जाता है। हेल्थ प्रमोशन एंड क्रॉनिक डिजीज प्रिवेंशन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकताओं ने पाया कि देर से सोने वाले लोगों में अन्य लोगों की तुलना में गतिहीन जीवनशैली की समस्याएं भी अधिक देखने को मिलती हैं, जिसका संपूर्ण सेहत पर बहुत नकारात्मक असर हो सकता है। आजकल नींद की कमी से परेशानियां बहुत आम हो गई हैं। खासकर युवाओं में डिप्रेशन अवसाद की बीमारियां डेरा जमा चुकी हैं। देश में युवाओं का एक बड़ा वर्ग अवसाद से ज्यादा परेशान है। जिन्हें इसकी समस्या होती है, ऐसे लोग अपनी तरह की दुनिया बना लेते हैं..। हमारे आसपास के लोग समझ नहीं पाते..। मेरा मानना है पहले आप अपनी जरूरतें पूरी करिए फिर आप जमाने के लिए सोचिए जब आपके अंदर ही एक कोलाहल है तो आप दुनिया के लिए क्या ही लड़ पाएंगे! मुझे सम्बन्धित व्यक्ति के बारे में ज़्यादा पता नहीं है लेकिन इस उम्र में डिप्रेशन का कारण ज्यादातर भविष्य की चिंता ही होती है। सबसे पहले आप खुद को स्थायित्व दीजिए बाद में जमाने के लिए सोचिए। अभी कुछ दिनों पहले पढ़ा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प ने डिप्रेशन की वजह से आत्महत्या कर ली। भला इंग्लैंड के इतने बड़े क्रिकेटर को ऐसी क्या समस्या थी कि उन्होंने खुद को ऐसे खत्म कर दिया?? जाहिर है अंदर एक कोलाहल रहा होगा जो उन्हें अपने साथ ले गया..। वैसे भी पैसे जरूरतों से ज़्यादा मानसिक सुकून बहुत आवश्यक है।

मैंने बहुत सालों से अनुभव किया है, हमारे समाज में या दुनिया में जिस तरह की लाइफस्टाइल को लेकर आकर्षण है, मुझे लगता है कुछ सालों बाद आधी दुनिया अवसाद में होगी। आज हर तीसरा आदमी अपनी टेंशन में डूबा हुआ है। एक-दूसरे से आगे निकलने की जद्दोजहद, असीमित सामाजिक दबाव...अवसाद के कई कारण होते हैं, लेकिन नींद की कमी भी एक महत्वपूर्ण कारण है। अब आधी दुनिया रात में सोती नहीं है, जबकि बहुत आवश्यक हो तो हो देर रात जागना चाहिए। वैसे भी नींद का जीवन में अपना एक महत्व होता है, इसके दुष्प्रभाव जल्दी पहिचान में नहीं आते, बल्कि धीरे-धीरे नींद की कमी गम्भीर समस्या बन जाती है ; और आज आधी से ज्यादा युवाओं की आबादी इसकी गिरफ़्त में है। अब तो देर रात तक जगने का फैशन बन चुका है। रात में जागने के बाद जिम जाकर शरीर फुलाने से क्या हासिल होता है?? योग व्यायाम की जगह जिम करने की अंधी दौड़ भी युवाओ को परेशानी में डाल रही है। सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती हैं स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है। दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।

मैंने अब तक बहुत से चिकित्सकों से परामर्श लिया है, उन्होंने जिम जाने की बजाय योग, व्यायाम को सही बताया है। जबकि जिम जाने के अनेकों साइड इफेक्ट हैं। अतः सबसे पहले अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करते हुए रात में जल्दी सो जाएं रात सोने के लिए ही बनाई गई है, सुबह सूरज उगने से पहले उठ जाएं, सुबह योग, व्यायाम करने के बाद जल्दी नहाकर फ्रेश हो जाएं..उगते हुए सूरज को देखिए, सुबह चिड़ियों को देखिए, डिप्रेशन से आप पूर्णतः विजयी तो नहीं होंगे फिर भी आप आगे के लिए खुद को बेहतर कर पाएंगे। जब आपका मूड फ्रेश होगा तो आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं। जो अच्छा लगे वो कीजिए। समाने वाला जो करता है वही मुझे करना है इस धारणा से खुद को बचाकर रखिए..। अगर ये रात में अनावश्यक जागने का फैशन ट्रेंड में रहा तो देखिएगा दुनिया की आधी आबादी स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों से घिरी होगी। और यह समस्या बड़ी विकराल होगी...नींद की कमी से भी अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अपने घर परिवार आसपास लोगों को बताइए नींद का महत्त्व समझाएं, मैं ऐसे कितने लोगों को जानता हूँ जो रात में अनावश्यक जगते रहते थे, मेरे समझाने के बाद जल्दी सोने लगे हैं, योग, व्यायाम को तरजीह देने लगे हैं.। हालांकि कईयों के अवसाद का कारण आंतरिक समस्याएं भी हो सकती हैं, अतः आप चिकित्सकों का मार्गदर्शन लें, क्योंकि अवसाद को पूरी तरह से ठीक करने के लिए डॉक्टर की आवश्यकता होती है.

वर्कलोड़ : टेशन तो बिल्कुल नहीं लेने का

रजनीश कपूर

संजय दत्त की बहुचर्चित फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का एक डायलॉग काफी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे 'टेंशन लेने का नहीं-देने का'। परंतु शायद उस फिल्म में दिए गए संदेश को कुछ लोग गंभीरता से नहीं ले सके। इसीलिए वे मामूली से तनाव को इतना बढ़ा लेते हैं जो कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। इस फिल्म ने कठिन परिस्थितियों को गंभीरता से न लेने की सलाह दी परंतु आजकल के 'वर्क प्रेशर' और प्रतिस्पर्धा के चलते हर दूसरा व्यक्ति तनाव में दिखाई देता है।

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की मां की चिट्ठी काफी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की मां ने उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था। मात्र चार महीने की नौकरी में दबाव इतना बढ़ गया कि इसने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुंचे। जैसे ही ऐना की

मां का पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही इस कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी साझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से 'वर्क प्रेशर' का खंडन किया गया। वैसे सरकार ने मामले में जांच बैठा दी है। ऐना की मृत्यु ने कॉरपोरेट जगत में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, 'वर्क प्रेशर' के बढ़ते हुए तनाव के कारण दुनिया भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आगे रहने के चलते कई लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। चीन में एक व्यक्ति ने लगातार 104 दिनों तक बिना किसी छुट्टी के काम किया और अंततः शरीर के कई अंगों की विफलता के कारण उसकी मौत हुई। वहां की अदालत ने उस व्यक्ति की कंपनी को उसकी मौत का 20 प्रतिशत तक जिम्मेदार ठहराया। वहीं अमेरिका के एक बैंक कर्मचारी की मृत्यु का कारण भी उसके काम का दबाव ही बना। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां कर्मचारियों से अधिक काम करवाने के चलते ऐसे हादसे हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में काम के दबाव- तनाव के चलते प्रति वर्ष करीब 7.50 लाख लोगों की मृत्यु होती है। ऐसा इसलिए होता है कि अधिक काम करने का सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। काम का तनाव लेने से मनुष्य में हृदय रोग, डायबिटीज और स्ट्रोक जैसी घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं आज के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में जब हम घंटों कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करते हैं, तो हमारे जोड़ों में जकड़न, कमर में दर्द, सरदर्द, आंखों में थकान, जैसे प्रारंभिक लक्षण भी दिखाई देते हैं। तनाव के चलते हमारे शरीर में ऐसे रसायन पैदा हो जाते हैं, जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ा देते हैं। इसलिए हम चिड़चिड़े भी हो जाते हैं। तनाव के चलते जब गाड़ी चलाकर हम अपने दफ्तर से घर या घर से दफ्तर जा रहे होते हैं, तो ऐसे में दुर्घटना होने की आशंका भी बढ़ जाती है। मोबाइल फोन और ईमेल के चलते हम हर समय अपने काम से जुड़े रहते हैं। इसलिए हमें काम से आराम नहीं मिल पाता। ऐसे तनाव का सीधा अनुभव आपको उस समय होता होगा जब आपके मोबाइल पर आपके बॉस का फोन बजता होगा। आप यदि अपने घर पर हों और परिवार के साथ समय बिता रहे हों, तभी आपके बॉस का फोन बजे तो आपके चेहरे पर अजीब से तनाव की झलक मिल जाती है। ऐसे में पारिवारिक सुख को भी झटका लगता है।

जानकारों के अनुसार, सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने वालों में तनाव बढ़ने की संभावना अधिक होती है। तनाव अन्य बीमारियों को बढ़ावा देता है परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सफल होने के लिए कम मेहनत करनी चाहिए। बिना मेहनत किसी को कामयाबी नहीं मिलती। इसलिए हमें परिश्रम और अतिश्रम के बीच एक को चुनना चाहिए। परिश्रम किया जाए तो एक सीमा तक ही किया जाए। आपको अपने शरीर की क्षमतानुसार ही काम करना चाहिए। समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच करवाते रहना चाहिए। नियमित रूप से तनाव-मुक्ति के कई साधन जैसे योग, ध्यान, भजन, मनोरंजन आदि का सहारा लेना चाहिए। अगर इम्प्लॉयर की बात करें तो उन्हें भी अपने लक्ष्य की पूर्ति के चलते कर्मचारियों पर दबाव बनाना पड़ता है परंतु यह दबाव भी एक सीमा तक ही दिया जाए। हमारे समाज को काम और आराम के बीच एक संतुलन बनाने की जरूरत है वरना ऐना सेबेस्टियन जैसे कई और होनहार कर्मचारियों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। आजकल के युवा भी जल्द कामयाबी पाने के चक्कर में काम और आराम में संतुलन नहीं बना रहे हैं। इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए हर युवा और वरिष्ठ कर्मचारी को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' फिल्म से सीख लेते हुए 'टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

विंटेज स्कूल गर्ल वाइब्स में नजर आ रही हैं अनन्या

एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म सीटीआरएल जो विंटेज स्कूल गर्ल वाइब्स में नजर आ रही हैं, ने अपने इंस्टाग्राम पर इस नए लुक की तस्वीरें साझा की हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। अनन्या के इस रुप को उनके 25.5 मिलियन फॉलोअर्स ने खूब सराहा है। तस्वीरों में अनन्या चेकर्ड स्वेटर के साथ एक धारीदार शर्ट पहने नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने बेज शॉर्ट स्कर्ट के साथ खूबसूरती से जोड़ा है। उनके आधे बंधे बाल उनके आउटफिट के वाइब को और भी खूबसूरत बना रहे हैं। उन्होंने इस लुक को काले मोजे और ट्रेंडी प्लेटफॉर्म शूज के साथ पूरा किया है। कैंडिड शॉट्स में उनका यह विंटेज लुक फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। सीटीआरएल विक्रमादित्य मोटवानी और अविनाश संपत द्वारा लिखित और निर्देशित एक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें संवाद सुमुखी सुरेश ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण निखिल द्विवेदी और आर्य मेनन द्वारा किया गया है, और इसमें अनन्या के साथ विहान समत और अपारशक्ति खुराना भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अनन्या पांडे का यह नया लुक और उनकी आगामी फिल्में उन्हें बॉलीवुड में और भी मजबूत स्थान दिलाने में मदद करेंगी।फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी, और इसके बारे में दर्शकों में खासा उत्साह है। अनन्या पांडे ने 2019 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने श्रेया की भूमिका निभाई। यह फिल्म 2012 की हिट फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर का सीक्वल थी, जिसमें टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया ने भी अभिनय किया था। इसके बाद अनन्या ने पति पत्नी और वो में तपस्या, खाली पीली में पूजा, और गहराइयां में टिया के रूप में अपनी अदाकारी से दर्शकों को प्रभावित किया। अनन्या ने 2022 में पुरी जगन्नाथ की स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म लिगर के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रखा, जिसमें विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने हाल ही में कॉमेडी सीरीज कॉल मी बे से अपना ओटीटी डेब्यू भी किया है, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। उनकी अगली फिल्म शंकरा भी दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरी उतरने के लिए तैयार है।

ऋचा का कातिलाना अंदाज और पोज़ बहुत पसंद आया फैंस को

बीती 16 जुलाई को प्यारी सी बेटी का जन्म होने के बाद एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने डॉटर्स डे पर अपने मैटरनिटी फोटोशूट की कई तस्वीरें साझा कीं, जिसमें उन्होंने अपनी गर्भावस्था के नौवें महीने का जश्न मनाया। ऋचा ने इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इन तस्वीरों में गोल्डन साड़ी पहन रखी है, जिसे उन्होंने इस तरह लपेटा है कि उनका बेबी बंप और क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। खास बात यह है कि उनके बेबी बंप और छाती पर ब्लैक डिजाइन बना हुआ है, जो तस्वीरों में ध्यान आकर्षित कर रहा है। ऋचा का ये कातिलाना अंदाज और पोज़ फैंस को बहुत पसंद आया, लेकिन कुछ यूजर्स ने उन्हें ट्रोल भी किया। इन तस्वीरों के साथ ऋचा ने कैप्शन में माया एंजेलो के एक उद्धरण को साझा किया, जिसमें उन्होंने अपनी मां के प्यार और अपने बच्चे के लिए भावनाओं का इजहार किया। उन्होंने लिखा, मेरी मां ने मेरे चारों ओर अपना सुरक्षात्मक प्यार बरसाया... यह तस्वीरें मेरी गर्भावस्था के 9वें महीने में हर्ष फोटोग्राफर द्वारा ली गई थीं। बेटी को डॉटर्स डे की बधाई देते हुए उन्होंने लिखा, हैप्पी डॉटर्स डे मेरी बेटी। हम एक दिन इन तस्वीरों को एक साथ देखेंगे, जहां आपने अंदर पोज दिया था और मैं खुशी से झूम रही थी... हालांकि, जहां एक तरफ उनके फैंस ने इस पोस्ट को खूब लाइक किया, वहीं दूसरी तरफ कुछ ट्रोलर्स ने उन्हें नकारात्मक टिप्पणियों का निशाना बनाया। एक ट्रोलर ने लिखा, आपने तो नुमाइश लगा दी है, जबकि दूसरे ने कहा, फोटोशूट के नाम पर कुछ भी किया जा रहा है। ट्रोलिंग के बाद ऋचा ने अपने कमेंट सेक्शन को बंद कर दिया है। ऋचा चड्ढा की यह स्थिति दर्शाती है कि सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को न केवल प्यार मिलता है, बल्कि आलोचना का भी सामना करना पड़ता है। फिर भी, ऋचा ने अपनी बेटी और मातृत्व का जश्न मनाने का फैसला किया है, जो उनकी खुशी और गर्व का प्रतीक है। बता दें कि एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा हाल ही में पति अली फजल के पहले बच्चे की मां बनीं, और उन्होंने अपने नन्हे मेहमान का स्वागत बेहद खुशी के साथ किया है।

लाइफ से जुड़ी कई पर्सनल बातों का खुलासा किया सना खान ने

हाल ही में बॉलीवुड की पूर्व अभिनेत्री सना खान ने एक शो में अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी कई बातों का खुलासा किया और अपने पति की तारीफ की। रुबीना से बातचीत में सना ने कहा कि उनके ट्रांसफॉर्मेशन के पीछे उनके पति का बड़ा हाथ है। उन्होंने कहा, आप आज मुझे जैसा भी देखते हैं—बात करना, सोचना, सबकुछ मेरे पति की वजह से है। मैं उन्हें 100 परसेंट क्रेडिट देती हूं। सना ने बताया कि उनके पति ने उनकी आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और उन्हें ज्यादा दयालु बनने में मदद की है। सना ने कहा, आप जितना दूसरों को देते हैं, अल्लाह आपको उतना ही देता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उनके पति ने उन्हें जिंदगी का गहरा अर्थ समझने में मदद की है। बातचीत के दौरान, सना इमोशनल हो गईं और अपने पुराने कपड़ों के बारे में बात करते हुए कहा, पता नहीं कैसे मैं फुल स्लीव से बैकलेस तक पहुंच गई थी। मुझे शैतान ने महिला के तौर पर कब नंगा कर दिया, पता ही नहीं चला। सना की यह यात्रा दर्शाती है कि उन्होंने अपनी पहचान को फिर से खोजा है और अपने नए जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश की है। उनके अनुभव और पति के समर्थन ने उन्हें एक नई दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। बता दें कि बॉलीवुड की पूर्व अभिनेत्री सना खान, जो कभी ग्लैमर की दुनिया की एक प्रमुख हस्ती थीं, ने साल 2020 में शोबिज इंडस्ट्री से तौबा करते हुए धर्म का रास्ता अपनाया। इस निर्णय के बाद, उन्होंने मुफ्ती अनस के साथ गुपचुप शादी कर सबको हैरान कर दिया था।

क्या आप सभी का व्यक्तित्व भी अतिवादी होता है : रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने एक तस्वीर साझा की जिसमें वह बिस्तर पर लेटी हुई मुस्कुरा रही हैं। इस तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्या आप सभी का व्यक्तित्व भी अतिवादी होता है? एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और विचार-प्रोवोकिंग पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपनी बदलती पर्सनालिटी पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कभी-कभी उन्हें बेवजह घंटों तक वर्कआउट करना पड़ता है, भले ही वह समय अनजाने में अजीब क्यों न हो। वहीं, कुछ दिनों में उनका मन वर्कआउट करने का नहीं होता, और वह सोफे पर लेटकर अनहेल्दी खाना खा रही होती हैं और के-ड्रामा देख रही होती हैं। रश्मिका ने अपने प्रशंसकों से पूछा, क्या आप भी ऐसा करते हैं? हां या ना में जवाब दें। 78 प्रतिशत लोगों ने हां का विकल्प चुना, जबकि 22 प्रतिशत ने ना का। रश्मिका की इस बातचीत ने दर्शकों के बीच एक दिलचस्प संवाद को जन्म दिया है। इसके अलावा, इंस्टाग्राम स्टोरी में मलेशियाई मॉडल-ब्लॉगर कुआन ने रश्मिका के साथ एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तेलुगू सीख रही हैं। कुआन ने इसे मेरी नई दोस्त के रूप में कैप्शन दिया, और रश्मिका ने तेलुगू में यही बात दोहराई। कुआन ने आगे लिखा, मैं तमिल सीख रही हूं दोस्तों। रश्मिका की फिल्मी करियर की बात करें तो वह जल्द ही अल्लू अर्जुन और फहाद फासिल के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2- द रूल में नजर आएंगी। यह फिल्म 6 दिसंबर, 2024 को तेलुगू, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। इसके अलावा, रश्मिका शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित धनुष स्टार कुबेर में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वह सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म सिकंदर में भी दिखाई देंगी, जिसे गजनी के निर्देशक एआर मुरुगादॉस बना रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस रश्मिका इस समय मिलान फैशन वीक में भाग ले रही हैं।

फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए दुबई में सम्मानित होंगी ज़ारा खान.!

फ़िल्म अभिनेत्री सह समाजसेविका ज़ारा खान को आगामी 29 सितम्बर को दुबई में सम्मानित किया जाएगा। ज़ारा खान फ़िल्म जगत में अपनी खूबसूरत अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। मूलत: ग्वालियर मध्य प्रदेश की निवासी ज़रा हिंदी, तमिल ,तेलुगु और मराठी सहित कई भाषाओं में अपनी बेहतरीन अभिनय से लोगों के दिलों में खास जगह बना चुकी हैं। उनकी फिल्मों में वे अपने शसक्त अभिनय के लिए जानी जाती रही हैं। अभिनय के अलावा ज़ारा खान अपने समाजसेवा के लिए भी लोगों के बीच खासी लोकप्रियता हासिल कर चुकी हैं , समय समय पर और अपने जन्मदिन सहित ज़िन्दगी के कुछ खास पलों को ज़ारा खान अनाथ बच्चों, और असहाय लोगों के बीच उनकी जरूरत की चीजों के साथ खुशियां मनाती हैं। वे गरीबों में इसलिए भी लोकप्रिय हैं क्योंकि वे उनके बच्चों को स्कूल भेजने में मंदद करती हैं , उनके बच्चों के लिए स्टेशनरी का मुफ्त वितरण करती हैं। ज़ारा खान के समाज मे इन्हीं योगदानों और समर्पण को देखते हुए उन्हें दुबई में आगामी 29 सितम्बर को सम्मानित किया जाएगा। दरअसल दुबई में आगामी 29 सितम्बर को एक वृहद आयोजन होने जा रहा है जिसमें दुनियाभर के बड़े बड़े इन्वेस्टर और बिज़नेस जगत की जानी मानी हस्तियां शामिल होने जा रही हैं। इस आयोजन को जेनेसिस अल्टीमा दुबई - यूएई और महेज़ फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मिट में दुनियाभर से तमाम सेलिब्रिटी और बिजनेस टायकून हिस्सा लेने आ रहे हैं। यह एक तरह का टूरिज्म कान्क्लेव भी है जिसे दुबई के मशहूर पार्क रेजिस क्रिस किन होटल में आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में शामिल होने को लेकर ज़ारा खान खासी उत्साहित हैं और कहती हैं कि अब देश के साथ दुनिया के हर कोने में पहचान मिलना अपनेआप में काफी गौरव की बात है और इस सम्मान से उन्हें काफी फ़ख़्र महसूस हो रहा है।

'लापता लेडीज' की ऑस्कर के लिए एंट्री के लिए किरण को दिया धन्यवाद

कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुने जाने पर अभिनेत्री प्रतिभा रांटा एवं फिल्म की टीम के अन्य सदस्यों ने फिल्म निर्माता किरण राव को धन्यवाद दिया है। इस फिल्म में जया की भूमिका निभाने वाली प्रतिभा ने अपने सह-कलाकारों स्पर्श और नितांशी गोयल के साथ इंस्टाग्राम पर फिल्म की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, कल का दिन जीवन के सबसे खास दिनों में से एक रहा। हमारी फिल्म 'लापता लेडीज' को ऑस्कर में भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना गया है। किरण मैडम, आपके समर्थन और मुझे यह मौका देने के लिए धन्यवाद। हमारी पूरी टीम को बधाई। जश्न मनाना बंद नहीं कर सकते। नितांशी गोयल ने भी किरण राव के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, बहुत खुश और आभारी महसूस कर रही हूं कि लापता लेडीज ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री है।23 सितंबर को फिल्म फेडरेशन ने लापता लेडीज को सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना। यह फिल्म 29 अन्य फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी, जिसमें 卐एनिमल卐, 卐किल卐, 卐कल्कि 2898 ई.डी.卐 और 卐श्रीकांत卐 शामिल हैं। लापता लेडीज दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है, जो एक ही ट्रेन में सफर करते समय आपस में बदल जाती हैं। यह स्लाइस-ऑफ-लाइफ कॉमेडी दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करती है। इसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है, जबकि संवाद स्नेहा देसाई और दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे हैं। ऑस्कर 2025 मार्च में आयोजित होगा, और फिल्म के चयन ने इसे भारतीय सिनेमा की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एक और अवसर प्रदान किया है। असमिया निर्देशक जाह्नू बरुआ की अध्यक्षता में एक 13 सदस्यीय चयन जूरी ने लापता लेडीज को चुना। इस फिल्म में प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है। लापता लेडीज का निर्माण किरण राव, आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है।

सैफ अली खान अपने पटौदी पैलेस को म्यूजियम में बदलेंगे?

सैफ अली खान एक सफल बॉलीवुड स्टार के साथ साथ एक नवाबी खानदान से भी ताल्लुक रखते हैं। बॉलीवुड में सैफ ने कई सुपरहिट फिल्में की और अपना बड़ा नाम कमाया। नाम बनाने के बाद उन्होंने अपने पुश्तैनी घर पटौदी पैलेस का स्वामित्व वापस लिया। पटौदी पैलेस को सैफ अली खान के पिता ने एक होटल चेन को पट्टे पर दिया था लेकिन बरसों बाद सैफ अली खान ने इसे वापस अपना बना लिया। अब खूबसूरत महल जैसे घर के संरक्षक सैफ अली खान ही है। सैफ अपने पटौदी पैलेस को एक म्यूजियम में बदलना चाहते हैं ताकि उनके परिवार की विरासत को संजोया जा सकें। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने पटौदी पैलेस को म्यूजियम में बदलने पर बात की है।

सैफ अली खान ने कहा, विरासत के लिहाज से, यह घर समय के साथ अलग-अलग लोगों का रहा है। मेरे पिता एक नवाब के रूप में पैदा हुए थे, वे एक नवाब थे। उन्होंने अपनी शर्तों पर जीवन जिया, और वे सबसे अद्भुत व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि समय बदल गया है, और उन्होंने घर को एक होटल को किराए पर देने का फैसला किया... मुझे याद है कि मेरी दादी ने मुझसे कहा था, 'ऐसा कभी मत करना'। इसका बहुत इतिहास है, और यह ऐसी चीज है जिस पर मुझे गर्व है।'

उन्होंने कहा, 'मेरे दादा-दादी को वहीं दफनाया गया है, मेरे पिता को भी वहीं दफनाया गया है। यह मेरा पारिवारिक घर है। यहां बहुत सारे पुराने घर हैं, हम उन्हें दरबार हॉल कहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह पुराना नाम है। मैं इसे लॉर्ड्स के हॉल के नाम पर लॉन्ग रूम कहना चाहता हूं। इस घर को पटौदी के सातवें नवाब और मेरे पिता ने बनवाया था। मैं उनके क्रिकेट के मैदान और बल्ले लगाना चाहता हूं और मैं वास्तव में इस घर को उनकी आत्मा के साथ फिर से बनाना चाहता हूं। यह मेरा सपना रहा है और यह लगभग पूरा हो चुका है।' सैफ अली खान ने बताया कि उनके पिता ने उन्हें पहले ही बता दिया था कि उन्हें विरासत में बहुत बड़ी रकम मिलेगी। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता ने मुझसे कहा, 'किसी भी तरह की वित्तीय विरासत की उम्मीद मत करो, दुनिया बदल गई है। मैं तुम्हें अच्छी शिक्षा दूंगा। मैं उसका खर्चा उठाऊंगा, लेकिन इसके अलावा, तुम खुद ही सब कुछ संभालोगे।' जबकि सैफ के पिता ने संपत्ति को एक होटल को पट्टे पर दे दिया था, अभिनेता अपनी दादी की सलाह पर चल रहे हैं और वर्तमान में संपत्ति के एक हिस्से को अपने पूर्वजों की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए एक संग्रह में बदल रहे हैं। सैफ अली खान महल के एकमात्र मालिक हैं और अपनी बहनों सबा और सोहा के साथ स्वामित्व साझा नहीं करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह प्रिवी पर्स खत्म होने से पहले एक 'नवाब' के रूप में पैदा हुए थे।

भारत / बांग्लादेश दूसरा टेस्ट : बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, बांग्लादेश ने 35 ओवर में खोए 3 विकेट

कानपुर (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम पर खेला जा रहा है। मैच का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया, जहां खिलाड़ियों और अंपायरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पहले गीली आउटफील्ड के चलते टॉस में देरी हुई, फिर लंच ब्रेक के बाद बारिश के चलते देरी हुई और फिर बारिश के चलते पहले दिन का खेल समय से पहले ही खत्म करना पड़ा। बांग्लादेश ने 35 ओवर में तीन विकेट पर 107 रन बनाए हैं।

बारिश के कारण टॉस देरी से हुआ जो रोहित शर्मा ने जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लंच ब्रेक तक तो बांग्लादेश ने दो विकेट पर 74 रन बना लिए थे। आकाशदीप ने दो विकेट झटके, उन्होंने जकिर हसन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच आउट कराया। जबकि आकाशदीप ने शदमान इस्लाम को भी पवेलियन भेजने का काम किया। बांग्लादेश को तीसरा झटका आर अश्विन ने दिया, उन्होंने कप्तान नजमुल हुसैन शंटो को एलबीडब्ल्यू किया।

लेकिन इसके बाद बारिश फिर से शुरू हो गई। पूरे मैदान को कवर्स से ढका गया और बारिश बंद होने का इंतजार हो रहा था। लेकिन बारिश ने पहले दिन का खेल बिगाड़ दिया।

आखिर में बीसीसीआई ने अपने अधिकारिक एक्स हैंडल से दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म करने का अपडेट दिया। पहले दिन कुल 35 ओवर की ही गेंदबाजी हो पाई।

इस युवा बल्लेबाज का गरज रहा बल्ला, सबसे तेज 5 शतक ठोकने का डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी की

खेल डैस्क । न्यूजीलैंड के खिलाफ कामिंदु मेंडिस रिकॉर्ड तोड़ बल्लेबाजी कर रहे हैं। श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी सेंचुरी ठोकी। कामिंदु मेंडिस सबसे कम पारियों में 5 शतक लगाने वाले एशियन बैटलर बन गए हैं। उन्होंने 13वीं पारी में 5वां शतक लगाकर इस मामले में सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी भी कर ली है। कामिंदु मेंडिस ने एक दिन पहले ही लगातार 8 टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

25 साल के कामिंदु मेंडिस न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उस समय क्रीज पर उतरे जब दिनेश चांडीमल शतक बनाकर आउट हुए। उन्होंने श्रीलंका को धनंजय डिसिल्वा के साथ पांचवें विकेट केलिए 74 रन की साझेदारी कर 400 रन के पार पहुंचाया। धनंजय डिसिल्वा के आउट होने के बाद कामिंदु और सुल मेंडिस ने पारी को आगे बढ़ाया।

इस साझेदारी के दौरान कामिंदु मेंडिस अपनी 13वीं पारी में ही इस मुकाम तक पहुंचे हैं। इस तरह उन्होंने सबसे कम पारियों में 5 शतक बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के ड्रॉन ब्रैडमैन की बराबरी कर ली है। ब्रैडमैन ने भी अपना 5वां शतक 13वीं पारी में बनाया था।

अश्विन ने अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा, सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे

कानपुर (एजेंसी)। अनुभवी लेग स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने लाल गेंद से अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को आउट किया। विपक्षी कप्तान का विकेट अश्विन के 7वें ओवर की अंतिम गेंद पर आया। यह कोई साधारण आउट नहीं था। शांतो मध्यक्रम में अपने कार्यकाल के दौरान अच्छे दिख रहे थे और दिन के दूसरे सत्र के तीसरे ओवर में आउट हुए। इसके अलावा एलबीडब्लू (लेग बिफोर विकेट) का मतलब अश्विन के लिए ऐतिहासिक था। यह एशिया में टेस्ट मैचों में उनका 420वां आउट था जिसने उन्हें सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया।

अनिल कुंबले (82 मैचों में 419 विकेट) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिसका मतलब है कि अब अश्विन शीर्ष स्थान हासिल करने से एक स्थान दूर हैं। इस सूची में सबसे आगे कोई और नहीं बल्कि श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन हैं जिन्होंने 612 विकेट लिए हैं। यह देखना बाकी है कि पहले टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सर्वकालिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में नाथन लियोन को पीछे छोड़ पाते हैं या नहीं। अश्विन अभी 523 विकेट लेकर

सूची में आठवें स्थान पर हैं और लियोन को पीछे छोड़ने के लिए उन्हें 8 विकेट और चाहिए। नवंबर में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में लियोन को अपनी संख्या बढ़ाने का मौका मिलेगा।

मैच की बात करें तो भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच के शुरुआती दिन का खेल भारी बारिश के कारण शुक्रवार को यहां जल्दी समाप्त कर दिया गया। खेल रोके जाने तक बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बना लिए थे। बांग्लादेश ने इस दौरान लंच के बाद के सत्र में नौ ओवर के खेल में 33 रन जोड़कर कप्तान नजमुल हसन शंटो (31) का विकेट गंवा दिया। मुशफिकुर रहीम (छह) और मोमिनुल हक (40) क्रीज पर मौजूद थे।

डीआरएस फैसला देख हैरान रह गए रोहित शर्मा, कप्तान का रिएक्शन जीत लेगा आपका दिल

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन दो महत्वपूर्ण डीआरएस (निर्णय समीक्षा प्रणाली) फैसलों पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं वायरल हो रही है। रोहित के हाव-भाव सुबह के सत्र के बाद सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहे थे जिसमें आकाश दीप ने बांग्लादेश के दोनों सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन और शादमान इस्लाम को आउट किया था।

रोहित उस समय दंग रह गए, जब भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को 24 रन पर आउट करने के लिए शानदार डीआरएस लिया। शादमान द्वारा गेंद को फ्लिक करने के प्रयास के बाद आकाश दीप ने एलबीडब्लू की जोरदार अपील की। अपने साथियों के साथ संक्षिप्त चर्चा के बाद रोहित ने मैदानी अंपायर के फैसले की समीक्षा करने का फैसला किया।

बॉल-ट्रैकिंग तकनीक से पता चला कि गेंद शादमान के घुटने के ठीक नीचे लगी थी और लेग स्टंप को छूती हुई भारत के लिए दूसरा महत्वपूर्ण विकेट बन गया। हालांकि शुरुआती रीप्ले से पता चला कि यह एक करीबी कॉल हो सकता था, लेकिन अंतिम पुष्टि ने रोहित को कुछ पल के लिए स्तब्ध कर दिया, उनका अविश्वास प्रशंसकों के साथ गूंज रहा था जिन्होंने स्क्रीन पर उनकी

प्रतिक्रिया देखी।

इसके विपरीत रोहित बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो द्वारा विवादास्पद समीक्षा से बचने के बाद निराश दिखे। सिराज ने गेंद फेंकी जो लेग स्टंप के बाहर पिच हुई, लेकिन तेजी से पीछे हट गई, शांतो के अंदरूनी किनारे को छूते हुए उनके पैड पर जा लगी। जब ऑन-फील्ड अंपायर ने एलबीडब्ल्यू अपील को अस्वीकार कर दिया, तो रोहित ने समीक्षा का विकल्प चुना, इस उम्मीद में कि पहले जैसा ही नतीजा आएगा।

हालांकि बॉल-ट्रैकर ने संकेत दिया कि गेंद स्टंप के ऊपर से निकल रही है जिससे रोहित रीप्ले देखते समय निराश दिखाई दिए। प्रशंसकों ने उनकी विपरीत भावनाओं को देखा-उनका पहले का अविश्वास हताशा में बदल गया, जिसने क्रिकेट की अप्रत्याशित प्रकृति को उजागर किया। इस बीच टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का रोहित का फैसला उनके गेंदबाजों द्वारा हासिल की गई शुरुआती सफलताओं से सही साबित हुआ। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर रहे आकाश दीप ने तीन ओवर के तेज स्पेल में दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके रोहित की रणनीति को सही साबित किया। शादमान और जाकिर हसन से शुरूआती प्रतिरोध का सामना करने के बावजूद रन न बना पाने का दबाव बांग्लादेशी बल्लेबाजों पर भारी पड़ा जिसके कारण शादमान को सीधी गेंद पर आउट होना पड़ा।

तेज गेंदबाज आकाश दीप ने कहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये रोहित और विराट

कानपुर । युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना की है। आकाश ने कहा कि ये दोनो ही अपनी कप्तानी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये हैं। इस दौरान ड्रेसिंग रूम का माहौल बेहतर हुआ है। आकाश दीप ने डेब्यू के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। इस क्रिकेटर ने साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में तीन विकेट लिए थे। इसके अलावा चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए थे। आकाश ने कहा कि उन्हें रोहित और विराट से मिले मार्गदर्शन से लाभ हुआ है। आकाश ने कहा कि जब मैं यहां आया, तो मैंने रोहित, विराट भाई जैसे खिलाड़ियों का समर्पण देख है। मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने बहुत कुछ हासिल किया है इसके बाद भी वे प्रशिक्षण के दौरान अभी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनकी विचार प्रक्रिया एक अलग स्तर पर है। यह मुझे और भी अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। इस तेज गेंदबाज ने कप्तान रोहित की सरल नेतृत्व शैली की भी प्रशंस की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मुझे झिझक थी कि दबाव होगा, लेकिन कप्तान ने चीजों को आसन बनाया। मैंने पहले इतने सहयोग करने वाले कप्तान नहीं देखे हैं। वह चीजों को सरल रखते हैं। इससे मुझे कभी महसूस नहीं हुआ कि मैं घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहा हूं। पिछले दो साल में, मैंने बहुत क्रिकेट खेला है। यह हमारे लिए सिर्फ तीन महीने का सत्र नहीं है। रणजी के बाद हम दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप खेलते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर आपको अपनी को समझने और अपनी ताकत को जानने की जरूरत है।

टी20 विश्वकप में ट्रंप कार्ड हो सकती हैं दीप्ति : पूनम

नई दिल्ली । महिला क्रिकेटर स्पिनर पूनम यादव ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारतीय टीम एक बड़ी दावेदार के तौर पर उतरेगी। पूनम के अनुसार भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर इस टूर्नामेंट में हालात के अनुसार एक या दो स्पिनरों को शामिल कर सकती है। अगर ओस अधिक रही तो दो नहीं तो एक स्पिनर ही पर्याप्त रहेगा। इस स्पिनर ने कहा कि दीप्ति शर्मा और आशा शोभना दोनों को भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है पर दीप्ति अनुभवी होने के कारण ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति ने अब तक 117 मैचों की 75 पारियों में 104.29 की स्ट्राइक रेट से 1020 बनाने के साथ ही 27 131 विकेट भी लिए हैं। पूनम ने कहा कि यदि ओस अधिक रहती है तो हरमनप्रीत एक या दो स्पिनर रख सकती है। साथ ही कहा कि पिच के उछाल को देखते हुए तेज गेंदबाज भी अहम रहेंगे। इसके अलावा वह कलाई की स्पिनर शोभना पर भी भरोसा कर सकती हैं। कलाई के स्पिनर किसी भी प्रकार के ट्रैक पर गेंद को घुमा सकते हैं और उनकी गति आम तौर पर धीमी होती है। दीप्ति भारत के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पिच कैसी भी हो तेज गेंदबाज अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए उनको प्राथमिकता मिलेगी। भारतीय टीम आज तक विश्व कप नहीं जीत पायी है। साल 2022 में वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गयी थी।

नतीजा इस पर निर्भर करेगा कि अश्विन और जडेजा से कैसे निपटते हैं हमारे बल्लेबाज : मैक्सवेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को लगता है कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मेजबान टीम के बल्लेबाज भारत की शीर्ष स्पिन जोड़ी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा से किस तरह निपटते हैं। भारत ने 2018-19 और 2020-21 के दौरे पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी और अब टीम की निगाहें लगातार तीसरी श्रृंखला कब्जाने पर लगी हैं। बल्कि भारत एशिया का एकमात्र देश है जिसने टेस्ट श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर शिकस्त दी है। मैक्सवेल ने कहा कि अकसर अश्विन और जडेजा की जोड़ी खेल का नतीजा तय करती है।

मैक्सवेल ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, '' मेरा मानना है कि लंबे समय तक अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाजों के खिलाफ खेलने के बाद ऐसा लगता है कि हमने लगातार इन दोनों

का सामना किया है। और अकसर उनके खिलाफ हमारा प्रदर्शन मैच का नतीजा तय करता है। '' मैक्सवेल हालांकि अब ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट की योजना का हिस्सा नहीं हैं और 2017 में अपना अंतिम टेस्ट खेलने के बाद उन्होंने कहा कि उनके देश के बल्लेबाजों को भारत के सीनियर स्पिनरों के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करनी होगी। अश्विन और जडेजा ने मिलकर 330 पारियों में 821 विकेट झटके हैं जिसमें से 50 दफा वे पांच विकेट झटक चुके हैं।

उन्होंने कहा, ''अगर हम इन दोनों (अश्विन और जडेजा) के खिलाफ अच्छा खेलते हैं तो हम अच्छी स्थिति में होंगे। ये दोनों खिलाड़ी मेरे करियर में ज्यादातर समय गेंदबाजी करते रहे हैं। '' उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा करते हुए कहा, ''और अब जसप्रीत बुमराह। मैं 2013 में मुंबई में आईपीएल में उनके पहले सत्र में वहां था और नेट्स में लगभग हर दिन उनका सामना करता था। वह तब युवा प्रतिभा था और अब उसे इस तरह शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए देखना अद्भुत है जो सभी तीनों प्रारूपों संभवत- सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।

युवराज ने खोला छह छक्के लगाने का राज, फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस से प्रेरित हुआ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में छह छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया था। उसी को लेकर युवराज ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के साथ बातचीत में कहा कि उस दिन सभी गेंदें बल्ले के बीचों बीच आ रहीं थीं। उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में ये छक्के लगाये थे। उसी के साथ युवराज टी20 में एक ही ओवर में 6 छक्के लगाने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने। युवराज ने कहा, यह पहला टी20 विश्व कप था और किसी को नहीं पता था कि टी20 खेल को कैसे खेला जाना चाहिए। यॉर्कशायर वह जगह थी जहां मैंने अपना पहला टी20 मैच खेला और इसी दौरान मुझे ये प्रारूप समझ में आया। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया था। साथ ही कहा कि फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस के बाद उन्हें लगा कि 6 छक्के लगाकर जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, फ्लिंटॉफ ने मुझसे कुछ बातें कहीं जिससे मुझे गुस्सा आ गया। तब मैंने अंपायर से कहा कि वह इसे शुरू कर रहे हैं और या तो उन्हें रुकना होगा या अंपायर को बीच में आना होगा। अंपायर ने इसपर अधिक ध्यान नहीं दिखा जिससे मेरा गुस्सा बढ़ गया। तब मैं हर गेंद को मैदान के बाहर मारना चाहता था, और ऐसा ही हुआ। तीसरे छक्के के बाद, मैंने ब्रॉड को लांग ऑफ पर मारा। इसके बाद गेंदबाज ने पैरों पर गें डालने का प्रयास किया। चौथी गेंद अच्छी थी, जो मेरे बल्ले के अंगूठे पर लगी, लेकिन बाउंड्री छोटी थी, इसलिए वह छक्का लग गया। अंतिम गेंद पर मुझे पता था कि यॉर्कर आएगी, मैंने उस पर बल्ला चला दिया जिसपर किस्मत से छक्का लग गया। युवराज की इस पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई बल्कि टी20 क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत भी की।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान लिसा बोली, इस बार भारतीय महिला टीम जीत सकती है टी20 विश्व कप

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लीसा स्थालेकर के अनुसार इस बार यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। लीसाके अनुसार इस अगले माह होने वाले इस टूर्नामेंट मे भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज़ शैफ़ाली वर्मा और स्मृति मंधाना अहम भूमिका निभा सकती हैं। विश्वकप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। लीसा के अनुसार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वे मौजूदा चैंपियन हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के भी अच्छे अवसर हैं। वहीं हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली गलतियों को ठीक कर सकती है। वे 2020 में फाइनलिस्ट थे और वे लंबे समय से सेमीफाइनलिस्ट हैं। मुझे लगता है कि उनके पास अब इसे बदलने का अवसर है। मुझे लगता है कि वे अच्छी शुरुआत के लिए अपने सलामी बल्लेबाजों पर निर्भर रहेंगे। जैसे, अगर पूजा वस्त्रकर अगर फिट रह सकती है और वापसी की राह पर है, तो वह कई टीमों के लिए काफी मुश्किल साबित हो सकती है। इसलिए, भारत की संभावनाएं बहुत अधिक हैं। मैं उनसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद करूंगी , अगर फाइनल में नहीं। मुझे लगता है कि उनके पास ताकत, गहराई और अच्छे गेंदबाज़ हैं। मुझे देखना होगा कि क्या सलामी बल्लेबाज़ जेमिमा रोड्रिग्स अच्छा प्रदर्शन करेंगी। फिर चौथी टीम – मुझे नहीं लगता कि न्यूज़ीलैंड वहां होगा, मैंने जो देखा है उसके आधार पर। दक्षिण अफ़्रीका, ज़ाहिर है, 2023 में फ़ाइनलिस्ट था। ऐसा लग रहा था कि उनके पास भी ऐसी ही टीम है, इसलिए उन्हें ज़ोर लगाना होगा।

ऋषभ नहीं जा रहे आरसीबी , सोशल मीडिया में फर्जी खबर लिखने वालों पर भड़के

कानपुर । दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में नहीं जा रहे हैं और इस प्रकार की जो भी बातें कही जा रही हैं वे गलत हैं। ऋषभ ने एक फैन पेज की आलोचना की जो इन फर्जी खबरों को फैला रहा था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसी अविश्वसनीय बातें फैलाना सही नहीं है। इस प्रकार की चीजों को जारी करने से पहले खबर की पुष्टि कर लेनी चाहिये और आधारहीन बातें कहकर संशय नहीं फैलाना चाहिये। इस आक्रामक बल्लेबाज ने नाराजगी जताते हुए लिखा, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इतनी फर्जी खबरें क्यों फैलाते हैं? अगर ऐसा समझदार लोग कर रहे हैं तो ये और भी निराशाजनक बात है। बिना वजह अविश्वसनीय माहौल बनाना ठीक नहीं है हालांकि मैं जानता हूं कि यह पहली बार नहीं है और आखिरी बार भी नहीं होगा पर मुझे मजबूरन ये लिखना पड़ा है। ऋषभ ने 2024 आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की थी। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में 8 मैचों में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। वहीं इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट वापसी की, जिसमें उन्होंने 128 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। इस क्रिकेटर ने यह प्रतिक्रिया फर्जी खबरों के प्रति अपने प्रशंसकों को सजग करने के लिए की है।

चोट अब ठीक है, अगला बड़ा लक्ष्य 2025 विश्व चैंपियनशिप: नीरज चोपड़ा

सोनीपत (एजेंसी)। भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आगामी सत्र के लिए शत प्रतिशत फिट होने का वादा करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2025 तोक्यो विश्व चैम्पियनशिप में पोडियम पर जगह हासिल करना है। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता नीरज ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे। वह अपने मौजूदा सत्र को समाप्त कर स्वदेश वापस आ गए हैं।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक अपने नाम किया। वह लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। इस 26 साल के खिलाड़ी ने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय की 'मिशन ओलंपिक 2036' पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर कहा, 'मेरा सत्र अब खत्म हो गया है। अगले साल का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप है और हम इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर देंगे। ओलंपिक हमेशा हमारे दिमाग में रहता है, लेकिन उसके लिए हमारे पास चार साल हैं।'

विश्व चैंपियनशिप अगले साल 13 से 21 सितंबर तक आयोजित होने वाली है। चोपड़ा पूरे साल मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे और इससे ओलंपिक और डायमंड फाइनल दोनों में उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। डायमंड लीग फाइनल में उन्होंने टूटे हुए बाएं हाथ के साथ भी प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही थी ताकि यह तय किया जा सके कि चोट से उबरने के लिए सर्जरी की जरूरत होगी या नहीं। चोपड़ा ने फिटनेस के बारे में पूछे जाने पर चोट की चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए कहा कि अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह साल चोटों से भरा रहा है लेकिन अब चोट अब ठीक है। मैं नये सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हो जाउंगा।' उन्होंने कहा, 'तकनीकी मुद्दे भी हैं लेकिन हम उन पर काम करेंगे। मैं अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दूंगा। मैं भारत में भी अभ्यास करना पसंद करता हूं लेकिन जब प्रतियोगिताएं शुरू होती हैं तब मेरे लिए विदेश में अभ्यास करना सही रहता है।'

भारतीय खिलाड़ियों के ओलंपिक में छह पदक जीते लेकिन इसमें कोई स्वर्ण पदक नहीं था। इसके बारे में पूछे जाने पर चोपड़ा ने कहा, 'हमारे

कई खिलाड़ी चौथे स्थान पर थे। (लेकिन) इस बार, हमने पैरालंपिक में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और कई पदक जीते।' उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में हमें ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है।'

संक्षिप्त समाचार

युद्धविराम के बजाय पूर्ण शांति स्थापित करने के प्रयास हो, यूएन में यूक्रेन के राष्ट्रपति का बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वैश्विक नेताओं से आग्रह किया कि वे उनके देश के साथ खड़े हों और रूस के साथ युद्धविराम के बजाय वास्तविक, न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने की कोशिश करें। संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलते हुए उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं को बहाल करने के अपने दो साल पुराने प्रस्ताव को अपनाने का आह्वान किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि हमें संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन करना चाहिए और यूक्रेन के अधिकार, उसकी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की गारंटी देनी चाहिए। हमें रूस के कब्जे को खत्म करने की जरूरत है। शांति की तलाश के लिए कोई भी समानांतर या वैकल्पिक प्रयास, वास्तव में, युद्धविराम के प्रयास हैं और इनसे पूर्ण शांति नहीं आ सकती। जब कोई वैकल्पिक प्रस्ताव आधे-अधूरे मन से पेश किया जाता है तो उस वक्त यूक्रेन के लोगों की पीड़ा और दर्द को अनदेखा किया जाता है। साथ ही यह पुतिन को वह राजनीतिक जगह देता है, जो उन्हें युद्ध जारी रखने की सहूलियत देता है, साथ ही दुनिया के देशों पर दबाव बनाने की भी सुविधा देता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में, युद्ध और शांति के मामलों को सही मायने में और निष्पक्ष रूप से हल करना असंभव है क्योंकि सुरक्षा परिषद में बहुत कुछ वीटो शक्ति पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि जब हमलावर वीटो शक्ति का प्रयोग करता है, तो संयुक्त राष्ट्र युद्ध को रोकने में शक्तिहीन हो जाता है। उन्होंने कहा कि मैं दुनिया के सभी देशों से समर्थन मांग रहा हूं। हम दुनिया को विभाजित नहीं करते हैं। मैं आपसे भी यही मांग करता हूं - दुनिया को विभाजित न करें। एकजुट राष्ट्र बनें, और इससे हमें शांति मिलेगी।

दुर्गा पूजा करना है तो 5 लाख दो, बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों को वसूली की मिली धमकियां

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा। दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश में इस्लामिक समूहों के जरिए कुछ मंदिरों को धमकियां मिली है। मंदिर समितियों को धमकी दी गई कि अगर उन्हें दुर्गा पूजा मनाना है तो उन्हें 5 लाख बांग्लादेशी टका देने होंगे। अगर पैसे नहीं दिए गए तो पूजा नहीं करने दी जाएगी। वहीं, 22 सितंबर को मदरसा के कुछ लोगों ने लक्ष्मीगंज जिले के रायपुर इलाके में दुर्गा प्रतिमाओं को तोड़ा था। बरगुना जिले में भी प्रतिमाएं तोड़ी गई थी। इस मामले पर हिंदू समुदाय के कुछ लोगों ने चटगांव और खुलना में जिले के अधिकारियों के सामने शिकायत भी दर्ज करवाई थी। हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के महासचिव महेंद्र नाथ ने कहा कि खुलना शहर के डाकोप कस्बे में 25 से अधिक मंदिरों को पांच दिवसीय उत्सव मनाने के लिए 5 लाख रुपये की मांग करते हुए धमकियां मिली हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने फरमान जारी करते हुए कहा था कि दुर्गा पूजा के दौरान अजान से पहले और नमाज के दौरान कोई भी संगीत न बजाएं।

लेबनान में चिंताजनक हालात, बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने यात्रा से बचने को कहा

बेरूत , एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश लेबनान में चिंताजनक हालात को देखते हुए बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास ने नागरिकों से युद्धग्रस्त और संघर्ष वाले इलाकों की यात्रा करने से बचने को कहा है। आपात स्थिति में दूतावास की तरफ से नागरिकों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर- +96176860128 भी जारी की गई है। अगले आदेश तक लेबनान की यात्रा न करने की सख्त सलाह बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने देर रात एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि 1 अगस्त, 2024 को जारी सलाह के अनुसार और पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों और तनाव को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक लेबनान की यात्रा न करने की सख्त सलाह दी जाती है। लेबनान में पहले से मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को भी देश छोड़ने की सख्त सलाह दी जाती है।

अमेरिकी नौसेना को बड़ा झटका, ईंधन भरने वाले जहाज यूएसएनएस बिग हॉर्न को पहुंचा बड़ा नुकसान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना का एक महत्वपूर्ण जहाज, यूएसएनएस बिग हार्न, जो युद्धपोतों को ईंधन की आपूर्ति करता है, को गंभीर नुकसान पहुंचा है। यह घटना तब हुई जब इसने अमेरिकी विमानवाहक पोत स्स अब्राहम लिंकन स्ट्राइक ग्रुप को ईंधन भरने का काम पूरा किया। अधिकारियों ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन विस्तृत जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। यूएसएनएस बिग हॉर्न अमेरिकी नौसेना का हेनरी जे कैजर क्लास का एक फ्लीट रिफ्यूलिंग (ईंधन भरने वाला) जहाज है, जो युद्धपोतों को संचालन के दौरान ईंधन और आपूर्ति की सुविधा प्रदान करता है। यह पोत लगातार यूएसएस अब्राहम लिंकन जैसे विमानवाहक पोतों को महत्वपूर्ण समर्थन देता है, जो इस समय मध्य पूर्व के तनावपूर्ण माहौल में इज़राइल-हमास युद्ध और इज़राइल द्वारा लेबनान में हिज़बुल्लाह पर किए जा रहे हमलों के बीच क्षेत्र में तैनात है। घटना के समय यूएसएनएस बिग हॉर्न ने अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके साथ अन्य युद्धपोतों को सफलतापूर्वक ईंधन और आपूर्ति प्रदान की

थी। इसके बाद, यह जहाज अचानक क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, अमेरिकी नौसेना ने अभी तक स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया है कि यह क्षति कैसे हुई या किस तरह की तकनीकी या यांत्रिक समस्या इसका कारण बनी। यूएसएस अब्राहम लिंकन स्ट्राइक ग्रुप अभी भी इस क्षेत्र में गश्त कर रहा है, खासकर अरब सागर में। यह क्षेत्र हाल के दिनों में काफी तनावपूर्ण बना हुआ है, विशेषकर इज़राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष और इज़राइल द्वारा हिज़बुल्लाह पर किए जा रहे हमलों के चलते। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यूएसएनएस बिग हॉर्न की पूरी टीम सुरक्षित है और जहाज से किसी तरह का तेल या कोई अन्य पदार्थ रिसाव नहीं हो रहा है। यह एक राहत की बात है, क्योंकि तेल रिसाव से पर्यावरणीय नुकसान और समुद्री सुरक्षा को बड़ा खतरा पैदा हो सकता था। इस घटना के बाद यूएसएनएस बिग हॉर्न को निजी टगबोट्स की मदद से निकटतम बंदरगाह तक लाया जा रहा है, जहां इसके नुकसान का आकलन और मुरम्मत का काम किया जाएगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जहाज कब तक वापस संचालन में आ सकेगा। अमेरिकी नौसेना द्वारा जारी की गई एक फोटो में यूएसएनएस बिग हॉर्न को यूएसएस अब्राहम लिंकन के साथ समुद्र में दिखाया गया था, जो कि 11 सितंबर, 2024 की है। यह फोटो उस समय की है जब दोनों जहाज एक साथ संचालन में थे। हालांकि, घटना की वास्तविक तारीख और समय को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। अमेरिकी नौसेना के एक अधिकारी, जिन्होंने नाम न बताने की शर्त पर बात की, ने यह भी कहा कि घटना की जांच जारी है और अभी तक नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की जा सकती। इसके अलावा, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यूएसएनएस बिग हॉर्न की स्थिति का आकलन करने के बाद ही जहाज के संचालन में वापस लौटने की योजना बनाई जाएगी। यूएसएनएस बिग हॉर्न जैसे जहाज अमेरिकी नौसेना के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे मध्य पूर्व जैसे संवेदनशील और संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में अमेरिकी युद्धपोतों और विमानवाहक पोतों को आवश्यक ईंधन और आपूर्ति प्रदान करते हैं। इस घटना से अमेरिका की रणनीतिक क्षमता पर कुछ समय के लिए प्रभाव पड़ सकता है, विशेषकर तब जब क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है।

पाकिस्तान में शिया और सुन्नी समुदायों के लोगों के बीच झड़प में 25 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों के बीच कई दिन से जारी झड़पों में कम से कम 25 व्यक्तियों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में पिछले सप्ताह के अंत में शुरू हुई झड़पें बुधवार को भी जारी रहीं। उन्होंने बताया कि शनिवार से झड़पों में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। हाल के वर्षों में कुर्रम सांप्रदायिक हिंसा का केंद्र रहा है। अधिकारियों ने बताया कि वे देश के अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भूमि विवाद को सांप्रदायिक हिंसा में बदलने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इस क्षेत्र में दोनों पक्षों के चरमपंथी समूह काफी सक्रिय हैं।

प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर सैफ अली ने कहा कि अधिकारी कबायली बुजुर्गों की मदद से तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुर्रम में शांति वार्ता के बाद दोनों पक्ष किसी भी तरह की हिंसा न करने पर सहमत हो गए हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान की 24 करोड़ आबादी में लगभग 15 प्रतिशत शिया मुसलमान हैं तथा दोनों समुदायों के बीच काफी समय से तनाव रहा है। वैसे तो दोनों समुदाय के लोग देश में काफी हद तक शांतिपूर्ण ढंग से रहते हैं फिर भी कुछ क्षेत्रों में खासकर कुर्रम जिले के कुछ ऐसे हिस्सों में उनके बीच दशकों से तनाव देखा गया है।

लेबनान में जमीनी युद्ध छिड़ने के आसार, हवाई हमलों के साथ सीमा पार करने को तैयार इजरायल

बेरूत , एजेंसी। गाजा युद्ध के बाद अब लेबनान में भी युद्ध छिड़ने की रूपरेखा तैयार हो चुकी है। इजरायल के सेना प्रमुख जनरल हरजी हालेवी ने कहा है कि हिजबुल्ला के ठिकानों को नष्ट करने के लिए हवाई हमले जारी रहेंगे, जरूरत पड़ने पर हम सीमा पार जाकर जमीनी कार्रवाई भी करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी कहा है कि लेबनान में युद्ध छिड़ सकता है। युद्ध की सरगर्मी के बीच तुर्किये ने युद्ध में लेबनान के साथ खड़े होने का एलान किया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारत ने लेबनान में मौजूद अपने नागरिकों से तत्काल वहां से हटने के लिए कहा है। इस बीच बुधवार को इजरायल के ताजा हवाई हमलों में लेबनान में 51 लोग मारे गए हैं और 223 घायल हुए हैं। बुधवार को हिजबुल्ला की मिसाइल करीब छह सौ किलोमीटर दूर इजरायल में तेल अवीव तक पहुंच गई। हिजबुल्ला ने वहां पर खुफिया एजेंसी मोसाद के मुख्यालय को निशाना बनाने का दावा किया है लेकिन इजरायल ने एजेंसी भवन पर हमले से इनकार किया है। बुधवार को हिजबुल्ला ने 300 राकेट, ड्रोन

और मिसाइलों से उत्तरी इजरायल और हायफा पर भी हमले किए। इजरायली डिफेंस सिस्टम ने ज्यादातर हमलों को नाकाम कर दिया है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जबकि सोमवार के इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 569 हो गई है और 1,835 घायल हैं। लेबनान में पिछले हफ्ते पेजर और रेडियो सेट में विस्फोट की घटनाएं भी हुई थीं, उनमें करीब 3,500 लोग घायल हुए थे। इस समय लेबनान के अस्पताल घायलों से भरे हुए हैं, ऐसे में आगे की लड़ाई लेबनान के लिए और ज्यादा मुश्किल हो जाएगी।

अब थाईलैंड में समलैंगिक जोड़े कर सकेंगे विवाह, सरकार ने बनाया कानून; बच्चा गोद लेने और विरासत का अधिकार मिला

बैंकाक , एजेंसी। थाईलैंड में समलैंगिक जोड़े अब विवाह के बंधन में बंध सकेंगे। दरअसल, मंगलवार को राजा महा वजीरालोंगकोर्ण की मंजूरी के बाद समलैंगिक विवाह अधिनियम अब कानून बन गया है। यह कानून अगले साल यानी 22 जनवरी 2025 से देश में लागू हो जाएगा।

कानून लागू होने के बाद देश में कोई भी समलैंगिक जोड़ा अपने विवाह का कानूनी तौर पर पंजीकरण करा सकता है। अब थाईलैंड एशिया में तीसरा और दक्षिण-पूर्व एशिया में समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाला पहला देश बन गया है।

विरासत और गोद लेने का मिला अधिकार अप्रैल में थाईलैंड की प्रतिनिधि सभा और जून में सीनेट में इस विधेयक को पारित किया गया था। अब राजा की मंजूरी के बाद कानून का रूप ले लिया है। कानून में समलैंगिक विवाह को मान्यता, वित्तीय और चिकित्सा अधिकार प्रदान करने का प्रावधान है। समलैंगिक जोड़े बच्चे गोद ले सकेंगे। उन्हें विरासत का अधिकार भी मिल गया है। वहीं अब दस्तावेजों में लिंग की जगह स्त्री-पुरुष और पति-पत्नी के स्थान पर लिंग तटस्थ शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा। सबसे पहले 2021 में नीदरलैंड ने समलैंगिक विवाह को मान्यता दी थी। मौजूदा

समय में दुनिया के 30 से अधिक देशों में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिल चुकी है। अगर एशिया की बात करें तो ताइवान और नेपाल के बाद थाईलैंड ऐसा करने वाला तीसरा देश बना है। कानून के बनने से थाईलैंड में समलैंगिक विवाह की मांग करने वाले कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

22 जनवरी को थाईलैंड में यह कानून लागू होगा। उसी दिन एक हजार से अधिक समलैंगिक जोड़े का सामूहिक विवाह कराने की तैयार भी चल रही है। यह आयोजन बैंकॉक में किया जाएगा। बता दें कि थाईलैंड में पिछले एक दशक से एलजीबीटीक्यू समुदाय यह लड़ाई लड़ रहा था।

नेतन्याहू ने युद्ध को लेकर वादा नहीं किया पूरा

वाशिंगटन, एजेंसी। एक वर्ष पहले ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पश्चिम एशिया में एक नयी शांति व्यवस्था कायम होने का पूरे जोश के साथ दावा किया था किंतु एक साल बाद जब वह उसी मंच पर वापस आएंगे तो उनकी यह घोषणा उनकी इज्जत के साथ तार-तार होकर बिखरती प्रतीत हो रही है। गाजा में विनाशकारी युद्ध को एक साल होने वाला है। इजराइल ईरान समर्थित लेबनानी समूह हिजबुल्लाह के साथ एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध के मुहाने पर खड़ा है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश अलग-थलग पड़ रहा है तथा उसका नेतृत्व एक कट्टर विचारधारा को समर्पित नेता कर रहा है, जिसके संघर्ष से निपटने के तौर-तरीकों को लेकर न सिर्फ दुनिया के अन्य देशों बल्कि उसके अपने देश में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इजराइल सिर्फ क्षेत्रीय संघर्षों की वजह से ही प्रभावित नहीं है। नेतन्याहू जब न्यूयॉर्क की यात्रा पर होंगे तो उन पर इस बात की आशंका का सामना करना पड़ेगा कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी हो सकता है। इजरायल के विदेश मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक और नेतन्याहू के मुखर आलोचक एलन लेल ने कहा, वह लगभग अवांछित व्यक्ति बनने की स्थिति में पहुंच गए हैं।

अमेरिका-मैक्सिको सीमा का दौरा कर प्रचार को धार देंगी कमला हैरिस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों प्रतिद्वंद्वियों में कड़ा मुकाबला है। हालांकि, उपराष्ट्रपति को दक्षिण में असुरक्षित सीमा के माध्यम से अवैध आप्रवासियों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ पर विपक्षी ट्रंप अभियान द्वारा तीखे राजनीतिक हमलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में भारतीय मूल की हैरिस ने वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए अमेरिका-मैक्सिको सीमा की यात्रा करने का फैसला लिया है।

डगलस की यात्रा करेंगी हैरिस: हैरिस-वॉल्ज अभियान ने बुधवार को एलान किया कि उपराष्ट्रपति शुक्रवार को एरिजोना के डगलस की यात्रा

करेंगी, जो अमेरिका-मैक्सिको सीमा के पास है। हालांकि, इस बारे में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। मगर बता दें, जुलाई में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने के बाद हैरिस की सीमा की यह पहली यात्रा होगी।

एरिजोना से हैरिस सैन फ्रांसिस्को जाएंगी और फिर धन जुटाने के लिए लॉस एंजिल्स जाएंगी। वह सप्ताहांत में नेवादा जाने की भी योजना बना रही हैं। नेवादा छह युद्धक्षेत्र राज्यों में से एक है। इस सप्ताह की शुरुआत में ट्रंप के प्रचार अभियान ने आरोप लगाया था कि हैरिस राजनीतिक कारणों से अमेरिका-मैक्सिको सीमा का दौरा कर रही हैं।

एरिजोना स्थित अभियान कार्यालय में हुई थी गोलीबारी: इससे एक दिन पहले, अमेरिका के एरिजोना में उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के अभियान कार्यालय में गोलीबारी की गई। पुष्टि की है। आधी रात के बाद किसी ने गोली चला दी थी। हालांकि, इस दौरान कार्यालय के अंदर कोई भी मौजूद नहीं था, लेकिन इस घटना के बाद इमारत के अंदर काम करने और आसपास रहने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हो गई। जासूस अब घटनास्थल पर सबूत जमा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया था कि क्षेत्र में कर्मचारियों और अन्य लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं।

न्यूयॉर्क में हुई जी4 देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात, सुरक्षा परिषद के तत्काल सुधार पर दिया जोर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में चार देशों के समूह (जी4) ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की। इस दौरान स्थिति का आकलन किया गया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

इस पर हुई बात: विदेश मंत्रालय ने बताया कि ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा, जर्मनी की संघीय विदेश मंत्री अनालेना बेयरबॉक, भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा ने 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान स्थिति का आकलन करने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की।

जी4 मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र के मूल में बहुपक्षीय प्रणाली के लिए मौजूदा महत्वपूर्ण चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र को समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने और इस प्रकार वर्तमान और भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के किसी भी प्रयास का एक अनिवार्य हिस्सा सुरक्षा परिषद का व्यापक सुधार है। उन्होंने 22 और 23 सितंबर 2024 को भविष्य के शिखर सम्मेलन का स्वागत किया, जहां विश्व नेताओं ने सुरक्षा परिषद के तत्काल सुधार का जोरदार आह्वान किया।

ब्राजील की पहल का भी स्वागत: इस संबंध में, जर्मनी, भारत और जापान के मंत्रियों ने जी-20 की ब्राजील की अध्यक्षता के संदर्भ में वैश्विक शासन सुधार पर कार्रवाई के लिए आह्वान शुरू करने की ब्राजील की पहल का भी स्वागत किया। उन्होंने वैश्विक शासन को बदलने के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि भविष्य के शिखर सम्मेलन के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार पर चर्चा सर्वोच प्राथमिकता बनी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार का आह्वान: जी-4 मंत्रियों ने सदस्यता की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार का आह्वान किया। इसका इस दौरान काफी संख्या में सदस्य देशों ने इसका समर्थन किया ताकि परिषद की वैधता बढ़ाई जा सके और इसकी प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

वे सुरक्षा परिषद में दोनों सदस्यता श्रेणियों में विकासशील देशों और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले देशों की भूमिका और भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमत हुए। इस संबंध में, उन्होंने दोनों सदस्यता श्रेणियों में अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन जैसे कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों और क्षेत्रों के बेहतर प्रतिनिधित्व के महत्व पर भी जोर दिया। मंत्रियों ने एजुल्विनी सर्वसम्मति और सिर्ते घोषणा में निहित अफ्रीकी स्थिति के प्रति अपने मजबूत समर्थन की पुष्टि की।

बांग्लादेश के बदले सुर, जल्द ही भारत से सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर करेगा बातचीत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश शीघ्र ही भारत के साथ सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर बातचीत करने के लिए कदम उठाएगा। अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारत और बांग्लादेश 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य में पानी की कमी का हवाला देते हुए इसका समर्थन करने से इनकार कर दिया।

सरकारी बीएसएस समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार, यहां 'साझा नदियों के जल पर बांग्लादेश का उचित हिस्सा शीर्षक से आयोजित एक संगोष्ठी में जल संसाधन सलाहकार सईदा रिजवाना हसन ने कहा कि बांग्लादेश शीघ्र ही भारत के साथ सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर बातचीत करने के लिए कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि बातचीत जनता की राय पर विचार करने के बाद की जाएगी और बातचीत के नतीजों को लोगों के साथ साझा किया जाएगा। रिजवाना ने कहा कि यद्यपि अंतरराष्ट्रीय नदियों का जल बंटवारा एक जटिल मुद्दा है, लेकिन आवश्यक सूचनाओं का आदान-प्रदान राजनीतिक नहीं होना चाहिए।

बहराइच है या जंगल, जहां दूध पिला रही मां से बच्चे को छीनता नजर आया भेड़िया

बहराइच। ये वो जिला है जहां भेड़िया, सियार, तेंदुआ, बाघ, लकड़बग्गा और न जाने कितने जानवर आए दिन देखे जा रहे हैं। इन जंगली जानवरों को देखकर कई बार लोग मजाक में कहते हैं कि ये बहराइच है जंगल। हद उस वक्त हो गई जब एक मां अपने बच्चे को दूध पिला रही थी। इसी बीच भेड़िया आया और मां से उसका बच्चा छीनने लगा। मां ने शोर मचाया तो भेड़ियां वहां से भाग निकला। बहराइच महसी इलाके में दो मासूम बच्चों पर भेड़िए ने हमला कर दिया। दोनों के गले पर भेड़िये ने रात को हमला कर दिया। भेड़िये ने जिस एक बच्चे पर हमला किया, वो अपनी नानी के घर आया हुआ था। बच्चे का नाम आरुष है, जो कि महज 6 महीने का है। वहीं दूसरी बच्ची का नाम ममता है। ममता पर भेड़िये ने उस वक्त हमला किया, जब उसकी मां उसे दूध पिला रही थी। मां ने शोर मचाया तो भेड़ियां वहां से भाग निकला। इसके बाद आनन-फानन में दोनों बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। अब दोनों बच्चों की हालत ठीक बताई जा रही है। बता दें कि भेड़ियों के हमले में अबतक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 50 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। करीब एक महीने से वन विभाग की टीम बहराइच में डेरा डाले हुए है।इसके अलावा बहराइच में ही 13 साल की बच्ची के गले पर तेंदुएं ने हमला कर दिया। उसकी हालत नाजुक है। उसे लखनऊ रेफर किया गया है। वहीं एक शख्स पर खेत में काम करने के दौरान तेंदुए के हमले में उसके दोनो हाथ जख्मी हो गए हैं। उसका भी उपाय मेडिकल कालेज में चल रहा है।उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भेड़िये का हमला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच तेंदुए और बाघ के भी हमले की खबर सामने आई है। ऐसा लग रहा है कि बहराइच में मानो जंगलराज हो। जिले के महसी तहसील क्षेत्र के करीब 80 गांवों में ये भेड़िया आतंक का पर्याय बन चुका है और इस कदर आदमखोर हो गया है कि वन विभाग की पहरेदारी और गांव के लोगों की चौकीदारी के बीच घरों में घुसकर बच्चों पर हमला कर रहा है। वन विभाग ने भले ही पांच भेड़ियों को पकड़ लिया हो। लेकिन बचे हुए एक भेड़िये ने नाक में दम कर रखा है। गुरुवार की रात को भेड़िये ने एक बार फिर दो बच्चों पर हमला कर दिया।

गोवा में सस्ती और कर्नाटक में सबसे महंगी बिक रही शराब

नई दिल्ली । भारत में राज्यों में शराब के दाम अलग-अलग हैं। जिनमें काफी अंतर है। उदाहरण की बात करें तो गोवा में शराब सबसे सस्ती है क्योंकि यहां पर टैक्स काफी कम है। वहीं कर्नाटक और महाराष्ट्र में शराब की कीमतें इससे कहीं ज्यादा हैं। भारत में शराब पर वन नेशन वन टैक्स की नीति लागू नहीं है। यानी कि हर राज्य अपनी आवश्यकताओं और नीतियों के अनुसार शराब पर अलग-अलग टैक्स लगाता है। इस कारण, एक ही ब्रांड की शराब एक राज्य में सस्ती हो सकती है, जबकि दूसरे राज्य में वह महंगी बिक सकती है। कर्नाटक देश के सबसे महंगे राज्यों में से एक है। यहां एक शराब की बोतल की औसत कीमत 513 रुपए है, जिसमें 83 का टैक्स शामिल है। कर्नाटक सरकार ने शराब पर भारी टैक्स लगाया है, जिससे आम लोगों के लिए शराब खरीदना मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति न केवल स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि राज्य में पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों के लिए भी चुनौतीपूर्ण है। वहीं तेलंगाना में शराब की औसत कीमत 246 रुपए है और इस पर 68 का टैक्स लगता है। महाराष्ट्र भी शराब की महंगी कीमतों के लिए जाना जाता है, जिससे यहां शराब पीना महंगा हो जाता है। वहीं गोवा जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, में शराब की कीमतें सबसे सस्ती हैं। वहां शराब की बोतल की औसत कीमत केवल 100 है। गोवा की राज्य सरकार ने शराब पर टैक्स कम रखा है ताकि स्थानीय लोग और पर्यटक आसानी से शराब खरीद सकें। यह कदम गोवा के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, शराब की कीमतें विभिन्न राज्यों में उनकी टैक्स नीतियों, आर्थिक स्थिति और स्थानीय मांग पर निर्भर करती हैं।

स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव.... एसी बोगी का पूरा शीशा टूट

पटना ।बिहार के समस्तीपुर में जयनगर से दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस (12561) पर एक शख्स के द्वारा पथराव करने का मामला आया है। इस दौरान एक एसी बोगी का पूरा शीशा टूट गया। वहीं, पैंट्री कार का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के बाद आरपीएफ की टीम जांच में जुट गई है। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय 08:55 में समस्तीपुर से जैसे खुली, प्लेटफार्म पर मौजूद एक शख्स ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इसके बाद ट्रेन रुक गई। घटना की जानकारी मिलने पर आरपीएफ की टीम ट्रेन में जांच करने के लिए मौके पर पहुंची। जांच के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। ट्रेन में हुए क्षतिग्रस्त शीशे को मुजफ्फरपुर में ठीक किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया, जांच में ये बात सामने आई हैं कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक पागल शख्स ने स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव किया था, जिसका सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पागल को स्टेशन से भगा दिया गया है।वैसे रेलवे एक-एक बिंदु पर जांच में जुटी है।

केरल में एमपॉक्स का एक और मामला सामने आया

तिरुवनंतपुरम। केरल में एमपॉक्स का एक और मामला सामने आया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि जिन लोगों में इसके लक्षण सामने आए हैं, उन्हें उपचार कराने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि स्थिति का आकलन करने के लिए शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि मरीज के संपर्क में आने वालों सूची तैयार करने समेत एहतियाती कदम उठाये गये हैं। मंत्री ने विदेश से राज्य में पहुंचे सभी लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी तरह के लक्षण दिखाई देने पर स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें और उपचार कराएं। मंत्री ने एक बयान में कहा, सभी जिलों में पृथकवास सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने 23 सितंबर को एमपॉक्स की रोकथाम और उपचार के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी करने की योजना की घोषणा की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 2022 में एमपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए जाने के बाद से भारत में इसके 30 मामले सामने आए हैं।

272 करोड़ के प्रोजेक्ट का कंगना रनौत ने किया विरोध, गडकरी ने किया था शिलान्यास

-नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद जताई नाराजगी

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत अब केंद्र सरकार के एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के विरोध में उतर आई हैं। 6 महीने पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कुल्लू की खराहल घाटी में बिजली महादेव रोपवे का ऐलान किया था। 272 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया गया था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट का कंगना रनौत ने विरोध शुरू कर दिया है।

दरअसल, बिजली महादेव मंदिर के लिए प्रस्तावित इस रोपवे का विरोध खराहल और कशावरी घाटी के लोग काफी समय से कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रोजेक्ट से उनके रोजगार प्रभावित होंगे और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि रोपवे के निर्माण के लिए कई पेड़ों को काटा जाएगा। साथ ही, ग्रामीणों का मानना है कि देवता इस प्रोजेक्ट से खुश नहीं हैं।

कंगना रनौत ने कहा, मैंने इस प्रोजेक्ट को लेकर नितिन गडकरी से मुलाकात की थी और उन्हें इस मामले की जानकारी दी है। अगर हमारे देवता नहीं चाहते हैं तो यह प्रोजेक्ट बंद होना चाहिए। हमारे लिए हमारे देवता का आदेश आधुनिकीकरण से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैं फिर से नितिन गडकरी से मिलूंगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कुल्लू के मोहल नेचर पार्क में इस रोपवे का वर्चुअली शिलान्यास किया था। डेढ़ साल में तैयार होने वाले इस रोपवे के जरिए 36,000 सैलानी रोजाना बिजली महादेव मंदिर पहुंच सकेंगे, जिससे यहां के पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। फिलहाल सड़क मार्ग से मंदिर पहुंचने में 2-3 घंटे लगते हैं, जबकि रोपवे से केवल सात मिनट में मंदिर तक पहुंचा जा सकेगा।

घंटेभर में 1200 लोग पहुंचेंगे

रोपवे के निर्माण कार्य का जिम्मा नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड के पास है। कंपनी के मैनेजर अनिल सेन के अनुसार, यह मोनो केबल रोपवे होगा जिसमें 55 बॉक्स लगाए जाएंगे। एक घंटे में इसकी क्षमता 1200 लोगों को ले जाने की होगी, जिसे बाद में 1800 तक बढ़ाया जाएगा।

बिजली महादेव की कहानी

कुल्लू घाटी के सुंदर गांव काशावरी में स्थित बिजली महादेव मंदिर 2460 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और भारत के प्राचीन मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की खासियत यह है कि हर 12 साल में शिवलिंग पर बिजली गिरती है और शिवलिंग के टुकड़े हो जाते हैं। पुजारी इन टुकड़ों को मक्खन और आटे के पेस्ट से जोड़ते हैं। मंदिर की महिमा के कारण देश-विदेश से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं।

कॉलोनी को पाकिस्तान कहने वाले जज श्रीशानंद पर हो सकती है कार्रवाई

नई दिल्ली। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणी के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ सकती है। हाल ही में सुनवाई के दौरान जज श्रीशानंद ने बेंगलुरु की एक कॉलोनी को पाकिस्तान कहा था। इस टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने उनके ट्रांसफर पर विचार करने का संकेत दिया है। कॉलेजियम में शामिल प्रमुख न्यायाधीशों, जिसमें चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय ने इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा की।

कर्नाटक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने 23 सितंबर को जस्टिस श्रीशानंद की टिप्पणियों को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद कॉलेजियम ने ट्रांसफर करने पर विचार किया। जस्टिस श्रीशानंद के खिलाफ कॉलेजियम का सख्त रुख कई विवादित बयानों के कारण है। उन्होंने पहले भी कई बार विवादों को जन्म दिया है, जिसमें 6 जून को की गई लैंगिक भेदभाव वाली टिप्पणी। इसके अलावा, 28 अगस्त को उनकी पाकिस्तान वाली टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया और सख्त नाराजगी जताई। 21 सितंबर को, जस्टिस श्रीशानंद ने खुली अदालत में बिना शर्त माफी मांगी और अपनी विवादास्पद टिप्पणी वापस ली। हालांकि, उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं, जिससे उनकी स्थिति और जटिल हो सकती है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने जस्टिस श्रीशानंद के ट्रांसफर पर आगे की कार्रवाई की योजना बनाई है, जिससे उनके विवादित बयानों को लेकर न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को बचाया जा सके।

लादेन का महिमामंडन कर बुरी फंसी जितेंद्र आव्हाड की पत्नी

-भाजपा का आरोप इंडी आंतकियों के साथ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ऋता आव्हाड ने कुछ ऐसा बयान दे दिया, जिस पर विवाद खड़ा हो गया है। कार्यक्रम के दौरान ऋता ने बच्चों से आंतकी ओसामा बिन लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया और अल-कायदा संस्थापक की तुलना पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से की। ऋता ने कहा कि लादेन मां के पेट से आतंकी पैदा नहीं हुआ था बल्कि समाज ने लादेन को आतंकी बनाया।

ठाणे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋता आव्हाड ने कहा, आपको लादेन की जीवनी पढ़नी चाहिए। कलाम जिस तरह राष्ट्रपति बने, उस तरह ओसामा बिन लादेन आतंकवादी बना था। लेकिन वह आतंकवादी क्यों बना? यह समाज ही था जिसने लादेन को ऐसा बनने के लिए मजबूर किया। वह पैदाइशी आतंकी नहीं था।

ऋता के बयान को मुद्दा बनाकर भाजपा ने राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड पर तीखा हमला बोला है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा, जितेंद्र अव्हाड की पत्नी ने खुले मंच से बच्चों से लादेन की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया, जैसे उन्होंने एपीजे अब्दुल कलाम के बारे में पढ़ा, ताकि वे समझ सकें कि वह आतंकवादी कैसा बना। आतंकवादियों का बचाव करना इंडिया ब्लॉक में शामिल पार्टियों के नेताओं की आदत बन गई है।

पूनावाला ने कहा, आव्हाड ने इशरत जहां (एलईटी आतंकवादी) का बचाव किया था। इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और सपा के नेताओं ने नियमित रूप से याकूब, अफजल, सिमी, कसाब और अन्य आतंकियों का भी बचाव किया है। भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पूछा कि क्या शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ऋता की इन टिप्पणियों का समर्थन करते हैं। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने कहा, अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए अब इंडी गठबंधन और एमवीए ने एक नई रणनीति शुरू की है। नेताओं की पत्नियों को इसतरह के बयान देने के लिए प्रोत्साहित करना जो टेरर को सॉफ्ट सपोर्ट का संकेत देते हैं!

भाजपा जम्मू में आतंकवाद के फिर उभार के लिए जनता से माफी मांगे : उमर अब्दुल्ला

उधमपुर/जम्मू (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अपेक्षाकृत शांत रहने वाले जम्मू संभाग में हाल में हुए आतंकवादी हमले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथित नाकामी दिखाते हैं और पार्टी को जम्मू-कश्मीर की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद के लिए नेकां, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को जिम्मेदार ठहराकर पाकिस्तान को 'क्लीन चिट' दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद की क्या स्थिति है जहां हमारे बहादुर बल के जवानों को अक्सर निशाना बनाया जाता है? भाजपा को पहले जवाब देना चाहिए कि 2014 के बाद जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद क्यों फैला, खासकर पिछले तीन वर्षों में जब हमले बढ़े हैं।''

उन्होंने कहा, ''जम्मू का कोई ऐसा स्थान नहीं है जहां पर आतंकवादी हमले नहीं हुए हों, फिर चाहे चिनाब घाटी हो, पीर पंजाल क्षेत्र हो यारियासी, कठुआ,उधमपुर, जम्मू और सांबा हो... यह उनकी (भाजपा सरकार की) नाकामी को प्रतिबिंबित करता है और पार्टी को इसे स्वीकार कर जनता से माफी मांगनी चाहिए।'' उमर ने उधमपुर पूर्व विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार सुनील वर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा के इतर उमर ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान का संदर्भ दिया जिन्होंने नेकां, कांग्रेस और पीडीपी को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, '' जब भाजपा नेता जम्मू-कश्मीर में बोलते हैं तो हमें जिम्मेदार ठहराते हैं, लेकिन जब वे केंद्र शासित प्रदेश से बाहर बोलते हैं तो पाकिस्तान को जिम्मेदार करार देते हैं।''

नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, ''वे (भाजपा नेतृत्व) एक बात नहीं करते। अगर हम जिम्मेदार हैं तो फिर वे पाकिस्तान से बात क्यों नहीं करते? आप जम्मू-कश्मीर की धरती से(आतंकवाद के लिए) हमें जिम्मेदार ठहरा रहे हो, इस प्रकार पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहे हो। वे विरोधाभासी बयान दे रहे हैं और जनता को भ्रमित करने के लिए अलग-अलग रुख अपना रहे हैं।'' उन्होंने कहा लेकिन नेशनल कांफ्रेंस एक आवाज में बात करती है चाहे वह जम्मू-कश्मीर हो या कहीं और। भाजपा ने नेकां के घोषणा पत्र की आलोचना की है। इस बारे में पूछे जाने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा, '' उनसे आप क्या उम्मीद कर सकते हैं कि वे हमारे घोषणा पत्र की प्रशंसा करेंगे? वे हमारे खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं और यह स्वभाविक है कि वे हमारे घोषणापत्र का विरोध करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''मैं खुश हूं और उनकी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद देता हूं। हम छोटी क्षेत्रीय पार्टी है और जम्मू-कश्मीर से बाहर हमारा कुछ भी नहीं है फिर भी उन्होंने हमारे घोषणापत्र को पूरे देश में चर्चा का विषय बना दिया है। शायद ही कोई केंद्रीय मंत्री या (भाजपा का) मुख्यमंत्री होगा जिसने हमारे घोषणा पत्र पर बात नहीं की हो। मैं भाजपा का शुक्रगुजार हूं।'' उमर ने भाजपा नेतृत्व द्वारा उनका नाम लेकर निशाना बनाए जाने पर कहा, '' सत्ता से इतने लंबे समय से दूर रहने के बावजूद अगर प्रधानमंत्री या गृहमंत्री अपने भाषणों में मुझे याद कर रहे हैं तो इसका अभिप्राय है कि मैंने कुछ अच्छा किया है।'' नेकां नेता ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के शुरुआती दो चरणों में खराब प्रदर्शन की वजह से भाजपा घबराई हुई है। इससे पहले नेकां और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर ने कहा कि भाजपा कह रही है कि अगर '' हम सरकार बनाते हैं तो आतंकवाद का सफाया कर देंगे।''

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को झटका, सुनील जाखड़ ने दिया इस्तीफा

– रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से थे नाराज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार जोरों पर है इसी बीच बीजेपी को जोरदार झटका लगा है। पंजाब में पंचायत चुनाव से पहले बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें एक साल पहले ही इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पार्टी सूत्रों से पता चला है कि अभी उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया है।

इस्तीफे को लेकर सुनील जाखड़ से संपर्क करना चाहा लेकिन उनका फोन नहीं उठा। वहीं इस खुलासे से पंजाब बीजेपी में हलचल मची गई है। पंजाब बीजेपी के जनरल सेक्रेटरी अनिल सरीन ने कहा कि सुनील जाखड़ ने इस्तीफा नहीं दिया है। यह अफवाह है। जानकारी के मुताबिक वह रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से नाराज चल रहे थे। बिट्टू लोकसभा चुनाव हार गए थे। हालांकि, बाद में उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया। इसके अलावा वह पंजाब में बीजेपी नेताओं के कामकाज के तरीके से भी नाराज हैं।

इस बारे में जाखड़ पिछले हफ्ते पीएम मोदी के साथ एक बैठक में पद छोड़ने की इच्छा जता चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक जाखड़ ने जुलाई महीने से ही पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। हालांकि, बीजेपी के सदस्यता अभियान की शुरुआत के समय वह मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंचायत चुनाव पर चर्चा और तैयारियों को लेकर पार्टी कार्यालय में बैठक रखी हुई। इसमें भी वह नहीं आए। जब बीजेपी के किसी वरिष्ठ नेता ने उन्हें फोन किया तो उनका जवाब था कि वह बैठक में शामिल नहीं होंगे और आगे भी किसी भी बैठक में नहीं आएंगे। इससे पहले जालंधर विधानसभा के उपचुनाव के बाद उनकी तरफ से पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बताया था कि वह प्रधान पद पर नहीं रहना चाहते।

जानकारों के मुताबिक जाखड़ के इस्तीफे देने की कई वजह हैं, क्योंकि उनकी लाइन बीजेपी से अलग रही है। लोकसभा चुनाव में वह चाहते थे कि बीजेपी अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लड़े लेकिन बात नहीं बनी। दूसरा बीजेपी के पुराने नेता भी उनसे असहज महसूस कर रहे थे। वह हमेशा कहते हैं कि बाहर से आए लोगों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जाखड़ जिस हिसाब से पंजाब संगठन में बदलाव चाहते हैं, उससे प्रदेश के नेताओं के अलावा केंद्रीय नेतृत्व भी सहमत नहीं है। जाखड़ का मानना है कि वह अपने हिसाब से काम नहीं कर पा रहे हैं।

15 अक्टूबर को पंचायत चुनाव

पंजाब में पंचायती चुनाव का ऐलान हो चुका है। 15 अक्टूबर को मतदान होना है। इसी दिन परिणाम भी आ जाएंगे। 27 से 4 अक्टूबर तक पंच व सरपंच पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल कर सकते हैं। करीब 4 महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में पंजाब में बीजेपी एक भी सीट नहीं जीत पाई है लेकिन इस बार पार्टी का वोट बढ़ा है। बीजेपी, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बाद तीसरे नंबर पर रही थी। बीजेपी को करीब साढ़े 18 फीसदी वोट मिले थे।

फिलहाल विदा होने को तैयार नहीं है मानसून, एक दर्जन राज्यों में करेगा झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसूनी बारिश पूरी हो गई है इसके बाद भी मानसून फिलहाल विदा होने को तैयार नहीं है। अब लगभग एक दर्जन राज्यों में एक बार फिर झमाझम बारिश करेगा इसके बाद विदाई लेगा। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों को मॉनसून विदाई का तोहफा दे रहा है। इस सप्ताह भी उत्तर से लेकर दक्षिण भारत के 10 से ज्यादा राज्यों में बारिश के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि अब तक गुरुवार, 26 सितंबर तक पंजाब, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों से विदा हो चुका है। खास बात है कि मॉनसून की विदाई करीब 10 दिनों की देरी से शुरू हुई है।

पूर्वोत्तर के अधिकांश राज्यों में 7 दिनों के दौरान बारिश के आसार हैं। वहीं, झारखंड में 27 सितंबर, बिहार में 28 सितंबर, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28 सितंबर, 2 अक्टूबर और 3 अक्टूबर को भारी बारिश हो सकती है। पश्चिम भारत में कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में 27 सितंबर को भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। वहीं, 28 सितंबर को भी मध्य महाराष्ट्र गुजरात क्षेत्र में भारी बारिश के आसार हैं। शनिवार को सौराष्ट्र और कच्छ में भारी बारिश की संभावनाएं हैं। अगले 7 दिनों के दौरान उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में बारिश के आसार हैं। उत्तर पश्चिम क्षेत्र में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में 27 सितंबर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27-28 सितंबर को भारी से अति भारी बारिश हो सकती है।पश्चिम मध्य प्रदेश में 27 और 28 सितंबर को भारी बारिश की संभावनाएं हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों को लेकर मौसम विभाग ने बताया है कि तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल में 28 और 29 सितंबर, केरल और माहे में 28 से 30 सितंबर, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 29 सितंबर, तटीय कर्नाटक में 30 सितंबर को भारी बारिश हो सकती है।

चीन से विवाद... 65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पूर्वी लद्दाख में पेट्रोलिंग प्वाइंट बढ़ा दिए हैं। सेना अब 65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी। एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विभिन्न स्थानों पर गश्त बढ़ा दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार कठिन मौसम की स्थिति और इलाके के बावजूद भारतीय सुरक्षा बल क्षेत्र पर अपना वर्चस्व सुनिश्चित कर रहे हैं।

पीपी-04 और पीपी-65 के बीच भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव कम होने के बाद नए पेट्रोलिंग क्षेत्र की पहचान हुई है। हालांकि दोनों देशों के बीच बफर की मौजूदगी के कारण इन नए गश्ती बिंदुओं तक पहुंचना मुश्किल है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि प्रभावी गश्त सुनिश्चित करने के लिए मार्ग बनाए गए हैं। 2013-14 से भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच झड़पें और गतिरोध बढ़े हैं। 2020 में लद्दाख में गतिरोध के कारण हिंसक झड़पें हुईं। इसमें एक कर्नल सहित 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तब से सुरक्षा बलों को नई तकनीक, ड्रोन, बुनियादी ढांचे, बलों के बीच बेहतर समन्वय और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) का उपयोग करके एलएसी के साथ सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए केंद्र की हालिया पहल से बेहतर तरीके से सुसज्जित किया गया है।

चीन के साथ 3488 किलोमीटर का बॉर्डर

भारत चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इसमें उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बीच का मध्य क्षेत्र भारत की तरफ और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र चीन की तरफ है। जबकि पूर्वी क्षेत्र अरुणाचल, सिक्किम और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र चीन की तरफ है। लद्दाख चीन के साथ 1,597 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, उसके बाद अरुणाचल (1,126 किलोमीटर) है।